Monthly Current Affairs
June 2019

दैनिक सामयिकी यूपीएससी आईएएस की तैयारी के लिये

03.06.2019

1. **<u>के. कस्तूरीरंगन समिति ने मसौदा राष्ट्रीय शिक्षा नीति प्रस्तुत की है।</u>**

- इस समिति के अध्यक्ष डॉ. कस्तूरीरंगन हैं, समिति ने उनके नेतृत्व में वर्ष 1992 में संशोधित मौजूदा राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986 को प्रतिस्थापित करने हेतु मानव संसाधन विकास मंत्रालय में मसौदा राष्ट्रीय शिक्षा नीति प्रस्तुत की है।
- मसौदा राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2019 पहुँच, समानता, गुणवत्ता, सामर्थ्य और जवाबदेही के आधारभूत स्तंभों पर बनाई गई है।

स्कूल शिक्षा पर सिफारिशें:

- समिति ने 3 वर्ष से 18 वर्ष तक की आयु के बच्चों को शामिल करने के लिए शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के विस्तार की सिफारिश की है, वर्तमान में 6 वर्ष से 14 वर्ष तक की आयु के बच्चे शामिल हैं।
- यह बच्चों के संज्ञानात्मक और सामाजिक-भावनात्मक विकास के चरणों पर आधारित 5+3+3+4 पाठ्यक्रम और शैक्षणिक संरचना को प्रस्तावित करता है:

1. मूलभूत चरण (आयु 3-8 वर्ष): प्री प्राइमरी प्लस ग्रेड 1-2 के 3 वर्ष
2. प्रारंभिक चरण (8-11 वर्ष): ग्रेड 3-5
3. मध्य चरण (11-14 वर्ष): ग्रेड 6-8 और
4. माध्यमिक चरण (14-18 वर्ष): ग्रेड 9-12

- स्कूलों को स्कूल परिसरों में पुन: व्यवस्थित किया जाएगा।
- यह स्कूल शिक्षा पाठ्यक्रम में पाठ्यक्रम भार को कम करने का प्रयास भी करता है।

उच्च शिक्षा पर सिफारिशें:

- तीन प्रकार के उच्च शिक्षा संस्थानों के साथ उच्च शिक्षा संस्थानों का पुनर्गठन प्रस्तावित किया गया है-

1. प्रकार 1: यह विश्वस्तरीय अनुसंधान और उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण पर केंद्रित है
2. प्रकार 2: यह अनुसंधान में महत्वपूर्ण योगदान के साथ सभी विषयों में उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षण पर केंद्रित है
3. प्रकार 3: यह उच्च गुणवत्ता वाला शिक्षण है जो पूर्वस्नातक शिक्षा पर केंद्रित है

- सभी शैक्षणिक पहलों के समाकलित कार्यान्वयन को सक्षम बनाने और केंद्र एवं राज्यों के मध्य प्रयासों के समन्वय हेतु एक नया सर्वोच्च निकाय प्रस्तावित किया गया है।

राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन

- एक मजबूत अनुसंधान संस्कृति का निर्माण करने और उच्च शिक्षा में अनुसंधान क्षमता का निर्माण करने हेतु एक सर्वोच्च निकाय, राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन प्रस्तावित किया गया है।
- मानक निर्धारण, वित्तपोषण, प्रत्यायन और विनियमन के चार कार्य, स्वतंत्र निकायों द्वारा अलग और संचालित किए जाते हैं:

1. व्यावसायिक शिक्षा सहित सभी उच्च शिक्षाओं हेतु एकमात्र नियामक के रूप में राष्ट्रीय उच्च शिक्षा विनियामक प्राधिकरण है।
2. प्रत्यावर्तित पारिस्थिक प्रणाली का निर्माण संशोधित एन.ए.ए.सी. के द्वारा किया गया है
3. व्यावसायिक शिक्षा के प्रत्येक क्षेत्र के लिए व्यावसायिक मानक निर्धारण निकाय है और
4. उच्च शिक्षा अनुदान आयोग को बदलने के लिए यू.जी.सी. है

अन्य सिफारिशें:

- समिति ने एम.एच.आर.डी. का नाम बदलकर शिक्षा मंत्रालय करने का प्रस्ताव दिया है।

- 4 वर्षीय समाकलित चरण-विशिष्ट बी.एड. कार्यक्रम अंततः शिक्षकों के लिए न्यूनतम डिग्री योग्यता होगी।
- निजी और सार्वजनिक संस्थानों को समान माना जाएगा और शिक्षा, "गैर-लाभकारी" गतिविधि रहेगी।
- इसमें स्कूल में तीन भाषायी फार्मूले को जारी रखने के बारे में भी कहा गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – महत्वपूर्ण नीति

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>तीन-भाषायी फार्मूले पर स्पष्टीकरण</u>**

- हाल ही में, सरकार ने मसौदा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनावरण के बाद "हिंदी गैर-अधिरोपण" कहते हुए, तीन भाषायी फार्मूले पर स्पष्टीकरण जारी किया है।

संबंधित जानकारी

तीन-भाषायी फार्मूला

- भाषा सीखने के लिए तीन-भाषायी फार्मूले को 1968 में राज्यों के परामर्श से भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा तैयार किया गया था।
- राष्ट्रीय नीति संकल्प को 1968 में प्रतिपादित किया गया था।
- यह "हिंदी भाषायी राज्यों में हिंदी, अंग्रेजी और आधुनिक भारतीय भाषा (प्राथमिक रूप से दक्षिणी भाषाओं में से एक) का अध्ययन और गैर-हिंदी भाषायी राज्यों में हिंदी, अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं का अध्ययन" प्रदान करता है।
- वर्तमान में, तमिलनाडु में तीन भाषायी प्रणाली का पालन नहीं किया जाता है।

भाषा से संबंधित समिति

- गुजरात: उर्दू भाषा के प्रचार हेतु वर्ष 1972 में गठित समिति है।
- अली सरदार जाफरी: गुजरात समिति की सिफारिशों के कार्यान्वयन की जांच करने हेतु 1990 में गठित समिति है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 – कला एवं संस्कृति

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>मंत्रिमंडल ने मवेशियों के पैर और मुंह की बीमारी के नियंत्रण हेतु विशेष योजना को मंजूरी प्रदान की है।</u>**

- मंत्रिमंडल ने मवेशियों के मुंह और पैर की बीमारी और ब्रूसीलोसिस के नियंत्रण हेतु एक विशेष योजना को मंजूरी प्रदान की है।
- पशुओं, गायों-बैलो, भैसों, भेड़ों, बकरियों, सुअरों के मध्य मुंह और पैर की बीमारी और ब्रूसीलोसिस बहुत की सामान्य बीमारी है।
- इस योजना की पूरी लागत केंद्र सरकार द्वारा वहन की जाएगी।

पैर और मुंह के रोग एवं ब्रुसीलोसिस

- यह पशुओं की अत्यधिक संक्रामक विषाणुजनित बीमारी है।
- यह बीमारी मवेशियों, सूअरों, भेड़ों, बकरियों और अन्य विभाजित-खुर वाले जुगाली करने वाले पशुओं को प्रभावित करती है।
- यह बीमारी तब फैलती है जब संक्रमित जानवर विषाणु को अतिसंवेदनशील जानवरों के संपर्क में लाते हैं।
- दुर्लभ मामलों में, मानव भी अतिसंवेदनशील होते हैं।

ब्रूसीलोसिस

- यह विभिन्न ब्रूसीला प्रजातियों के कारण होने वाला एक जीवाणुजनित रोग है, जो मुख्य रूप से मवेशियों, सूअरों, बकरियों, भेड़ों और कुत्तों को संक्रमित करता है।
- इस बीमारी से बुखार, कमजोरी और अस्वस्थता और वजन कम होना जैसे फ्लू के लक्षण दिखाई देते हैं।

संक्रमण का माध्यम

- मनुष्य में सामान्यत: यह बीमारी, संक्रमित जानवरों से प्रत्यक्ष संपर्क में रहने, दूषित जानवर उत्पादों को खाने या पीने या हवाजनित कारकों के श्वसन के माध्यम से भीतर जाने से होती है।

- अधिकांश मामले, संक्रमित बकरियों या भेड़ों से गैर-पाश्च्युरीकृत दूध या पनीर के सेवन के कारण होते हैं।
- इस बीमारी का व्यक्ति से व्यक्ति में हस्तांतरण दुर्लभ है।

टॉपिक- जी.एस; पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

4. **<u>दुकानदारों, व्यापारियों हेतु पेंशन योजना</u>**

- मंत्रिमंडल ने दुकानदारों, व्यापारियों के लिए पेंशन योजना को मंजूरी प्रदान की है जो 60 वर्ष की आयु के बाद सभी दुकानदारों, खुदरा व्यापारियों और स्व-नियोजित व्यक्तियों को न्यूनतम 3,000 रुपये मासिक पेंशन का आश्वासन देती है।
- यह सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के सरकार के प्रयासों के हिस्से के रूप में किया जी रही है।
- 5 करोड़ रूपए से कम जी.एस.टी. टर्नओवर वाले सभी छोटे दुकानदारों और स्व-नियोजित व्यक्तियों के साथ-साथ खुदरा व्यापारी और 18-40 वर्ष की आयु के व्यक्ति योजना में नामांकन कराने के पात्र हैं।
- यह योजना स्व-घोषणा पर आधारित है क्यों कि आधार और बैंक खाते को छोड़कर किसी भी दस्तावेज की आवश्यकता नहीं है।
- इच्छुक व्यक्ति देश भर में फैले सामान्य सेवा केंद्रो के माध्यम से अपना नामांकन कर सकते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- ए.आई.आर.

5. **<u>विदेशी कप्पाफाइकस समुद्री सिवार, प्रवाल भित्ति के लिए खतरा है।</u>**

- प्रवाल भित्ति को दबाने और मारने वाला आक्रामक कप्पाफाइकसअल्वरेजी समुद्री सिवार ने मन्नार की खाड़ी (जी.ओ.एम.) में वलई द्वीप में प्रवाल भित्ति क्षेत्रों में अपने पंख फैलाए हैं और समुद्री राष्ट्रीय उद्यान में नयी प्रवाल कॉलोनियों में प्रवेश करने हेतु तैयार हैं।

संबंधित जानकारी

कप्पाफाइकसअल्वरेजी

- यह लाल शैवाल की एक प्रजाति है।
- यह कर्राजीनन्स की सबसे महत्वपूर्ण वाणिज्यिक स्रोतों में से एक है, जो जेल बनाने वाला एक चिपचिपा पॉलीसेकेराइड है।
- यह बहुत तेजी से बढ़ता है, यह 15 दिनों में अपने बायोमास को दोगुना करने के लिए जाना जाता है।
- यह शैवाल एक प्रचलित प्रजाति है और हवाई में पाई जाने वाली एक विषैली जलीय खरपतवार है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

6. **<u>सरकार ने सभी किसानों के लिए पी.एम.-किसान योजना के विस्तार की मंजूरी प्रदान की है।</u>**

- सरकार ने देश में सभी किसानों के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पी.एम.-किसान) के विस्तार को मंजूरी प्रदान की है।
- पहले इस योजना का लाभ केवल दो हेक्टेयर भूमि वाले किसानों के लिए निर्धारित किया गया था।

संबंधित जानकारी

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि

- यह योजना वर्ष 2018 में शुरू की गई थी जो छोटे और सीमांत किसानों को सुनिश्चित आय समर्थन प्रदान करेगी।
- कमजोर भूमिधारक परिवारों, 2 हेक्टेयर तक की खेती योग्य भूमि रखने वाले कृषक परिवारों को प्रति वर्ष 6,000 रुपये की दर से प्रत्यक्ष आय समर्थन प्रदान किया जाएगा।
- आय समर्थन को सीधे लाभार्थी किसानों के बैंक खातों में 2,000 रुपये की तीन समान किश्तों में हस्तांतरित किया जाएगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- ए.आई.आर.

7. **<u>"निषिद्ध" ग्रह को नेपच्यून रेगिस्तान में खोजा गया है।</u>**

- खगोलविदों ने एक एक्सोप्लैनेट एन.जी.टी.एस.-4बी. की खोज की थी जिसे नेप्च्यून रेगिस्तान में अपने स्वयं के वातावरण में "निषिद्ध ग्रह" के रूप में भी जाना जाता है।
- "निषिद्ध ग्रह", एन.जी.टी.एस.-4 नामक एक तारे की परिक्रमा करता है, जो पृथ्वी से लगभग 920 प्रकाश वर्ष दूर स्थित है।
- नया खोजा गया एक्सोप्लैनेट, नेपच्यून से छोटा है लेकिन पृथ्वी के आकार का तीन गुना है।
- यह गैस के वातावरण को भी बनाए रखता है।

संबंधित जानकारी

- नेप्च्यून रेगिस्तान को व्यापक रूप से सितारों के निकट के क्षेत्र के रूप में परिभाषित किया जाता है जहां नेपच्यून के आकार का कोई भी एक्सोप्लैनेट नहीं पाया जाता है।
- इन क्षेत्रों को तारे से मजबूत विकिरण प्राप्त होता है।
- अत: ग्रह अपने गैसीय वातावरण को बरकरार नहीं रखते हैं क्यों कि वे सिर्फ एक चट्टानी कोर को छोड़कर वाष्पित होते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- साइंस डेली

8. **<u>इरुला जनजातीय समुदाय</u>**

- नीलगिरि के जंगलों में किलकोटागिरि के करिकियूर में शैल चित्रों ने लगभग 5,000 वर्षों तक प्रकृति की शक्तियों का सामना किया है लेकिन पिछले कुछ वर्षों में ट्रेकर्स, पर्यटकों और असभ्यों द्वारा लगभग 40% चित्रों को नष्ट कर दिया गया है।
- सरकार ने करिकियूर में 5,000 वर्ष पुरानी पेंटिंग को नष्ट होने से रोकने हेतु अवैध पर्यटन को रोकने के लिए बहुत कम प्रयास किया है।
- हाल ही में, नीलगिरी जनजातीय समुदाय, इरुला जनजातीय समुदाय ने असभ्यों के रूप में नीलगिरी के जंगलो में किलकोटागिरी में करकियूर में शैल चित्रों को नष्ट किया है।

संबंधित जानकारी

इरुला लोग

- इरुला, एक द्रविड़ जातीय समूह है जो भारत के तमिलनाडु और केरल राज्यों में नीलगिरि पर्वतीय क्षेत्र में रहते हैं।
- वे अनुसूचित जनजाति हैं जो द्रविड़ परिवार से संबंधित हैं।

नीलगिरि बायोस्फियर रिजर्व

- नीलगिरि बायोस्फीयर रिज़र्व, दक्षिण भारत के पश्चिमी घाटों और नीलगिरि पहाड़ियों की श्रेणी में एक अंतर्राष्ट्रीय बायोस्फीयर रिजर्व है।
- इसे वर्ष 2012 में यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत स्थल घोषित किया गया था।
- इसमें अरालम, मुदुमलाई, मुकुर्थी, नागरहोल, बांदीपुर और साइलेंट वैली राष्ट्रीय उद्यान के साथ ही वायनाड, नेय्यार, पेप्पारा, शेंदुर्आने और सत्यमंगलम वन्यजीव अभयारण्य शामिल हैं।
- टोडस, कोटस, इरुल्लास, कुरुम्बस, पनियास, आदियंस, एदनादनचेत्तिस, अल्लार, मलायन आदि रिजर्व के मूल निवासी हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –कला एवं संस्कृति

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

9. **<u>न्यूजीलैंड 'भलाई (वेलबींग)' बजट</u>**

- न्यूजीलैंड पहला पश्चिमी देश है जिसने अपना पूरा बजट भलाई की प्राथमिकताओं के आधार पर तैयार किया है।
- बजट में जीवन प्रत्याशा, शिक्षा का स्तर, वायु की गुणवत्ता और "अपनेपन की भावना" शामिल है।
- बजट में मानसिक स्वास्थ्य, स्वदेशी कल्याण और बाल गरीबी पर खर्च में वृद्धि की गई है।

संबंधित जानकारी

- यह भूटान के हिमालयी राज्य द्वारा पहली बार 1970 के दशक की शुरुआत में खुशियों की अतिवृद्धि को प्राथमिकता देने के विचार के बाद एक दूसरा नवाचार कदम है और इसने वर्ष 2008 में सकल राष्ट्रीय खुशी सूचकांक पेश किया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3– अर्थशास्त्र

स्रोत-लाइव मिंट

04.06.2019

1. **<u>अनिवार्य हिंदी, ड्राफ्ट शिक्षा नीति से बाहर कर दी गई है।</u>**

- सभी विद्यालयों में अनिवार्य हिंदी के शिक्षण को लागू करने की सिफारिश करने वाले खंड को केंद्र सरकार द्वारा ड्राफ्ट राष्ट्रीय शिक्षा नीति से बाहर कर दिया गया है।
- हालांकि, संशोधित ड्राफ्ट में कक्षा 1 से शुरू करते हुए तीन भाषायी फॉर्मूले को प्रस्तावित करने की सिफारिश की गई है, यह केवल उस खंड को हटाता है जो छात्रों द्वारा चुनी जाने वाली विशिष्ट भाषाओं को निर्धारित करता है।
- अनुभाग 4.5.9 में विवादास्पद वाक्य का शीर्षक 'भाषाओं के चयन की सुविधा' है।

मूल ड्राफ्ट

- लचीलेपन के सिद्धांत को ध्यान में रखते हुए, जो छात्र पढ़ाई जाने वाली तीन भाषाओं में से एक भाषा को बदल सकते हैं, वे ऐसा ग्रेड 6 में कर सकते हैं, क्यों कि हिंदी भाषीय राज्यों में छात्रों द्वारा तीन भाषाओं के अध्ययन में हिंदी और अंग्रेजी को शामिल रखा जा सकेगा और भारत के अन्य भागों में आधुनिक भारतीय भाषाओं में से एक भाषा को शामिल रखा जा सकेगा।
- जबकि गैर-हिंदी भाषीय राज्यों में छात्रों द्वारा भाषाओं के अध्ययन में क्षेत्रीय भाषा, हिंदी और अंग्रेजी शामिल होंगी।

संशोधित ड्राफ्ट

- लचीलेपन के सिद्धांत को ध्यान में रखते हुए, जो छात्र पढ़ाई जाने वाली तीन भाषाओं में से एक या एक से अधिक भाषाओं को बदलना चाहते हैं तो वे ऐसा ग्रेड 6 अथवा ग्रेड 7 तक कर सकते हैं, क्यों कि माध्यमिक विद्यालय के दौरान वे अपनी मॉड्यूलर बोर्ड परीक्षाओं में अभी भी तीन भाषाओं (साहित्यिक स्तर पर एक भाषा) में दक्षता प्रदर्शित करने में सक्षम होते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>उड़चलो पोर्टल</u>**

- "उड़चलो" एक यात्रा पोर्टल है जो रक्षा किरायों को एकत्रित करके और विशेष छूट प्राप्त करके सैन्य और अर्धसैनिक बलों के कर्मियों को व्यक्तिगत यात्रा की सेवा प्रदान करता है।
- सेना के पैराप्लेजिक पुनर्वास केंद्र ने विकलांग सैन्य दिग्गजों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से उड़चलो के साथ साझेदारी की है।

संबंधित जानकारी

पैराप्लेजिक पुनर्वास केंद्र

- यह एक नोडल संस्था है जो भारत के सशस्त्र बलों (थल सेना, नौसेना और वायु सेना) को रीढ़ की हड्डी की चोटों की एक श्रृंखला के लिए विशेष पुनर्वास सेवाएं प्रदान करती है।
- ये सैन्य कर्मचारी हैं, जो चिकित्सकीय रूप से अक्षम हैं अर्थात् राष्ट्र की सेवा करते हुए रीढ़ की हड्डी की चोट के कारण नौकरी से सेवानिवृत्त हुए हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>तियानानमेन स्क्वायर विरोध प्रदर्शन 1989</u>**

- हाल ही में, चीन के मंत्री ने दुर्लभ सार्वजनिक अभिस्वीकृति कार्यक्रम में 1989 के तियानानमेन स्क्वायर विरोध प्रदर्शन पर कार्रवाई का बचाव किया है।

संबंधित जानकारी

1989 तियानानमेन स्कवॉयर विरोध प्रदर्शन

- तियानानमेन स्क्वायर विरोध प्रदर्शन को सामान्यत: मुख्य भूमि चीन में जून की चौथी घटना अथवा सिक्स फोर के रूप में जाना जाता है, यह 1989 के मध्य में बीजिंग में छात्रों के नेतृत्व में किया गया प्रदर्शन था।
- इन विरोध प्रदर्शनों को सामान्यत: मुख्य भूमि चीन में "जून की चौथी घटना" या "सिक्स फोर" या 89 लोकतंत्र ओदोलन" के रूप में जाना जाता है।
- कम्युनिस्ट सरकार द्वारा मार्शल लॉ घोषित करने और बीजिंग के मध्य भागों पर कब्जा करने के लिए सेना को भेजने के बाद इन विरोध प्रदर्शनों को बलपूर्वक दबा दिया गया था।
- असाल्ट राइफलों और टैंकों से सुसज्जित सैनिकों ने तियानमेन स्क्वायर की ओर सेना के मार्ग को अवरुद्ध करने की कोशिश कर रहे प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की थी, जिसके परिणामस्वरूप कई हजार छात्रों की जान चली गई थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम

स्रोत- द हिंदू

4. **<u>केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण, उच्च न्यायालय के समान शक्तियों का प्रयोग कर सकता है।</u>**

- दिल्ली उच्च न्यायालय ने माना है कि सेवा के मामलों का फैसला करने वाला केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (सी.ए.टी.), अपनी अवमानना कार्यवाही के संबंध में उच्च न्यायालय के समान क्षेत्राधिकार और शक्तियों का प्रयोग कर सकता है।

संबंधित जानकारी

केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (सी.ए.टी.)

- यह भारत की सीमा के भीतर अथवा भारत सरकार के नियंत्रण के अंतर्गत केंद्र या अन्य स्थानीय प्राधिकरणों के मामलों के संबंध में सार्वजनिक सेवाओं और पदों पर नियुक्त व्यक्तियों की सेवा की शर्तों और भर्ती के संबंध में विवादों के फैसलों हेतु स्थापित किया गया है।
- संविधान का भाग XIV-A अधिकरणों के संदर्भ में है।
- यह प्रावधान 42वें संशोधन अधिनियम, 1976 के माध्यम से जोड़ा गया था।
- अनुच्छेद 323 A और 323 B क्रमशः अन्य मामलों से संबंधित प्रशासनिक अधिकरणों और अधिकरणों के संदर्भ मे हैं।
- 1985 में प्रशासनिक न्यायाधिकरण अधिनियम को संसदीय प्राधिकरणों द्वारा अधिनियमित किया गया था, केंद्र सरकार ने एक केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण और राज्य प्रशासनिक अधिकरण स्थापित किए हैं।
- सी.ए.टी. निम्नलिखित से संबंधित सभी सेवा मामलों पर क्षेत्राधिकार का उपयोग करता है:

1. किसी भी अखिल भारतीय सेवा के सदस्य
2. संघ की किसी भी सिविल सेवा या संघ के अंतर्गत किसी भी सिविल पद पर नियुक्त व्यक्ति
3. किसी भी रक्षा सेवाओं या रक्षा से संबंधित पद पर नियुक्त नागरिक

- हालांकि, रक्षा बलों के सदस्य, अधिकारी, सर्वोच्च न्यायालय के कर्मचारी और संसद के साचिविक कर्मचारी सी.ए.टी. के क्षेत्राधिकार में शामिल नहीं हैं।
- सी.ए.टी. में एक अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और अन्य सदस्य शामिल हैं जिन्हें राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है।
- अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के कार्यकाल की अवधि 5 वर्ष अथवा 65 वर्ष की आयु तक होती है और सदस्यों के कार्यकाल की अवधि 5 वर्ष अथवा 62 वर्ष होती है, जो भी पहले हो।

- अध्यक्ष, उपाध्यक्ष या अन्य कोई भी सदस्य अपने पद के कार्यकाल के बीच अध्यक्ष को अपना इस्तीफा दे सकता है।
- उच्च न्यायालय में अधिकरण के आदेशों के खिलाफ अपील की जा सकती है और सीधे सर्वोच्च न्यायालय में अपील नहीं की जा सकती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

5. **<u>सरकार ने नया "जल शक्ति" मंत्रालय शुरू किया है।</u>**

- जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा कायाकल्प मंत्रालय और पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय को मिलाकर जल शक्ति मंत्रालय का गठन किया गया है।
- नए मंत्रालय के अंतर्गत स्वच्छ पेयजल प्रदान करना, अंतर्राष्ट्रीय और अंतर्राज्यीय जल विवाद जैसे मुद्दों को नमामि गंगे परियोजना में शामिल किया जाएगा, जिसका उद्देश्य गंगा और उसकी सहायक नदियों और उप-सहायक नदियों को स्वच्छ करना है।

संबंधित जानकारी

जल संसाधन मंत्रालय

- भारत में जल संसाधनों के विकास और विनियमनों से संबंधित कानूनों और विनियमों के सूत्रीकरण और प्रशासन हेतु जल संसाधन मंत्रालय (पहले जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा कायाकल्प) सर्वोच्च निकाय है।

पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय

- इसका गठन पेयजल और स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित करने हेतु ग्रामीण विकास मंत्रालय के अंतर्गत किया गया था।
- पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय देश में पेयजल और स्वच्छता के कार्यक्रमों की समग्र नीति, योजना, वित्त पोषण और समन्वय हेतु नोडल विभाग है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- ए.आई.आर.

6. **<u>नया लिंग समानता सूचकांक, भारत 129 देशों में 95वें स्थान पर है।</u>**

- हाल ही में, वैश्विक लिंग समानता को मापने हेतु एक नया सूचकांक लांच किया गया है, इस सूचकांक में 129 देशों में भारत का 95वां स्थान है।
- एस.डी.जी. लिंग सूचकांक, विश्व आर्थिक मंच के लिंग अंतर सूचकांक के लगभग समान है, इस सूचकांक में भारत का 108वां स्थान है।

रैंकिंग कैसे काम करती है?

- एस.डी.जी. लिंग सूचकांक को इक्वल मीसर्स 2030 द्वारा विकसित किया गया है, यह क्षेत्रीय और वैश्विक संगठनों का संयुक्त प्रयास है जिसमें अफ्रीकी महिलाओं के विकास और संचार नेटवर्क, महिलाओं हेतु एशियाई-प्रशांत संसाधन और अनुसंधान केंद्र, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन और अंतर्राष्ट्रीय महिला स्वास्थ्य संघ शामिल है।
- यह 17 में से 14 एस.डी.जी. (सतत विकास लक्ष्य) के लिए जिम्मेदार हैं, जिसमें गरीबी, स्वास्थ्य, शिक्षा, साक्षरता, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और कार्यस्थल पर समानता जैसे पहलू शामिल हैं।
- 100 का स्कोर प्रत्येक संकेतक के लिए निर्धारित लक्ष्यों के संबंध में लैंगिक समानता की उपलब्धि को प्रतिबिंबित करता है।
- रैंकिंग से ज्ञात हुआ है कि विश्व, "बहुत खराब" का दर्जा वाले देशों में रहने वाली 1.4 बिलियन लड़कियों और महिलाओं के साथ लिंग समानता के लक्ष्य को प्राप्त करने से बहुत दूर है।
- 129 देशों का वैश्विक औसत स्कोर- जो विश्व की 95% लड़कियों और महिलाओं का प्रतिनिधित्व करता है- सूचकांक में 100 में से 65.7 ("गरीब") है।

भारत के लिए महत्वपूर्ण निष्कर्ष

- भारत के सर्वोच्च गोल स्कोर स्वास्थ्य (79.9), भूख और पोषण (76.2), और ऊर्जा (71.8) पर हैं।
- इसका सबसे कम लक्ष्य स्कोर भागीदारी (18.3, नीचे के 10 देशों में दुनिया भर में), उद्योग, बुनियादी ढांचे और नवाचार (38.1), और जलवायु (43.4) पर है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –आर्थिक विकास

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. **<u>भारतीय नौसेना ने समुद्री डकैती रोधी गश्त लगाई है।</u>**

- हिंद महासागर क्षेत्र (आई.ओ.आर.) में अपनी मिशन आधारित तैनाती (एम.बी.डी.) के विस्तार में नौसेना ने ओमान के सालाह से अदन की खाड़ी में समुद्री डकैती रोधी गश्त करने हेतु अपना पी.-8आई. लंबी दूरी के समुद्री निगरानी विमान तैनात किया है।
- एम.बी.डी. अवधारणा के अंतर्गत, नौसेना ने आई.ओ.आर. में किसी भी समय प्रत्येक चोक प्वाइंट पर एक जहाज रखता है।

मिशन-आधारित तैनाती

- समुद्री डकैती रोधी तैनाती के अतिरिक्त, आई.एन. जहाजों की ओमान और फारस की खाड़ी में ऑपरेशन "गल्फदेप" और अंडमान सागर में ऑपरेशन "मालदेप" में मिशन तैनाती की गई थी और इनकी पहुँच मलक्का जलडमरूमध्य तक थी।

संबंधित जानकारी

पी.-8आई. विमान के संदर्भ में जानकारी

- पी.-8 आई. एक लंबी दूरी के पनडुब्बी रोधी युद्ध, सतह रोधी युद्ध, खुफिया, निगरानी और जासूसी विमान है जो व्यापक क्षेत्र, समुद्री और तटीय परिचालन में सक्षम है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत-पी.आई.बी.

8. **<u>अपराध अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क प्रणाली (सी.सी.टी.एन.एस.) परियोजना</u>**

- महाराष्ट्र सरकार ने प्रणाली में खामियों की शिकायतों के बाद पूरे अपराध अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क प्रणाली (सी.सी.टी.एन.एस.) परियोजना को अपग्रेड करने का निर्णय लिया है।

संबंधित जानकारी

परियोजना के संदर्भ में जानकारी

- ई-गवर्नेंस के माध्यम से प्रभावी शासन हेतु एक व्यापक और एकीकृत प्रणाली का निर्माण करने के लिए भारत सरकार के अंतर्गत सितंबर, 2015 में इस परियोजना का अनावरण किया गया था।
- इस प्रणाली में पूरे देश के 14,000 से अधिक पुलिस स्टेशनों को एकीकृत करके राष्ट्रव्यापी ऑनलाइन ट्रैकिंग प्रणाली शामिल की गई है।
- यह परियोजना राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो द्वारा लागू की गई है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

9. **<u>ओर्डेन मेक्सिकाना डेल एगुइला एज़्टेका: विदेशियों के लिए मैक्सिको का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार है।</u>**

- पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल को "ओर्डेन मेक्सिकाना डेल एगुइला एज़्टेका (आर्डर ऑफ द एज्टेक ईगल)" नामक विदेशियों के लिए मैक्सिको के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
- प्रतिभा पाटिल को मैक्सिको के साथ मानवीय संबंधों को मजबूत करने में मदद करने हेतु यह सम्मान दिया गया है।

संबंधित जानकारी

ऑर्डर ऑफ द एज़्टेक ईगल

- यह पुरस्कार राष्ट्रपति के नेतृत्व में इस उद्देश्य के लिए स्थापित की गई एक परिषद के निर्देश पर विदेश मंत्री के कार्यालय द्वारा प्रदान किया जाता है।

- डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के बाद प्रतिभा पाटिल, यह पुरस्कार प्राप्त करने वाली पहली भारतीय महिला और दूसरी भारतीय हैं।
- इससे पहले डा. नेल्सन मंडेला, क्वीन एलिजाबेथ II (द्वितीय), बिल गेट्स को इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

टॉपिक-राज्य पी.सी.एस. हेतु महत्वपूर्ण-सम्मान एवं पुरस्कार
स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

05.06.2019

1. **<u>केंद्र के नए औषधि एवं नैदानिक परीक्षण नियम, 2019</u>**

- केंद्र के नए औषधि नियमों के लागू होने के बाद से अचानक इलाज मिलना बंद हो जाने के बाद कई गंभीर रूप से बीमार मरीज़ों को दिल्ली उच्च न्यायालय के बाहर लाइन में लगने पर मजबूर होना पड़ा था।

संबंधित जानकारी
नए औषधि एवं नैदानिक परीक्षण नियम, 2019 के संदर्भ में जानकारी

- यह स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के पर्यवेक्षण में है।
- नए नियमों ने भारतीय औषधि महानियंत्रक (डी.सी.जी.आई.) के लिए भारत के बाहर विकसित दवाओं के नैदानिक परीक्षण आवेदन पर निर्णय लेने के समय को 180 दिनों से घटाकर 90 दिन और भारत में "खोज, अनुसंधान और विनिर्माण" के लिए 30 दिन कर दिया है।
- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने "नई औषधियों" की परिभाषा के अंतर्गत "स्टेम कोशिका से उत्पन्न उत्पादों" को चिह्नित किया है।
- यह भी अनिवार्य किया गया है कि इस प्रकार के सूत्रीकरण को केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सी.डी.एस.सी.ओ.) द्वारा अनुमोदित किया जाना चाहिए।
- नए नियमों में विपणन लाइसेंस प्राप्त करने हेतु इस प्रकार की "नई औषधि" चिकित्सा में संलग्न क्लीनिकों की आवश्यकता होती है।
- नैदानिक परीक्षण, अनुसंधान अध्ययन हैं जो यह पता लगाते हैं कि एक चिकित्सा रणनीति, उपचार या उपकरण मनुष्यों के लिए सुरक्षित और प्रभावी हैं कि नहीं हैं।
- बाजार में कोई दवा लांच करने से पहले इसकी सुरक्षा और प्रभावकारिता का परीक्षण किया जाता है।

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सी.डी.एस.सी.ओ.) के संदर्भ में जानकारी

- केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सी.डी.एस.सी.ओ.), औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम, 1940 के अंतर्गत नैदानिक परीक्षणों को विनियमित करता है।
- केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सी.डी.एस.सी.ओ.), भारतीय फार्मास्यूटिकल्स और चिकित्सा उपकरणों के लिए एक राष्ट्रीय विनियामक संस्था है।
- यह औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम, 1940 के अंतर्गत कार्य करता है।
- सी.डी.एस.सी.ओ., स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के अंतर्गत आता है।

सी.डी.एस.सी.ओ. निम्न हेतु जिम्मेदार है:

- नई औषधियों के अनुमोदन हेतु
- नैदानिक परीक्षणों के आयोजन हेतु
- औषधियों हेतु मानकों के निर्धारण हेतु
- देश में आयातित औषधियों की गुणवत्ता पर नियंत्रण हेतु
- औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम के प्रवर्तन में एकरूपता लाने के दृष्टिकोण से विशेषज्ञ सलाह देकर राज्य औषधि नियंत्रण संगठनों की गतिविधियों के समन्वय हेतु

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस
स्रोत- द हिंदू

2. **<u>वैज्ञानिकों ने मुर्गियों को बर्ड फ्लू के प्रति प्रतिरोधी बनाने हेतु उनके जीन को एडिट किया है।</u>**

- वैज्ञानिकों ने एक प्रयोगशाला में बढ़ रही चिकन कोशिकाओं में बर्ड फ्लू को फैलने से रोकने के लिए जीन-एडिटिंग तकनीकों का प्रयोग किया है जो कि मानव फ्लू महामारी को रोक सकती है।
- उन्होंने CRISPR नामक जीन एडिटिंग तकनीकों का प्रयोग किया है।
- यह ANP32 नामक एक प्रोटीन के उत्पादन हेतु जिम्मेदार पक्षियों के डी.एन.ए. के एक हिस्से को हटाने में मदद करता है, जिस पर एक मेजबान को संक्रमित करने हेतु सभी फ्लू विषाणु निर्भर होते हैं।
- सी.ए.एस.9 (अथवा "CRISPR- संबद्ध प्रोटीन 9") एक एंजाइम है जो डी.एन.ए. की विशिष्ट किस्मों को पहचानने और विभाजित करने हेतु एक मार्गदर्शक के रूप में CRISPR अनुक्रमों का प्रयोग करता है, ये विशिष्ट किस्में CRISPR अनुक्रम की संपूरक होती हैं।
- सी.ए.एस. 9 एंजाइम, CRISPR के साथ CRISPR-सी.ए.एस.9 नामक तकनीकि के आधार का निर्माण करता है जिसका जीवों के भीतर जीनों को एडिट करने में प्रयोग कर सकते हैं।

संबंधित जानकारी

बर्ड फ्लू

- बर्ड फ्लू को एवियन इन्फ्लूएंजा भी कहा जाता है, एक विषाणुजनित संक्रमण है जो न केवल पक्षियों बल्कि मनुष्यों और अन्य जानवरों को भी संक्रमित कर सकता है। विषाणु के अधिकांश रूप पक्षियों के लिए सीमित हैं।
- एच.5एन.1, बर्ड फ्लू का सबसे सामान्य रूप है।
- यह पक्षियों के लिए घातक है और यह मनुष्यों और अन्य जानवरों को आसानी से प्रभावित कर सकता है जो एक वाहक के संपर्क में आने से होता है।
- वर्तमान में, विषाणु को मानव-से-मानव संपर्क के माध्यम से फैलने हेतु नहीं जाना जाता है।
- एच.5एन.1, प्राकृतिक रूप से जंगली जलप्रपात में पाया जाता है लेकिन यह घरेलू मुर्गी पालन से आसानी से फैल सकता है।
- संक्रमित पक्षी के मल, नाक से स्राव अथवा मुंह या आँखों से स्राव के संपर्क में आने से यह रोग मनुष्यों में फैलता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत-द हिंदू

3. **<u>डिजिटल हस्तांतरण को बढ़ावा देने हेतु नीलेकणि की सिफारिशें</u>**

- आर.बी.आई. द्वारा नियुक्त नंदन नीलेकणि समिति ने डिजिटल भुगतान के संवर्धन पर अपने सुझाव प्रस्तुत किए थे।

समिति की सिफारिशें

- डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए समिति ने कई उपायों का सुझाव दिया है, जिसमें शुल्कों को समाप्त करना, 24 घंटे आर.टी.जी.एस. और एन.ई.एफ.टी. की सुविधा देना और पॉइंट-ऑफ-सेल्स मशीनों का शुल्क-मुक्त आयात करना शामिल है।
- व्यापारी छूट दर मूल्य निर्धारण संरचना: कार्ड भुगतान पर इंटरचेंज दर में 15 बेसिस प्वाइंट (0.15 प्रतिशत) की कटौती की जाए जो व्यापारी द्वारा वहन की जाती है।
- तीन वर्ष की अवधि के लिए पी.ओ.एस. (प्वाइंट ऑफ सेल) मशीनों पर मौजूदा 18% आयात शुल्क हटाया जाए।
- डिजिटल हस्तांतरणों पर उत्पाद एवं सेवा कर को इस प्रकार कम करें जिससे कि ग्राहकों के बीच डिजिटल भुगतान की स्वीकार्यता में सुधार किया जा सके।

- शिकायतों के निवारण हेतु भुगतान प्रणालियों को अवश्य ही मशीन-चालित, ऑनलाइन विवाद समाधान प्रणालियों का उपयोग करना चाहिए।
- ग्राहकों द्वारा सरकारी संस्थाओं को किए गए भुगतान पर कोई भी सुविधा शुल्क नहीं होना चाहिए।
- आर.बी.आई. और सरकार को डिजिटल भुगतान प्रणालियों की निगरानी करने और ब्लॉक एवं पिन कोड के आधार पर समेकित जानकारी इकठ्ठा करने हेतु एक उपयुक्त तंत्र स्थापित करना चाहिए था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3–अर्थशास्त्र

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

4. **<u>गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय</u>**

- सरकार की वित्तीय धोखाधड़ी जांच संस्था, एस.एफ.आई.ओ. ने आई.एल.एंड एफ.एस. के दोषी ऑडिटरों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की सिफारिश की है।

संबंधित जानकारी

गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय

- गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एस.एफ.आई.ओ.), भारत में एक संवैधानिक कॉर्पोरेट धोखाधड़ी जांच संस्था है।
- इसका गठन कॉरपोरेट गवर्नेंस पर नरेश चंद्र समिति की सिफारिशों और शेयर बाजार घोटालों की पृष्ठभूमि पर किया गया था क्यों कि गैर-बैंकिंग कंपनियों की विफलता के परिणामस्वरूप वर्ष 2003 में जनता को भारी वित्तीय नुकसान हुआ था।
- यह भारत सरकार के कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र में है।
- एस.एफ.आई.ओ., प्रमुख धोखाधड़ी जांचों में शामिल रहा है और यह आयकर विभाग एवं केंद्रीय जांच ब्यूरो की समन्वित संस्था है।
- यह एक बहु-अनुशासनात्मक संगठन है जिसमें वित्तीय क्षेत्र, पूंजी बाजार, अकाउंटेंसी, फोरेंसिक ऑडिट, कराधान, कानून, सूचना प्रौद्योगिकी, कंपनी कानून, सीमा शुल्क और जांच के विशेषज्ञ शामिल हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

5. **<u>पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने हरियाणा के सभी जानवरों को 'कानूनी व्यक्ति' घोषित किया है।</u>**

- पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने हरियाणा में जानवरों को "कानूनी व्यक्ति या संस्था" का दर्जा प्रदान किया है।
- यह उन्हें "एक जीवित व्यक्ति के समान अधिकार, कर्तव्य और दायित्व" प्रदान करने में मदद करता है।
- उत्तराखंड उच्च न्यायालय द्वारा "जानवरों के अधिक कल्याण की रक्षा और संवर्धन करने के लिए" एक समान आदेश पारित किए जाने के लगभग एक वर्ष बाद यह फैसला आया है।

संबंधित जानकारी

- उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने वर्ष 2017 में गंगा और यमुना नदियों को भी जीवित संस्थाओं के रूप में घोषित किया था, यह एक फैसला था जिस पर बाद में सर्वोच्च न्यायालय ने रोक लगा दी थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- लाइव मिंट

6. **<u>चतुर्भुज सुरक्षा वार्तालाप (क्वाड्स) बैठक का बैंकॉक में आयोजन किया गया है।</u>**

- चतुर्भुज सुरक्षा वार्तालाप, जिसे क्वाड्स के नाम से भी जाना जाता है, यह भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान से मिलकर बना एक अनौपचारिक रणनीतिक समूह है, जिसकी हाल ही में, थाईलैंड के बैंकॉक बैठक हुई थी।

संबंधित जानकारी

चतुर्भुज सुरक्षा वार्तालाप

- चतुर्भुज सुरक्षा वार्तालाप (क्यू.एस.डी., जिसे क्वाड के नाम से भी जाना जाता है), यह संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत के मध्य एक अनौपचारिक रणनीतिक वार्ता है जिसे सदस्य देशों के मध्य वार्तालाप द्वारा बनाए रखा जाता है।
- क्वाड (या क्यू.एस.डी.), भारत-प्रशांत क्षेत्र में नियम-आधारित आदेश के संरक्षण और संवर्धन हेतु प्रतिबद्ध है।
- इस वार्तालाप की शुरुआत वर्ष 2007 में जापान के प्रधानमंत्री शिंजो अबे ने अमेरिका के उपराष्ट्रपति डिक चेने, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री जॉन हावर्ड और भारत के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के सहयोग से की थी।
- मालाबार युद्धाभ्यास नामक, एक अभूतपूर्व पैमाने के संयुक्त सैन्य युद्धाभ्यास द्वारा इस वार्तालाप को अनुकूल बनाया जाता था।
- कूटनीतिक और सैन्य व्यवस्था को व्यापक रूप से बढ़ती हुई चीनी आर्थिक और सैन्य शक्तियों के प्रति प्रतिक्रिया के रूप में देखा गया था और चीनी सरकार ने अपने सदस्यों के प्रति औपचारिक राजनयिक विरोध जारी करके चतुर्भुज वार्तालाप के प्रति प्रतिक्रिया व्यक्त की थी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. **<u>सीमापार दिवालियापन संकल्प का सूत्रपात करने हेतु आई.बी.सी. संशोधन</u>**

- कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय के नेतृत्व में एक पैनल ने सीमापार दिवालियापन पर संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय व्यापारिक कानून आयोग को अपनाने का सुझाव दिया है।
- वर्तमान में, दिवालियापन एवं शोधन अक्षमता संहिता सीमापार दिवालियापन में शामिल मामलों से प्रभावी रूप से निपट नहीं पा रही है।
- सरकार को आई.बी.सी. की धारा 234 और धारा 235 में संशोधन की उम्मीद है।
- वर्तमान में, आई.बी.सी. की धारा 234 में उल्लेख किया गया है कि "केंद्र सरकार, इस संहिता के प्रावधानों को लागू करने के लिए भारत के बाहर किसी भी देश की सरकार के साथ एक समझौते में प्रवेश कर सकती है।"

संबंधित जानकारी

संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय व्यापारिक कानून आयोग के संदर्भ में जानकारी:

- यह अंतर्राष्ट्रीय व्यापारिक कानून के क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र प्रणाली का मुख्य कानूनी निकाय है।
- UNCITRAL मॉडल, कानून परिसमापन और पुनर्गठन के बीच एक संतुलन की परिकल्पना करता है और सीमापार दिवालियापन के चार क्षेत्रों में संकल्प हेतु ढांचा प्रदान करता है।
- इसने देशों को उनकी परिस्थितियों के लिए उपयुक्त अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक और व्यापारिक कानून के सिद्धांतों की तुलना, जांच, चर्चा और अनुकूलन हेतु एक मूल्यवान मंच प्रदान किया है।
- भारत, UNCITRAL के सदस्यों में से एक है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

8. **<u>ओउस्सुदु झील</u>**

- पुदुचेरी की ओउस्सुदु झील में किए गए भेद्यता मूल्यांकन अध्ययन ने जल निकायों में बढ़ते प्लास्टिक प्रदूषण पर चिंता व्यक्त की थी।
- रिपोर्ट में बताया गया है कि नहरें प्लास्टिक की थैलियों, थर्माकोल, कप, प्लेट, पाइप और बोतलों के कूड़ा डालने का मैदान बन गई हैं।

ओउस्सुदु झील के संदर्भ में जानकारी

- औउस्तेरी झील को औउस्सुदु झील भी कहा जाता है जो पुदुचेरी से लगभग 10 कि.मी. दूर स्थित एक मानव निर्मित झील है।

- तमिलनाडु सरकार ने भी वर्ष 2015 में इसे "पक्षी अभयारण्य" के रूप में घोषित किया है।
- इसे अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति एवं प्राकृतिक संसाधन संरक्षण संघ (आई.यू.सी.एन.) द्वारा एशिया की महत्वपूर्ण आद्रभूमियों में से एक माना गया है।
- यह झील, पुदुचेरी में ताजे पानी के सबसे बड़े जलग्रहण क्षेत्र के रूप में कार्य करती है।
- झील की वनस्पति (छोटी जड़ी-बूटियों से लेकर पेड़ों तक) सर्दियों और गर्मियों के दौरान प्रवासी पक्षिवृन्द के साथ-साथ देशीय पक्षियों का भी समर्थन करती हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

9. **#सेल्फीविदसैपलिंग अभियान**

- केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने जनता का अभियान #सेल्फीविदसैपलिंग शुरू किया है, जो सभी से इस अभियान में शामिल होने और एक पौधा लगाने और सोशल मीडिया पर पौधे के साथ सेल्फी पोस्ट करने का आग्रह करता है।
- विश्व पर्यावरण दिवस 2019 की थीम "वायु प्रदूषण" है।

संबंधित जानकारी

- विश्व पर्यावरण दिवस 2019, सरकारों, उद्योगों, समुदायों और व्यक्तियों से आग्रह करता है कि वे अक्षय ऊर्जा, हरित प्रौद्योगिकियों का पता लगाने और पूरे विश्व के शहरों और क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता में सुधार करने के लिए एक साथ आएं।

कुछ वायु प्रदूषण तथ्य

- पूरे विश्व में 92 प्रतिशत लोग स्वच्छ वायु में सांस नहीं लेते हैं।
- कल्याणकारी लागतों में वायु प्रदूषण की वैश्विक अर्थव्यवस्था में प्रत्येक वर्ष 5 ट्रिलियन डॉलर की लागत आती है।
- जमीनी स्तर के ओजोन प्रदूषण से 2030 तक फसल की पैदावार 26 प्रतिशत तक कम होने की उम्मीद है।

वायु प्रदूषण को कम करने की दिशा में भारत के कदम

- भारत ने राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एन.सी.ए.पी.) का सूत्रीकरण और शुभारंभ किया है।
- यह एक दीर्घकालिक समयबद्ध राष्ट्रीय स्तरीय रणनीति है और पूरे देश में बढ़ती प्रदूषण समस्या से निपटती है।
- एन.सी.ए.पी. का उद्देश्य वायु गुणवत्ता निगरानी नेटवर्क को बढ़ाने के अतिरिक्त वायु प्रदूषण की रोकथाम, नियंत्रण और उन्मूलन हेतु व्यापक योजना है।
- अस्थायी राष्ट्रीय स्तर का लक्ष्य, वर्ष 2024 तक पी.एम.2.5 और पी.एम.10 की सांद्रता में 20%-30% की कमी करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- टाइम्स ऑफ इंडिया

06.06.2019

1. **प्रधानमंत्री, आर्थिक विकास और बेरोजगारी पर समिति का नेतृत्व करेंगे**

- धीमे आर्थिक विकास और बढ़ती बेरोजगारी की दोहरी समस्याओं का समाधान करने हेतु सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में दो मंत्रिमंडल समितियों का गठन किया है।

निवेश एवं विकास समिति

- निवेश और विकास पर पांच सदस्यीय समिति में गृह मंत्री, वित्त मंत्री, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री और एम.एस.एम.ई. एवं रेल मंत्री शामिल हैं।
- इस समिति का ध्यान बुनियादी ढांचा, विनिर्माण और कृषि सहित महत्वपूर्ण क्षेत्रों में निवेश लाने और विकास को बढ़ावा देने पर केंद्रित होगा क्योंकि अर्थव्यवस्था अत्यधिक अस्थिर अवधि से गुजर रही है।

रोजगार एवं कौशल विकास समिति

- समिति, अर्थव्यवस्था (जी.डी.पी.) को एक विकास पथ पर वापस लाने के लिए एक रोड मैप तैयार करेगी जो 2018-19 की अंतिम तिमाही में 8% तक गिर गया था जो पिछले पांच वर्षों में सबसे कम है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

2. **"नल से जल" योजना**

- हाल ही में, जल शक्ति मंत्रालय द्वारा "नल से जल" योजना की शुरूआत की गई है।
- इस योजना का उद्देश्य वर्ष 2024 तक प्रत्येक ग्रामीण घर तक नलों द्वारा पेयजल उपलब्ध कराना है।
- यह योजना यूनिसेफ की रिपोर्ट पर आधारित है जिससे ज्ञात हुआ था कि 84% ग्रामीण घरों को नल के द्वारा पानी की पहुंच नहीं प्राप्त है और देश का 70% से अधिक पानी दूषित है।
- यूनिसेफ का अध्ययन यह भी दर्शाता है कि गैर-ओ.डी.एफ. गाँवों की तुलना में ओ.डी.एफ. गांवों में भूजल के 7 गुना कम दूषित होने की संभावना है।

संबंधित जानकारी

जल शक्ति मंत्रालय

- जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा कायाकल्प मंत्रालय और पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय को मिलाकर जल शक्ति मंत्रालय का गठन किया गया है।
- नए मंत्रालय में स्वच्छ पेयजल प्रदान करने, अंतर्राष्ट्रीय और अंतर्राज्यीय जल विवाद की श्रृंखला से लेकर गंगा और उसकी सहायक नदियों और उप-सहायक नदियों को स्वच्छ करने के नमामि गंगे परियोजना के उद्देश्य जैसे मुद्दे शामिल होंगे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

3. **टोक्यो के साथ 2+2 बैठक**

- भारत के विदेश मंत्री और उनके जापानी समकक्ष ने एशिया-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा पर चर्चा करने हेतु टेलीफोन पर वार्तालाप की थी।
- दोनों देशों ने इस वर्ष भारतीय प्रधानमंत्री और जापानी प्रधानमंत्री के वार्षिक शिखर सम्मेलन से पहले अपनी 2 + 2 स्तर की वार्तालाप करने का फैसला किया है।
- 2+2 बैठक, दोनों देशों के विदेश और रक्षा मंत्रियों की बैठक को संदर्भित करती है।
- भारत का अमेरिका के साथ 2+2 तंत्र है।

संबंधित जानकारी

भारत-अमेरिका: 2+2 वार्तालाप

- भारत और अमेरिका ने अपने मध्य रणनीतिक समन्वय को बढ़ाने और भारत-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने हेतु पहले से ही एक नयी 2+2 मंत्रिस्तरीय वार्तालाप स्थापित की है।
- नया वार्तालाप प्रारूप, पहले के भारत-अमेरिका रणनीतिक एवं वाणिज्यिक वार्तालाप को प्रतिस्थापित करेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- द हिंदू

4. **आर्थिक जनगणना-2019**

- केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओ.एस.पी.आई.) के अंतर्गत 7वीं आर्थिक जनगणना की तैयारी चल रही है।
- यह सातवीं आर्थिक जनगणना (7वीं ई.सी.) है।
- पहली आर्थिक जनगणना वर्ष 1977 में की गई थी।
- वर्तमान आर्थिक जनगणना 2019 में एमओ.एस.पी.आई., सी.एस.सी. ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड के साथ साझेदारी मे है, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत कार्यान्वन संस्था के रूप में एक विशेष प्रयोजन वाहन है।

आर्थिक जनगणना

- आर्थिक जनगणना, भारत की भौगोलिक सीमा के भीतर स्थित सभी प्रतिष्ठानों की पूर्ण गणना है।
- आर्थिक जनगणना, देश के सभी प्रतिष्ठानों के विभिन्न परिचालन और संरचनात्मक चरों पर असंगत जानकारी प्रदान करती है।
- आर्थिक जनगणना, देश में सभी आर्थिक प्रतिष्ठानों की आर्थिक गतिविधियों, स्वामित्व प्रारूपों, संलग्न व्यक्तियों आदि के भौगोलिक प्रसार/ समूहों में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

5. **<u>हूलॉक लंगूर (गिबन)</u>**

- अरुणाचल प्रदेश के एक गाँव में, स्थानीय लोग अपने प्राकृतिक आवास में रहने वाली प्रजातियों को संरक्षित करने के लिए लंगूरों के अनुकूल पेड़ों का गलियारा लगा रहे हैं।

संबंधित जानकारी

हूलॉक लंगूर के संदर्भ में जानकारी

- हूलॉक लंगूर पूर्वी बांग्लादेश, पूर्वोत्तर भारत और दक्षिण पश्चिम चीन के मूल निवासी हैं।
- हूलॉक लंगूर को आई.यू.सी.एन. की रेड लिस्ट में लुप्तप्राय के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।
- वे मुख्य रूप से मिश्मी पहाड़ियों में पाए जाते हैं और अब उन्हें सामान्यत: मिश्मी पहाड़ी लंगूर के रूप में जाना जाता है।
- यह जानवर लोअर दिबांग घाटी जिले में स्थित मेहाओ वन्यजीव अभयारण्य में संरक्षित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत-लाइव मिंट

6. **<u>तमिलनाडु स्वास्थ्य प्रणाली सुधार कार्यक्रम</u>**

- केंद्र सरकार, तमिलनाडु और विश्व बैंक ने राज्य के स्वास्थ्य प्रणाली सुधार कार्यक्रम के लिए 287 मिलियन डॉलर के ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।
- इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वास्थ्य देखभाल की गुणवत्ता में सुधार करना, गैर-संचारी रोगों (एन.सी.डी.) के बोझ को कम करना और प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य सेवाओं में निष्पक्षता के अंतर को पूरा करना है।
- तमिलनाडु, नीति आयोग स्वास्थ्य सूचकांक में सभी भारतीय राज्यों में तीसरे स्थान पर है जो स्वास्थ्य परिणामों में सुधार को दर्शाता है।
- राज्य की मातृ मृत्यु दर वर्ष 2005 में प्रति 100,000 जीवित जन्मों में 90 मौतों से घटकर वर्ष 2015-16 में प्रति 1,00,000 व्यक्ति पर 62 मौतें हो गई है, जब कि समान समयावधि के दौरान नवजात मृत्यु दर प्रति 1000 जीवित जन्मों में 30 से घटकर प्रति 1000 जीवित जन्मों में 20 हो गई है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- टी.ओ.आई.

7. **<u>इक्वेटर प्राइज</u>**

- संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यू.एन.डी.पी.) ने दक्कन विकास सोसाइटी समूहों की छह महिलाओं की वर्ष 2019 के "इक्वेटर प्राइज" के विजेता के रूप में घोषणा की है।
- पुरस्कार स्थल डी.डी.एस. संघम महिला था, जो "जलवायु परिवर्तन और सतत विकास के लिए स्थानीय, प्रकृति-आधारित समाधान का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।"
- पारंपरिक प्रणालियों का पालन करके पर्यावरण की रक्षा के लिए पिछले तीन दशकों से उनके अथक प्रयासों के लिए डी.डी.एस. की महिलाओं को इस पुरस्कार के लिए चुना गया है। “अपने स्वास्थ्य की रक्षा के लिए स्थानीय स्तर पर उगाए गए ताजे भोजन का सेवन करें।"

संबंधित जानकारी

इक्वेटर प्राइज के संदर्भ में जानकारी

- संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के अंतर्गत इक्वेटर पहल द्वारा इक्वेटर प्राइज का आयोजन किया जाता है।

- जैव विविधता के संरक्षण और सतत उपयोग के माध्यम से गरीबी को कम करने के सामुदायिक प्रयासों को मान्यता प्रदान करने हेतु द्विवार्षिक रूप से यह सम्मान प्रदान किया जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –महत्वपूर्ण पुरस्कार

स्रोत-द हिंदू

8. **<u>चीन ने अपना पहला समुद्र आधारित अंतरिक्ष रॉकेट लॉन्च किया है।</u>**

- चीन ने एक मालवाहक जहाज से एक अंतरिक्ष रॉकेट का अग्रणी प्रक्षेपण किया है, ऐसा करके वह फ्लोटिंग लांच प्लेटफार्म के पूर्ण स्वामित्व और पूर्ण परिचालन करने वाला "पहला राष्ट्र" बन गया है।
- पीले समुद्र में एक जहाज से एक लांग मार्च 11 रॉकेट को लॉन्च किया गया था।
- प्रक्षेपण यान ने दो वैज्ञानिक मॉड्यूलों के साथ पांच वाणिज्यिक उपग्रहों को पृथ्वी की कक्षा में सफलतापूर्वक पहुँचाया है।
- उपग्रहों से समुद्र की सतह पर हवाओं की निगरानी और टाइफून और अन्य चरम मौसम की स्थिति का पूर्वानुमान करने की उम्मीद है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

9. **<u>पर्यावरणीय स्थितियों के कारण डॉल्फ़िन की मौत हो सकती है।</u>**

- वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं के एक दल ने हाल ही में, कर्नाटक के मंगलुरू के मुक्का और ससिहित्लु समुद्र तट पर फंसी हुई दो डॉल्फ़िनों की मौत के कारणों का पता लगाया है।
- टीम के अनुसार, डॉल्फिनों की मृत्यु विभिन्न पर्यावरणीय परिस्थितियों जैसे कि अत्यधिक ज्वार प्रवाह, चरम मौसम स्थितियों, सौर तूफान, मानव गतिविधियों, बीमारी या चोट या प्रदूषण (एक तेल रिसाव के विषाक्त प्रभाव) के कारण हो सकती है।

संबंधित जानकारी

भारतीय डॉल्फिन

- भारतीय वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के अनुसार डॉल्फिन संरक्षित प्रजातियाँ हैं।
- सरकार ने गंगीय डॉल्फिन को राष्ट्रीय जलीय जानवर के रूप में भी घोषित किया है।
- इन्हें आई.यू.सी.एन. की रेड लिस्ट में लुप्तप्राय के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।
- हाल ही में, गंगीय डॉल्फिन के संरक्षण हेतु पटना विश्वविद्यालय परिसर में गंगा नदी के तट पर एशिया के पहले डॉल्फिन अनुसंधान केंद्र की स्थापना की गई है।
- गंगीय डॉल्फिन के संरक्षण हेतु भारत के बिहार के भागलपुर जिले में विक्रमशिला गंगीय डॉल्फ़िन अभयारण्य भी स्थित है।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 3–पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

07.06.2019

1. **<u>मंत्रिमंडलीय समितियों का पुनर्गठन- 2019</u>**

- केंद्र सरकार ने आठ मंत्रिमंडलीय समितियों की संरचना जारी की है, जिसमें दो नई समितियां शामिल हैं, एक निवेश समिति और दूसरी रोजगार एवं कौशल विकास समिति है।

संबंधित जानकारी

मंत्रिमंडल समितियाँ

- कार्यकारिणी, भारत सरकार व्यापार नियमों का हस्तांतरण, 1961 के अंतर्गत काम करती है।
- ये नियम संविधान के अनुच्छेद 77 (3) से प्राप्त होते हैं।
- ये नियम, किसी विभाग (मंत्रालय) के प्रभारी मंत्री को उसके अधीन "विभाग को आवंटित सभी व्यवसाय" के निपटान का शासनादेश प्रदान करते हैं।

इसमें शामिल है-

- मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति
- आवास पर मंत्रिमंडिलीय समिति

- आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति
- संसदीय मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति
- राजनीतिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति
- सुरक्षा पर मंत्रिमंडलीय समिति
- निवेश एवं विकास पर मंत्रिमंडलीय समिति
- रोजगार एवं कौशल विकास पर मंत्रिमंडलीय समिति

निवेश एवं विकास पर मंत्रिमंडलीय समिति:

- निवेश पर मंत्रिमंडलीय समिति 1,000 करोड़ रुपये या उससे अधिक के निवेश को शामिल करते हुए "समय सीमा के आधार पर कार्यान्वित की जाने वाली आवश्यक प्रमुख परियोजनाओं" की पहचान करेगी।
- यह चिन्हित क्षेत्रों में संबंधित मंत्रालयों द्वारा अपेक्षित अनुमोदन और मंजूरी प्रदान करने के लिए समय सीमा निर्धारित करेगा।

रोजगार एवं कौशल विकास पर मंत्रिमंडलीय समिति:

- रोजगार एवं कौशल विकास पर मंत्रिमंडलीय समिति, कौशल विकास के लिए सभी नीतियों, कार्यक्रमों, योजनाओं और पहलों को मार्गदर्शन प्रदान करती है।
- इसका उद्देश्य तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था की उभरती आवश्यकताओं को पूरा करने और जनसांख्यिकीय विभाजन के लाभों के मानचित्रण हेतु कर्मचारियों के रोजगार को बढ़ाना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

2. **<u>जन शिक्षण संस्थान (जे.एस.एस.)</u>**

- केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री ने घोषणा की है कि जन शिक्षण संस्थानों (जे.एस.एस.) के अंतर्गत व्यावसायिक प्रशिक्षण में शामिल होने वाले अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए शुल्क माफ कर दिया गया है।
- यह निर्णय समाज के वंचित वर्गों में लाभान्वित करने वाले कौशल पारिस्थितिकी तंत्र को और मजबूत करने के लिए लिया गया था।

संबंधित जानकारी

जे.एस.एस.

- इसकी स्थापना निरक्षर, नव-साक्षर के साथ पहचाने गए कौशलों द्वारा स्कूल छोड़े हुए व्यक्तियों को व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए की गई थी, इन कौशलों का उनके प्रतिष्ठान के क्षेत्र बाजार होगा।
- इसके पहले, जे.एस.एस., मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन था लेकिन अब इसे कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय में स्थानांतरित कर दिया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

3. **<u>स्वायत्त विकास परिषद (ए.डी.सी.)</u>**

- 15वें वित्त आयोग ने मेघालय की स्वायत्त जिला परिषदों (ए.डी.सी.) के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की है।
- मेघालय में 3 ए.डी.सी. हैं, जिनके नाम खासी हिल्स ए.डी.सी., गारो हिल्स ए.डी.सी. और जैंतिया हिल्स ए.डी.सी. हैं।

संबंधित जानकारी

स्वायत्त जिला परिषदें

- उत्तर पूर्व के जनजातीय बाहुल्य क्षेत्रों में स्वायत्त जिला परिषदें, भारतीय संविधान की छठी अनुसूची के अनुच्छेद 244 (2) और अनुच्छेद 275 (1) के अनुसार स्थापित प्रशासनिक निकाय हैं।
- भारतीय संविधान की 6वीं अनुसूची, चार पूर्वोत्तर राज्यों- असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम में जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन हेतु विशेष प्रावधान प्रदान करती है।
- स्वायत्त जिला परिषदों का कार्यकाल उनके गठन की तारीख से अगले पांच वर्ष के लिए होता है।

- स्वायत्त जिला परिषदें, एक कार्यकारी समिति द्वारा शासित होती है।
- संविधान की छठीं अनुसूची के अंतर्गत ए.डी.सी. के कार्यों में शामिल हैं:

1. भूमि पर कानून बनाना
2. आरक्षित वनों को छोड़कर वनों का प्रबंधन करना
3. पारंपरिक प्रमुखों और प्रधानों की नियुक्ति करना
4. संपत्ति, विवाह, तलाक के उत्तराधिकरी, ग्राम न्यायालयों के गठन को विनियमित करने हेतु कानून बनाना
5. सड़क, जलमार्ग आदि के निर्माण जैसे विकास कार्य करना

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

4. **<u>रूस नई START संधि को छोड़ने का इच्छुक है।</u>**

- रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने कहा है कि वाशिंगटन ने नई START संधि के प्रसार पर वार्तालाप आयोजित करने में कोई वास्तविक रूचि नहीं दिखाई है, जो शीत युद्ध की सीमा से कम परमाणु वॉरहेड की संख्या को सीमित करता है।

संबंधित जानकारी

नई START (रणनीतिक सैन्य न्यूनन संधि) संधि

- यह संयुक्त राज्य अमेरिका और रूसी संघ के मध्य एक परमाणु हथियार न्यूनन संधि है, जिसमें रणनीतिक आक्रामक हथियारों की कमी करने और सीमित करने हेतु औपचारिक नाम के उपाय है।
- इस संधि पर 8 अप्रैल 2010 को प्राग में हस्ताक्षर किए गए थे और मंजूरी के बाद इसे 5 फरवरी, 2011 को लागू किया गया था।
- इस संधि के कम से कम वर्ष 2021 तक चलने की उम्मीद है।
- नई START संधि ने मॉस्को की संधि (SORT) को प्रतिस्थापित किया है, जिसे दिसंबर, 2012 में समाप्त होने के कारण प्रतिस्थापित किया गया है।
- संधि की शर्तों के अंतर्गत रणनीतिक परमाणु मिसाइल लांचरों की संख्या आधे से कम कर दी जाएगी।
- SORT तंत्र को प्रतिस्थापित करते हुए एक नया निरीक्षण और सत्यापन शासन स्थापित किया जाएगा।
- यह परिचालन रूप से निष्क्रिय भंडारित परमाणु वारहेड की संख्या को सीमित नहीं करता है जो रूसी और अमेरिकी दोनों आविष्कारों में उच्च में रहती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- द हिंदू

5. **<u>आर.बी.आई. ने आर.टी.जी.एस. और एन.ई.एफ.टी. हस्तांतरणों पर से शुल्क हटा दिया है।</u>**

- आर.बी.आई. ने डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए आर.टी.जी.एस. और एन.ई.एफ.टी. हस्तांतरण पर से शुल्क हटा दिया है।
- वर्तमान में, आर.टी.जी.एस. प्रणाली के माध्यम से किए गए हस्तांतरण में अधिक मूल्य (2 लाख रुपये और उससे अधिक) के तत्कालिक निधि हस्तांतरण के लिए एक न्यूनतम शुल्क लगाते हैं और अन्य निधि हस्तांतरण के लिए एन.ई.एफ.टी. प्रणाली (2 लाख रुपये से कम) के प्रयोग पर शुल्क लगाते हैं।

संबंधित जानकारी

रियल टाइम ग्रॉस सेटलमेंट (आर.टी.जी.एस.)

- आर.टी.जी.एस. प्रणाली, विशेषज्ञ निधि हस्तांतरण प्रणाली हैं जहां "वास्तविक समय" और "सकल" आधार पर एक बैंक से दूसरे बैंक में धन या प्रतिभूतियों का हस्तांतरण होता है।
- "वास्तविक समय" में सेटलमेंट का मतलब है कि भुगतान हस्तांतरण किसी भी प्रतीक्षा अवधि के अधीन नहीं है, इस प्रणाली में संसाधित करते ही हस्तांतरण का निपटान हो जाता है।

- सकल निपटान का अर्थ है कि "हस्तांतरण का किसी अन्य हस्तांतरण के साथ बंडल या नेट किए बिना एक-से-एक आधार पर निपटान किया जाता है।"
- आर.टी.जी.एस. के माध्यम से प्रेषित की जाने वाली न्यूनतम राशि 2 लाख रुपये है।
- आर.टी.जी.एस. हस्तांतरण की कोई अधिकतम सीमा नहीं है।
- आर.टी.जी.एस. भुगतान सामान्यत: उच्च हस्तांतरण लागत देते हैं और सामान्यत: किसी देश के केंद्रीय बैंक द्वारा संचालित होते हैं।
- हाल ही में, आर.बी.आई. ने ग्राहक हस्तांतरण (प्रारंभिक कट-ऑफ) के लिए आर.टी.जी.एस. हस्तांतरण समय सीमा विंडों को 4.30 बजे से शाम 6 बजे तक बढ़ा दिया है।

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक निधि हस्तांतरण (एन.ई.एफ.टी.)

- यह वर्ष 2005 में आर.बी.आई. द्वारा प्रस्तावित एक इलेक्ट्रॉनिक निधि हस्तांतरण प्रणाली है।
- इसे बैंकिंग प्रौद्योगिकी विकास एवं अनुसंधान (IDRBT) द्वारा विनियमित किया जाता है।
- एन.ई.एफ.टी., भारत में बैंक ग्राहकों को एक-के-एक आधार पर किन्हीं भी दो एन.ई.एफ.टी.-सक्षम बैंक खातों के मध्य धनराशि स्थानांतरित करने में सक्षम बनाता है (आर.टी.जी.एस. के वास्तविक समय के आधार पर नहीं है)
- महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को या रविवार को या सार्वजनिक अवकाश पर कोई भी हस्तांतरण नहीं किया जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –बैंकिंग प्रणाली

स्रोत- द हिंदू

6. **<u>गुजरात ने कणिका तत्व वायु प्रदूषण से निपटने के लिए भारत का पहला व्यापारिक कार्यक्रम शुरू किया है।</u>**

- गुजरात के मुख्यमंत्री ने विश्व पर्यावरण दिवस 2019 के अवसर पर कणिका तत्व वायु प्रदूषण से निपटने के लिए भारत का पहला व्यापारिक कार्यक्रम शुरू किया है, जिसकी थीम वायु प्रदूषण थी।
- कार्यक्रम एक बाजार आधारित प्रणाली है जहां सरकार उत्सर्जन पर एक पूंजी निर्धारित करती है और उद्योगों को पूंजी के नीचे रहने के लिए परमिट खरीदने और बेचने की अनुमति प्रदान करती है।
- इसे गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (जी.पी.सी.बी.) द्वारा सूरत में शुरू किया जा रहा है, शिकागो विश्वविद्यालय में ऊर्जा नीति संस्थान (ई.पी.आई.सी.), येल विश्वविद्यालय में आर्थिक विकास केंद्र और अब्दुल लतीफ जमील गरीबी कार्रवाही प्रयोगशाला (जे.-पी.ए.एल.) से अन्य शोधकर्ताओं की टीम की मदद से उत्सर्जन व्यापार योजना (ई.टी.एस.) डिजाइन की गई है।
- पूंजी और व्यापार प्रणाली के अंतर्गत विनियामक, पहले प्रदूषण के उस कुल द्रव्यमान को परिभाषित करता है जिसे सभी कारखानों द्वारा एक निर्धारित अवधि में हवा में छोड़ा जा सकता है।
- फिर इसके बाद परमिटों का एक सेट बनाया जाता है, जिनमें से प्रत्येक एक निश्चित मात्रा में प्रदूषण की अनुमति प्रदान करता है और कुल, पूंजी के बराबर होता है।
- ये परमिट वह मात्रा है जिसे खरीदा और बेंचा जाता है।
- प्रत्येक कारखाने को इन परमिटों का एक हिस्सा आवंटित किया जाता है (यह समान हो सकता है या किसी अन्य नियम या आकार पर आधारित हो सकता है)।
- इसके बाद संयत्र नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड (एन.सी.डी.एस.) पर किसी भी अन्य कमोडिटी की तरह एक दूसरे के साथ परमिट का व्यापार कर सकते हैं।
- वैश्विक स्तर पर पूंजी और व्यापार प्रणालियों का उपयोग प्रदूषण के अन्य रूपों को कम करने के

लिए किया गया है, जैसे कि संयुक्त राज्य अमेरिका में सल्फर डाइऑक्साइड (SO2) और नाइट्रोजन ऑक्साइड (NOx) को सफलतापूर्वक कम करने वाले कार्यक्रम हैं। लेकिन वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए गुजरात कार्यक्रम दुनिया में इसक प्रकार का पहला कार्यक्रम है।

संबंधित जानकारी

- उत्सर्जन व्यापार (पूंजी और व्यापार के रूप में भी जाना जाता है) प्रदूषकों के उत्सर्जन में कमी के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आर्थिक प्रोत्साहन प्रदान करके प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए एक बाजार आधारित दृष्टिकोण है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

7. **<u>भारतीय नौसेना अपने पर्यावरण अनुकूल प्रोत्साहन में 'गो' ग्रीन योजनाओं के साथ आगे बढ़ेगी।</u>**

- भारतीय नौसेना ने भारतीय नौसेना पर्यावरण संरक्षण रोडमैप (आई.एन.ई.सी.आर.) नामक एक योजना तैयार की है।
- आई.एन.ई.सी.आर. के अंतर्गत ऊर्जा की खपत और पर्यावरण जीविका में कमी लाने के उद्देश्य से कई नीतियों का सूत्रीकरण और इन्हें सभी जहाजों और समुद्र तटीय प्रतिष्ठानों तक प्रसारित किया गया है।
- इस रोडमैप का उद्देश्य प्रमुख परिणाम क्षेत्रों के रूप में ऊर्जा की खपत में कमी और ऊर्जा आपूर्ति का विविधीकरण करना है।
- भारतीय नौसेना ने अपने काम के बजट का 1.5% नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन के लिए आवंटित किया है।
- सौर फोटोवोल्टिक (पी.वी.) परियोजनाएं, आई.एन.ई.सी.आर. की स्थापना के बाद से नौसेना के फोकस क्षेत्रों में से एक रही हैं।
- सौर फोटो वोल्टाइक (पी.वी.) परियोजनाओं में छत और भूमि आधारित दोनो प्रकार के सौर पैनल शामिल हैं, जो जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय सौर मिशन के अंतर्गत नौसेना के विभिन्न समुद्र तटीय प्रतिष्ठानों में निष्पादित किए जा रहे हैं।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

8. **<u>चुनाव आयोग, परीक्षण मत पर दंड प्रावधान को पुन: जारी कर सकता है।</u>**

- भारतीय चुनाव आयोग एक ऐसे नियम को पुन: जारी कर सकता है जो ई.वी.एम. या वी.वी.पी.ए.टी. मशीन में खराबी से संबंधित शिकायतों के गलत होने पर निर्वाचक के खिलाफ मुकदमा चलाने का प्रावधान प्रदान करता है।
- चुनाव नियम संहिता की धारा 49MA के अंतर्गत, एक मतदाता जो यह दावा करता है कि ई.वी.एम. या पेपर ट्रायल मशीन ने ठीक ढंग से उसके मत को रिकॉर्ड नहीं किया है तो उसे परीक्षण मत देने की अनुमति प्राप्त है।
- यदि मतदाता बेमेलता को साबित नहीं कर पाता है तो चुनाव अधिकारी शिकायतकर्ता के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 177 के अंतर्गत कार्रवाई शुरू कर सकता है, जो गलत प्रस्तुतिकरण करने से संबंधित है।
- इस धारा के अंतर्गत, एक व्यक्ति को छह महीने तक की जेल या 1,000 रुपये का जुर्माना या दोनों की सजा हो सकती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –भारतीय संविधान

स्रोत- न्यू इंडियन एक्सप्रेस

9. **<u>सी.आई.आई. ने राजकोषीय प्रदर्शन को मापने के लिए नया सूचकांक "राजकोषीय प्रदर्शन सूचकांक" लॉन्च किया है।</u>**

- भारतीय उद्योग परिसंघ (सी.आई.आई.) ने राज्य और केंद्रीय बजट का मूल्यांकन करने के लिए एक राजकोषीय प्रदर्शन सूचकांक (एफ.पी.आई.) लांच किया है।
- इस सूचकांक में राजस्व व्यय, पूंजीगत व्यय, राजस्व, राजकोषीय विवेक और सार्वजनिक ऋण

के स्तर के गुणात्मक आकलन को वित्तीय घाटे के सकल घरेलू उत्पाद अनुपात की तुलना में राजकोषीय प्रदर्शन की एक अधिक समग्र तस्वीर में शामिल करता है।

- एकल मानदंड जैसे कि "राजकोषीय घाटा से जी.डी.पी. अनुपात" हमें बजट की गुणवत्ता के बारे में कुछ नहीं बताता है। अत: सरकार को एकल संकेतक के बजाय केंद्र और राज्य स्तर पर बजट की गुणवत्ता को मापने के लिए कई संकेतकों का उपयोग करना चाहिए।
- सी.आई.आई. ने 2004-05 से 2016-17 तक राज्य और केंद्रीय बजट का विश्लेषण करने के लिए इस सूचकांक का उपयोग किया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –आर्थिक विकास

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

10.06.2019

1. **<u>सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अब विदेशी अधिकरण स्थापित कर सकते हैं।</u>**

- हाल ही में, गृह मंत्रालय ने विदेशी (अधिकरण) आदेश, 1964 में संशोधन किया है।
- यह संशोधन सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में जिला मजिस्ट्रेटों को भारत में अवैध रूप से रहने वाला व्यक्ति विदेशी है अथवा नहीं है, यह निर्धारित करने हेतु अधिकरण की स्थापना करने का अधिकार प्रदान करता है।
- यह पूरे देश में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों को हिरासत में लेने और निर्वासित करने में मदद करेगा।
- इसके पहले अधिकरणों का गठन करने की शक्तियां केवल केंद्र के पास निहित थीं।

संबंधित जानकारी

अवैध प्रवासी (अधिकरण द्वारा निर्धारित) अधिनियम, 1983

- अवैध प्रवासी (अधिकरण द्वारा निर्धारित) अधिनियम 1983 में केंद्र सरकार द्वारा अधिनियमित भारत की संसद का एक अधिनियम था।
- इसे भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 2005 में सर्बानंद सोनोवाल बनाम भारत संघ के मामले में समाप्त कर दिया गया था।
- इस अधिनियम ने अवैध आप्रवासियों (बांग्लादेश से) का पता लगाने और उन्हें असम से बाहर निकालने की प्रक्रियाओं का वर्णन किया है।
- इस अधिनियम को मुख्य रूप से इस आधार अधिनियमित किया गया था कि यह असम आंदोलन द्वारा प्रभावित "अल्पसंख्यकों" के अनुचित उत्पीड़न के खिलाफ विशेष सुरक्षा प्रदान करता है।
- यह केवल असम राज्य के लिए लागू किया गया था, जब कि अन्य राज्यों में विदेशी अधिनियम, 1946 के अंतर्गत विदेशियों का पता लगाने का कार्य पूरा कर लिया गया है।

विदेशी अधिकरण

- अधिकरण, असम का अर्ध-न्यायिक निकाय हैं और असम के लिए अद्वितीय है।
- यह अवैध रूप से रह रहा व्यक्ति विदेशी है कि अथवा नहीं है, यह निर्धारित करने में मदद करता है।
- जब किसी 'विदेशी' को पुलिस द्वारा अवैध रूप से रहने के लिए गिरफ्तार किया जाता है तो उस व्यक्ति को पासपोर्ट अधिनियम, 1920 अथवा विदेशी अधिनियम, 1946 के अंतर्गत एक स्थानीय अदालत के समक्ष पेश किया जाता है, जहां उसे तीन महीने से आठ वर्ष तक के कारावास की सजा हो सकती है।
- विदेशी अधिनियम, 1946 एक विदेशी को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में परिभाषित करता है जो भारत का नागरिक नहीं है।
- अधिनियम की धारा 9 में कहा गया है कि जहां एक व्यक्ति की राष्ट्रीयता पूर्ववर्ती धारा 8 के अनुसार स्पष्ट नहीं है तो व्यक्ति विदेशी है

अथवा नहीं है, यह निर्धारित करना उस व्यक्ति पर निर्भर करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>इंडस्पेसएक्स: एक अंतरिक्ष युद्धाभ्यास</u>**

- भारत, जुलाई 2019 में इंडस्पेसएक्स नामक अपना पहला नकली अंतरिक्ष युद्धाभ्यास करने की योजना बना रहा है।
- यह युद्धाभ्यास मूल रूप से एक-टेबल-टॉप वॉरगेम होगा, जिसमें सैन्य और वैज्ञानिक समुदाय के सभी हितधारक हिस्सा लेंगे।
- यह उस गंभीरता को रेखांकित करने में मदद करता है जिसके साथ भारत, चीन जैसे देशों से अपनी अंतरिक्ष संपत्ति के प्रति संभावित खतरों का मुकाबला करने की आवश्यकता पर विचार कर रहा है।
- इंडस्पेसएक्स, हमें अंतरिक्ष में नियंत्रित करने हेतु आवश्यक रणनीतिक चुनौतियों को बेहतर ढंग से समझने में मदद करेगा।
- भारत ने 'मिशन शक्ति' के अंतर्गत एक विश्वसनीय अंतरिक्ष विरोधी क्षमता विकसित करने की दिशा में पहला कदम उठाया है।

संबंधित जानकारी

मिशन शक्ति

- मिशन शक्ति, ए.एस.ए.टी. नामक भारत के एक एंटी-सैटेलाइट हथियार का परीक्षण है।
- एंटी-सैटेलाइट हथियार (ए.एस.ए.टी.), निम्न पृथ्वी कक्षा में स्थापित उपग्रहों को नष्ट करने या निष्क्रिय करने के लिए बनाए गए हैं।
- यह भारत की सुरक्षा, आर्थिक प्रगति और तकनीकी प्रगति को सुरक्षित करने की दिशा में कदम बढ़ाने में मदद करता है।
- केवल चार देशों अमेरिका, यू.एस.एस.आर., चीन और अब भारत के पास ए.एस.ए.टी. क्षमताएं हैं।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

3. **<u>आर्कटिक में पहली रेल सेवा खोली गई है।</u>**

- रूस ने आर्कटिक क्षेत्र के लिए ज़ैरेनगोल्ड (अर्थात जर्मनी में "ज़ार का सोना") नामक पहली पर्यटक ट्रेन शुरू की है।
- यह ट्रेन रूस के आर्कटिक क्षेत्र से नॉर्वे की यात्रा करेगी और पूरी यात्रा करने में 11 दिन का समय लेगी और यात्रियों को आर्कटिक क्षेत्र में ऐसे क्षेत्रों की खोज करने की अनुमति देगी, जहां पर अन्य साधनों से पहुंचना मुश्किल है।
- यह सेंट पीटर्सबर्ग स्टेशन से यात्रियों के साथ रवाना होगी।

संबंधित जानकारी

- अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, आर्कटिक क्षेत्र में 412 बिलियन बैरल तेल के बराबर तेल और गैस का भंडार है और विश्व का लगभग 22% बिना खोजा गया तेल और गैस है।
- रूस को आर्कटिक में शीर्ष आर्थिक और सैन्य शक्ति बनने की उम्मीद है, नए व्यापारिक मार्गों को आगे बढ़ाता है क्यों कि ग्लोबल वार्मिंग, ग्लेशियरों को तोड़ रही है अत: यह पहले से ही नए व्यापारिक मार्गो की खोज कर रहा है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –भूगोल

स्रोत- द हिंदू

4. **<u>ACTIVE-ई फॉर्म: शेल कंपनियों की छंटाई करने हेतु</u>**

- कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (MCA) ने ACTIVE (INC 22A) फॉर्म भरने की अंतिम तिथि का किसी भी प्रकार से विस्तार करने से इनकार कर दिया है, जिसे मुख्य रूप से शेल कंपनियों की छंटनी करने हेतु शुरू किया गया था।
- ACTIVE-ई फॉर्म एक्टिव कंपनी टैंगिंग आइडेंटिटी और वेरीफिकेशन को दर्शाता है।
- यदि समयसीमा से पहले ACTIVE फॉर्म को दायर नहीं किया जाता है तो ऐसी कंपनियों के

लिए अनुपालन स्थिति को ' ACTIVE गैर-अनुपालन' के रूप में चिह्नित किया जाएगा और ऐसी ACTIVE गैर-अनुपालन कंपनियों के निदेशकों को 'गैर-अनुपालन कंपनी के निदेशक' के रूप में चिह्नित किया जाएगा।

संबंधित जानकारी

शेल कंपनियां

- शेल कंपनियों में उन कंपनियों की कई परतें शामिल होती हैं जो पैसे को बदलने या मनी लॉन्ड्रिंग के उद्देश्य से बनाई गई हैं।
- अधिकांश शेल कंपनियां किसी भी उत्पाद का निर्माण नहीं करती हैं या न ही किसी उत्पाद का सौदा करती हैं और न ही किसी सेवा को प्रतिपादित करती हैं। इनका अधिकांशत: उपयोग वितीय हस्तांतरण हेतु किया जाता है।
- सामान्यत: ये कंपनियां केवल कागजों पर संपत्ति रखती हैं, वास्तविकता में नहीं रखती हैं।
- ये कंपनियां लगभग कोई आर्थिक गतिविधि नहीं करती हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थव्यवस्था

स्रोत- द हिंदू बिजनेस लाइन

5. **<u>केरल सरकार द्वारा ई-विधान</u>**

- हाल ही में, केरल विधान सभा ने ई-विधान नामक अपनी महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत अपने सभी रिकॉर्ड और कार्यवाहियों के डिजिटलीकरण की पहल की घोषणा की है।
- यह राज्य विधानसभा को पूर्णतया डिजिटल और पूर्णतया कागजरहित होने में सक्षम बनाता है।

संबंधित जानकारी

ई-विधान

- ये डिजिटल इंडिया के अंतर्गत राज्य विधानसभाओं में ई-विधान और संसद में ई-संसद, मिशन मोड परियोजनाएं हैं।
- इसका उद्देश्य डिजिटलीकरण करना और कागजरहित कार्यों को शुरू कराना है, जिसका अर्थ है कि संसद और राज्य विधानसभा दस्तावेजों का डिजिटलीकरण करना है, जिसमें भाषणों, समिति की रिपोर्टें, इंटरनेट पर उपलब्ध प्रश्न और बहसें शामिल हैं।
- यह उनके कार्यों को पारदर्शी, प्रतिक्रियात्मक, उत्पादक, अधिक जवाबदेह और जनता के लिए सहभागी बनाएगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. **<u>एन.पी.पी., उत्तर-पूर्व से राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा पाने वाली पहली पार्टी है।</u>**

- भारतीय चुनाव आयोग ने मेघालय के मुख्यमंत्री कोनार्ड के. संगमा के नेतृत्व वाली नेशनल पीपुल्स पार्टी को एक राष्ट्रीय पार्टी के रूप में घोषित किया है।
- एन.पी.पी. को अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय और नागालैंड में एक राज्य पार्टी के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- वर्तमान में, भारत में 7 दलों को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा प्राप्त है, वे हैं:
  1. अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस
  2. बी.एस.पी.
  3. भाजपा
  4. आई.एन.सी.
  5. सी.पी.आई.-एम.
  6. राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी
  7. नेशनल पीपुल्स पार्टी (इंडिया)

संबंधित जानकारी

राष्ट्रीय पार्टी के रूप में मान्यता प्राप्त करने हेतु शर्तें

- वर्तमान (2016) में, किसी पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा तब प्रदान किया जाता है यदि वे निम्नलिखित में से कोई भी शर्त पूरी करती हैं
- यदि यह पार्टी लोकसभा या विधानसभा के आम चुनाव में किन्ही भी चार या चार से अधिक राज्यों में मतदान किए गए मतों के छह प्रतिशत वैध मत प्राप्त करती है और इसके अतिरिक्त

यह किसी भी राज्य या राज्यों से लोकसभा में चार सीटें जीतती है या

- यदि यह आम चुनाव में लोकसभा की दो प्रतिशत सीटें जीतती है और ये उम्मीदवार तीन राज्यों से चुने गए हैं या
- यदि इसे चार राज्यों में राज्य पार्टी के रूप में मान्यता प्राप्त है।

एक राज्य पार्टी के रूप में मान्यता के लिए शर्तें

वर्तमान (2016) में, किसी पार्टी को राज्य में राज्य पार्टी के रूप में मान्यता दी जाती है यदि वह निम्नलिखित में से कोई भी शर्त पूरी करता है

- यदि यह पार्टी राज्य के विधानसभा के आम चुनाव में राज्य में मतदान किए गए वैध मतों के छह प्रतिशत मत प्राप्त करती है और इसके अतिरिक्त, यह संबंधित राज्य की विधानसभा में 2 सीटें जीतती है या
- यदि यह राज्य के लोक सभा के आम चुनाव में मतदान के छह प्रतिशत वैध मत प्राप्त करती है और इसके अतिरिक्त, यह संबंधित राज्य से लोकसभा में 1 सीट जीतती है या
- यदि यह पार्टी राज्य की विधानसभा के आम चुनाव में विधानसभा की तीन प्रतिशत सीटें जीतती है अथवा विधानसभा में 3 सीटें जीतती है, इनमें से जो अधिक हो या
- यदि यह लोकसभा में प्रत्येक 25 सीटों में 1 सीट जीतती है या संबंधित राज्य से लोकसभा के आम चुनाव में राज्य को आवंटित काई भी अंश जीतती है या
- यदि यह राज्य में लोकसभा के आम चुनावों में या राज्य के विधान सभा चुनावों में राज्य में पड़े मतों के आठ प्रतिशत मत प्राप्त करती है। इस शर्त को वर्ष 2011 में जोड़ा गया था।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

7. **<u>एन.जी.टी. ने आंध्र प्रदेश सरकार की गोदावरी-पेन्ना इंटरलिंकिंग परियोजनाओं पर रोक लगा दी है।</u>**

- राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने आंध्र प्रदेश सरकार की गोदावरी-पेन्ना इंटरलाकिंग परियोजना पर पर्यावरणीय मंजूरी नहीं मिलने के कारण रोक लगा दी है।

संबंधित जानकारी

परियोजना के संदर्भ में जानकारी

- यह परियोजना दक्षिण तटीय आंध्र में पेयजल और सिंचाई की समस्याओं को हल करने के लिए दो प्रमुख नदियों, गोदावरी और पेन्ना को आपस में जोड़ेगी।
- पेन्ना नदी अनंतपुर, कडप्पा, कुरनूल, चित्तूर और नेल्लोर जिलों से होकर बहती है लेकिन नदी में अल्प जल संसाधन इन जिलों की आवश्यक्ताओं को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं।
- दूसरी ओर, मानसून के दौरान गोदावरी के जल का एक बड़ा हिस्सा समुद्र में बह जाता है।

गोदावरी नदी

- गंगा के बाद गोदावरी भारत की दूसरी सबसे लंबी नदी है।
- इसका स्रोत महाराष्ट्र के त्रयंबकेश्वर में स्थित है।
- यह महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा राज्यों से होकर बहती है और अंततः बंगाल की खाड़ी में गिरती है।
- लंबाई, जलग्रहण क्षेत्र और गिरने के संदर्भ में गोदावरी प्रायद्वीपीय भारत में सबसे बड़ी है और इसे वृद्ध गंगा नदी के रूप में माना जाता है।
- बाएं किनारे की सहायक नदियों में पूर्णा, प्राणहिता, इंद्रवती और सबरी नदी शामिल हैं, जो घाटी के कुल जलग्रहण क्षेत्र का लगभग 59.7% शामिल करती हैं।

- दायें किनारे की सहायक नदियों में प्रावारा, मंजीरा, मनैयर हैं ये कुल मिलाकर घाटी के 16.1% में योगदान देती हैं।
- प्राणहिता सबसे बड़ी सहायक नदी है जो अपनी जल निकासी घाटी के लगभग 34% हिस्से को शामिल करती है।

पेन्ना नदी

- पेन्ना (जिसे पेन्नार, पेन्नेर, पेननेरु या उत्तर पिनाकिनि के नाम से भी जाना जाता है) दक्षिणी भारत की एक नदी है।
- पेन्ना, कर्नाटक राज्य के चिकबल्लापुर जिले में नंदी पहाड़ियों से निकलती है और कर्नाटक एवं आंध्र प्रदेश राज्यों से होते हुए उत्तर और पूर्व में बहती है और बंगाल की खाड़ी में गिरती है।
- बायां किनारे की सहायक नदियां- जयमंगली, कुंदेरू, सगिलेरू
- दाहिना किनारे की सहायक नदियां- चित्रावती, पापाग्नि, छेय्येरू

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –प्रमुख परियोजनाएं (भूगोल)

स्रोत- ए.आई.आर.

8. **<u>नया इंजेक्टेबल हाइड्रोजेल स्टेम कोशिका में तेजी से सुधार कर सकता है।</u>**

- मोहाली स्थित नैनोविज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के शोधकर्ताओं ने एक इंजेक्टेबल हाइड्रोजेल में मेसेनचाइमल स्टेम कोशिका नामक वयस्क स्टेम कोशिका को संपुटित करने के लिए एक विधि तैयार की है।
- प्रत्यारोपित कोशिकाओं के जीवित रहने से संबंधित समस्याओं के कारण शुद्धिकृत दवाओं में स्टेम कोशिकाओं का उपयोग अभी भी एक चुनौती भरा कार्य है।
- जब स्टेम कोशिकाओं को एक घाव पर प्रत्यारोपित किया जाता है तो यह पैराक्राइन कारक नामक रसायन निकालता है जो ऊतक पुनर्वृद्धि शुरू करने के लिए आसपास की अन्य कोशिकाओं को उत्तेजित करता है।

जेल के संदर्भ में जानकारी

- इंजेक्टेबल हाइड्रोजेल को सेलुलोज़ और चिटोसन (समुद्री सीप में पाया जाने वाला) जैसी प्राकृतिक सामग्रियों से प्राप्त किया गया है और यह लगभग एक महीने में बायोडिग्रेड हो जाता है।
- हाइड्रोजेल को एल्डिहाइड समूह को एक एमिनो समूह के साथ जोड़कर बनाया गया था, जो शिफ बेस अभिक्रिया नामक विधि के द्वारा किया गया था।
- "हाइड्रोजेल नकली जीवाणु वृद्धि में जो वास्तुविक शारीरिक ऊतक के समान होता है, वयस्क स्टेम कोशिकाओं के दीर्घकालिक अस्तित्व के मुद्दे को संबोधित करता है।

स्टेम कोशिका

- स्टेम कोशिकाएं ऐसी कोशिकाएं होती हैं जो अन्य प्रकार की कोशिकाओं में अंतर कर सकती हैं और समान प्रकार की स्टेम कोशिकाओं के अधिक उत्पादन के लिए स्व-नवीकरण में भी विभाजित हो सकती हैं।
- स्तनधारियों में, स्टेम कोशिकाओं के दो व्यापक प्रकार होते हैं:
- भ्रूण स्टेम कोशिकाएं, जो प्रारंभिक भ्रूण विकास में ब्लास्टोसिस्ट के आंतरिक कोशिका द्रव्यमान से पृथक होती हैं।
- वयस्क स्टेम कोशिकाएं, जो पूर्णतया विकसित स्तनधारियों के विभिन्न ऊतकों में पाई जाती हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- डाउन टू अर्थ

11.06.2019

1. **<u>पाकिस्तान एफ.ए.टी.एफ. ब्लैकलिस्ट का सामना कर रहा है।</u>**

- एशिया प्रशांत समूह (ए.पी.जी.) के संयुक्त समूह ने पाकिस्तान को सूचित किया है कि आतंकी वित्तपोषण के लिए वित्तीय कार्रवाही टास्क फोर्स

द्वारा ग्रे-लिस्ट किए जाने के बाद आतंकवादी समूहों पर उसकी कार्य योजना अपर्याप्त थी।

- ए.पी.जी. ने कहा है कि पाकिस्तान के पास सितंबर, 2019 तक का समय है इस दौरान वह या तो एफ.ए.टी.एफ. सदस्यों द्वारा की गई मांगों का अनुपालन करे नहीं तो उसे ब्लैकलिस्ट किया जा सकता है।
- ब्लैकलिस्ट में डालने से आई.एम.एफ. जैसी संस्थाओं को पाकिस्तान का आर्थिक रूप से समर्थन करने से रोका जा सकेगा जिससे वित्तीय संकट की आशंका उत्पन्न हो सकती है।
- पाकिस्तान को जून, 2018 में आतंकी वित्तपोषण के लिए एफ.ए.टी.एफ. की ग्रे सूची में डाला गया था, ये कदम अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी और फ्रांस द्वारा एक प्रस्ताव पारित करने पर उठाया गया था।

संबंधित जानकारी

एशिया प्रशांत समूह

- एशिया प्रशांत समूह, 1997 में एशिया-प्रशांत क्षेत्र के लिए बैंकाक में स्थापित एफ.ए.टी.एफ.-प्रकार का क्षेत्रीय निकाय है।
- यह 13 मूल संस्थापक सदस्यों के मध्य सर्वसम्मत समझौते द्वारा स्थापित स्वायत्त क्षेत्रीय एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग निकाय है।
- वर्तमान में, इसमें भारत सहित 41 सदस्य शामिल हैं।
- यह सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है कि इसके सदस्य जनसंहार के हथियारों से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग, आतंकवादी वित्तपोषण और प्रसार वित्तपोषण के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मानकों को प्रभावी ढंग से लागू करते हैं।

वित्तीय कार्रवाई टास्क फोर्स (एफ.ए.टी.एफ.)

- यह जी7 की पहल पर 1989 में स्थापित एक अंतर-सरकारी निकाय है।
- एफ.ए.टी.एफ. एंटी मनी लॉन्ड्रिंग और आतंक के वित्तपोषण से निपटने के लिए वैश्विक प्रहरी है।
- एफ.ए.टी.एफ. का सचिवालय पेरिस के ओ.ई.सी.डी. मुख्यालय में स्थित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>जी20 वित्त मंत्रियों को डिजिटल टैक्स के निर्माण के लिए बुलाया गया है।</u>**

- हाल ही में, जी 20 सदस्य राष्ट्रों के वित्त मंत्रियों को बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए एक डिजिटल टैक्स के निर्माण के लिए बुलाया गया है।
- यह उनके कॉरपोरेट करों को कम करने के लिए वैश्विक टेक दिग्गजों द्वारा उपयोग की जाने वाली कमियों को सुधारने में मदद करता है।
- वैश्विक प्रौद्योगिकी फर्मों जैसे फेसबुक, गूगल, अमेज़ॅन और अन्य को अंतिम ग्राहक की लोकेशन की परवाह किए बिना कम टैक्स वाले देशों में मुनाफावसूली करके अपने टैक्स बिल में कटौती के लिए आलोचना का सामना करना पड़ता है।
- टैक्स कोड में परिवर्तन पर जी20 की बहस दो स्तंभों पर केंद्रित है-
- पहला स्तंभ एक कंपनी पर कर लगाने के अधिकारों को विभाजित करना था जहां इसकी वस्तुओं या सेवाओं को उस देश में भौतिक उपस्थिति नहीं होने के बावजूद भी बेचा जाता है।
- दूसरा स्तंभ कंपनियों को कम-कर या अपतटीय क्षेत्रों में मुनाफ़े का रास्ता खोजने से रोकने के लिए वैश्विक न्यूनतम कर की दर पर निर्णय लेना था।
- ब्रिटेन और फ्रांस बड़ी टेक कंपनियों को कर देने के प्रस्तावों के सबसे मुखर प्रस्तावकों में से हैं।

संबंधित जानकारी

जी20 (ग्रुप ऑफ ट्वेंटी)

- यह 19 देशों और यूरोपीय संघ की सरकारों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों हेतु एक अंतर्राष्ट्रीय मंच है।
- यह समूह में विश्व जी.डी.पी. के 85% और दो-तिहाई जनसंख्या हेतु जिम्मेदार है।
- उनके पास स्वयं का कोई स्थायी कर्मचारी नहीं है और इसकी अध्यक्षता क्षेत्रीय समूहों में विभाजित देशों के मध्य प्रत्येक वर्ष बदलती रहती है।
- इसका उद्देश्य वैश्विक अर्थव्यवस्था में प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करने के लिए व्यवस्थित रूप से महत्वपूर्ण औद्योगिक और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को एक साथ लाना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – अर्थव्यवस्था

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

3. **<u>अल साल्वाडोर ने जंगलों को जीवित संस्थाओं के रूप में मान्यता प्रदान की है।</u>**

- अल साल्वाडोर ने वनों को जीवित संस्थाओं के रूप में मान्यता प्रदान की है।
- इसके नागरिकों को अब वनों का संरक्षण करने की आवश्यकता होगी।
- अल साल्वाडोर ने 1960 के बाद से अपने मूल जंगलों का लगभग 85 प्रतिशत भाग खो दिया है, जब कि पृथ्वी ने अपने मूल जंगलों का लगभग 80 प्रतिशत भाग खो दिया है।
- वनों को जीवित संस्थाओं के रूप में मान्यता प्रदान करने का अर्थ यह है कि मनुष्य, वनों के साथ सद्भाव से रहते हैं और उन्हें संपत्ति से कहीं अधिक सम्मान देते हैं।

संबंधित जानकारी

कानूनी संस्थाओं के टैग वनों की किस प्रकार मदद करते हैं?

- कानूनी संस्थाओं का एक टैग वनों को किसी भी प्रकार के नुकसान या विनाश से कानूनी रूप से सुरक्षित रखने का अधिकार प्रदान करता है।
- बिना अनुमति के वनों को काटना मानवाधिकारों के उल्लंघन के अंतर्गत आ सकता है जिसके लिए कानूनी कार्यवाही की जा सकती है।
- हाल ही में, वर्ष 2017 में भारत भी गंगा और यमुना नदियों को "जीवित संस्था" के रूप में मान्यता प्रदान करने वाला दूसरा देश बन गया है।
- न्यूज़ीलैंड, अपनी तीसरी सबसे बड़ी नदी वहानगनुई को मानव के समान कानूनी अधिकार प्रदान करने वाला दुनिया का पहला देश है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- डाउन टू अर्थ

4. **<u>भारत को अपना पहला डायनासोर संग्रहालय मिला है।</u>**

- भारत के पहले डायनासोर संग्रहालय सह पार्क का उद्घाटन गुजरात के महिसागर जिले में बालासिनोर के पास रायोली में किया गया था।
- यह संग्रहालय विभिन्न डायनासोरों और जीवाश्म रिकॉर्ड के अवशेषों को प्रदर्शित करेगा।
- यह देश का पहला ऐसा संग्रहालय और दुनिया का तीसरा ऐसा पार्क है।
- रायोली को दुनिया के तीसरे सबसे बड़े डायनासोर जीवाश्म स्थल के रूप में माना जाता है और इसे विश्व का दूसरा सबसे बड़ा डायनासोर हैचरी भी माना जाता है, जहाँ हजारों अंडे पाए गए थे।
- यह डायनासोर संग्रहालय 3 डी प्रोजेक्शन, वर्चुअल रियलटी प्रेजेंटेशन, इंटरैक्टिव कियोस्क और आदमकद डायनासोर प्रतिकृति जैसी आधुनिक तकनीकों से लैस है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

5. **<u>सरकार ने कैबिनेट सचिव के विस्तार को मंजूरी प्रदान करने हेतु 60 वर्ष पुराने नियम में संशोधन किया है।</u>**

- केंद्र ने कैबिनेट सचिव प्रदीप कुमार सिन्हा के कार्यकाल का तीन महीने का विस्तार करने हेतु 60 वर्ष पुराने नियम में संशोधन किया है।
- अखिल भारतीय सेवाओं (मृत्यु-सह-सेवानिवृत्ति-लाभ) नियम, 1958 के अनुसार, सरकार एक कैबिनेट सचिव को सेवा में विस्तार दे सकती है बशर्ते कुल कार्यकाल चार साल से अधिक न हो।
- संशोधित नियमों के अनुसार अधिसूचित किया गया है कि केंद्र सरकार, कैबिनेट सचिव के कार्यकाल की चार वर्षों की अवधि के अतिरिक्त तीन महीने से अधिक के समय के लिए सेवा में विस्तार नहीं कर सकती है।

संबंधित जानकारी

भारत के कैबिनेट सचिव

- कैबिनेट सचिव, भारत सरकार का सबसे शीर्ष कार्यकारी अधिकारी और वरिष्ठतम सिविल सेवक होता हैं।
- इनके कार्यालय के लिए नियुक्ति की मंजूरी प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली कैबिनेट की नियुक्ति समिति द्वारा दी जाती है, जो नियुक्तिकर्ता की क्षमता और प्रधानमंत्री के विश्वास पर आधारित होती है।
- कैबिनेट सचिव सिविल सेवा बोर्ड, कैबिनेट सचिवालय, भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई.ए.एस.) और सरकार के व्यापार के नियमों के अंतर्गत सभी सिविल सेवाओं का पदेन प्रमुख होता हैं।
- कैबिनेट सचिव भारत सरकार के व्यापार हस्तांतरण नियम, 1961 के प्रशासन और व्यापार नियम, 1961 के आवंटन हेतु जिम्मेदार होता है।
- यह सरकार के मंत्रालयों/ विभागों में व्यापार के सुचारू हस्तांतरण को सुगम बनाने में मदद करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

6. **<u>अंतराष्ट्रीय योग दिवस मीडिया सम्मान (ए.वाई.डी.एम.एस.)</u>**

- सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय (आई & बी) ने अपना पहला अंर्तराष्ट्रीय योग दिवस मीडिया सम्मान स्थापित किया है।
- इस पुरस्कार का उद्देश्य भारत और विदेशों में योग के प्रचार प्रसार में मीडिया की सकारात्मक भूमिका और जिम्मेदारी को स्वीकार करना है।
- यह पुरस्कार प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक और (टेलीविजन और रेडियो) के क्षेत्र में कार्यरत मीडिया हाउसों को प्रदान किया जाएगा।

श्रेणियाँ:

यह पुरस्कार निम्नलिखित श्रेणियों के अंतर्गत प्रदान किया जाएगा:

- समाचार पत्रों में योग के सर्वश्रेष्ठ मीडिया कवरेज हेतु- 22 भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी में 11 सम्मान प्रदान किए जाएंगे।
- रेडियो में योग के सर्वश्रेष्ठ मीडिया कवरेज हेतु- 22 भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी में 11 सम्मान प्रदान किए जाएंगे।
- टेलीविजन में योग के सर्वश्रेष्ठ मीडिया कवरेज हेतु- 22 भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी में 11 सम्मान प्रदान किए जाएंगे।

नोट:

- प्रत्येक वर्ष 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है।
- योग, हिंदू दार्शनिक परंपराओं के छह रूढ़िवादी विद्यालयों में से एक है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 – कला एवं संस्कृति

स्रोत-लाइवमिंट

7. **<u>यू.ए.ई. के मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय भलाई रणनीति 2031 को अपनाया है।</u>**

- संयुक्त अरब अमीरात के मंत्रिमंडल ने अबू धाबी में राष्ट्रपति भवन में अपनी बैठक के दौरान 12

वर्षीय रणनीति 'राष्ट्रीय भलाई रणनीति 2031' को अपनाया है।

राष्ट्रीय भलाई रणनीति 2031 की मुख्य विशेषताएं

- राष्ट्रीय भलाई रणनीति 2031 का उद्देश्य यू.ए.ई. को कई रणनीतिक उद्देश्यों और पहलों के माध्यम से जीवन की गुणवत्ता के संदर्भ में एक विश्व में अग्रणी बनाना है।
- इसका उद्देश्य भलाई की एक एकीकृत अवधारणा को बढ़ावा देना भी है, इस प्रकार यू.ए.ई. विजन 2021 और यू.ए.ई. शताब्दी 2071 के दृष्टिकोणों का समर्थन करना है।
- यह रणनीति तीन मुख्य स्तरों- व्यक्तियों, समाज और देश के राष्ट्रीय ढांचे पर आधारित है।
- इसमें 14 घटक और 9 रणनीतिक उद्देश्य शामिल हैं, जिसमें स्वस्थ और सक्रिय जीवन शैली को बढ़ावा देकर लोगों के स्वास्थ्य को बढ़ाना, अच्छे मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना और सकारात्मक सोच को अपनाना शामिल है।
- इस रणनीति में 40 से अधिक प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को लक्षित करने वाली 90 सहायक पहलें शामिल हैं।
- सबसे महत्वपूर्ण पहलों में से एक नीति निर्धारण प्रक्रिया का समर्थन करने के लिए पहली "राष्ट्रीय भलाई रणनीति 2031" का विकास है।
- राष्ट्रीय रणनीति का प्रबंधन और समन्वय करने हेतु इसके साथ ही एक राष्ट्रीय भलाई परिषद का गठन किया गया है, यह संयुक्त अरब अमीरात में भलाई के कई संकेतकों की निगरानी करेगा, संयुक्त अरब अमीरात मंत्रिमंडल को नियमित रूप से रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।
- यह सरकारी कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों और भविष्य की पीढ़ियों की भलाई अकादमी की शुरूआत का भी प्रस्ताव रखता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- टी.ओ.आई.

8. **<u>फ्रांस ने भारत को बिआरिट्ज में 45वें जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने हेतु आमंत्रित किया है।</u>**

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस के बिआरिट्ज में जी7 शिखर सम्मेलन के आउटरीच सत्र में भाग लेने के लिए फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन के निमंत्रण को विशेष आमंत्रण के रूप में स्वीकार किया है।

संबंधित जानकारी

जी7 (ग्रुप ऑफ 7)

- यह अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार सात सबसे उन्नत अर्थव्यवस्थाओं का एक समूह है।
- ये सात देश कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, जापान और इटली हैं।
- जी7 में यूरोपीय संघ का भी प्रतिनिधित्व किया जाता है।
- ये राष्ट्र, सकल वैश्विक संपत्ति के 64% से अधिक भाग हेतु उत्तरदायी हैं।
- जी7 का सदस्य होने के लिए आवश्यक योग्यताएं एक उच्च सकल राष्ट्रीय संपत्ति और उच्च एच.डी.आई. (मानव विकास सूचकांक) हैं।
- जी7 शिखर सम्मेलन 2018 (44वां शिखर सम्मेलन) कनाडा के क्यूबेक में आयोजित किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

9. **<u>एक अध्ययन में जंगली हिम तेंदुएं में रोगजनक पाए गए हैं।</u>**

- एक नए अध्ययन में जंगली हिम तेंदुएं के रक्त में जूनोटिक रोगजनकों का पता लगाया गया है।
- इन ज़ूनोटिक रोगजनकों (जीवाणुओं) में कोक्जीलिया बुरनेती शामिल है, जो **मनुष्यों में क्यू. बुखार** बीमारी को कारण बनता है।
- यह पशुधनों को भी संक्रमित कर सकता है।
- शोधकर्ताओं ने लेप्टोस्पाइरा प्रजातियों से भी रोगजनकों का पता लगाया है, जो आसानी से

मनुष्यों में प्रेषित हो सकते हैं और जीवन के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं।

- एक अन्य ज्ञात हुआ रोगजनक टोक्सोप्लाज्मा गोंडी है, यह एक परजीवी है जो सभी गर्म रक्त वाले जानवरों को संक्रमित कर सकता है और टोक्सोप्लाज़मोसिज़ का कारण बन सकता है।

संबंधित जानकारी

हिम तेंदुआ

- यह मध्य और दक्षिण एशिया की पर्वत श्रृंखलाओं का मूल निवासी तेंदुआ है।
- इसे आई.यू.सी.एन. की रेड लिस्ट में लुप्तप्राय के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- डाउन टू अर्थ

12.06.2019

1. **<u>चक्रवाती तूफ़ान वायु के तट की ओर बढ़ने के कारण गुजरात में चेतावनी जारी की गई है।</u>**

- भारतीय मौसम विभाग ने चक्रवात वायु के लिए एक ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिसके गुजरात तट पर पहुंचने की उम्मीद है।
- इस चक्रवात का नाम भारत द्वारा वायु रखा गया है।
- यह उत्तर की ओर (गुजरात तट से टकराने की उम्मीद है) बढ़ रहा है और इसके द्वारा मानसून से नमी को दूर ले जाने के अनुमान है जिसके परिणामस्वरूप मानसून के आगमन में देरी होगी।

संबंधित जानकारी

चक्रवात के निर्माण हेतु शर्तें:

- लगभग 27 डिग्री सेल्सियस का गर्म समुद्र तापमान
- कोरिओलिस बल की उपस्थिति
- शांत वायुमंडलीय स्थिति

चक्रवात किस प्रकार मानसून को प्रभावित करता है?

- चक्रवात, उनके अंतर्भाग में बहुत मजबूत निम्न दबाव वाले क्षेत्रों द्वारा स्थिर रखे जाते है।
- आसपास के क्षेत्रों में हवाओं को इन निम्न-दबाव वाले क्षेत्रों की ओर बलपूर्वक प्रवाहित किया जाता हैं।
- समान प्रकार से जब निम्न दबाव वाले क्षेत्र, भूमि के पास अथवा ऊपर विकसित होते हैं तो ये पूरे देश में मानसूनी हवाओं को खींचने में भी सहायक होती हैं।
- लेकिन वर्तमान में, चक्रवात के केंद्र में निम्न दबाव का क्षेत्र किसी भी स्थानीय प्रणाली की तुलना में कहीं अधिक शक्तिशाली है जो पूर्वोत्तर की ओर जा रही मानसूनी हवाओं को खींच सकता है।
- इस प्रकार मानसूनी हवाओं की पूरी नमी को अपनी ओर खींचने पर उत्तर की ओर होने वाली प्रगति, विशेषकर आंतरिक क्षेत्रों में चक्रवात के समाप्त होने तक संभव नहीं होगी।

विभिन्न चक्रवाती चेतावनी

- येलो: अपडेट रहें
- ऑरेंज: तैयार रहें
- रेड: कार्रवाई करें
- ग्रीन: कोई चेतावनी नहीं है

अरब सागर चक्रवात

- बंगाल की खाड़ी में उत्पन्न होने वाले चक्रवातों की तुलना में अरब सागर में उत्पन्न होने वाले चक्रवात अपेक्षाकृत कमजोर होते हैं।
- पिछले 120 वर्षों में, भारत के आस-पास सभी चक्रवाती तूफानों का लगभग 14% और गंभीर चक्रवातों का 23% हिस्सा अरब सागर में आया है।
- गुजरात की तटरेखा पर, जहां अरब सागर में उत्पन्न होने वाले अधिकांश चक्रवात आते हैं, यहां बहुत अधिक जनसंख्या नहीं है जो यह सुनिश्चित करती है कि पश्चिमी तटों पर चक्रवात

द्वारा किया जाने वाला संभावित नुकसान अपेक्षाकृत कम है।

चक्रवातों का नामकरण किस प्रकार किया जाता हैं?

- भारत, विश्व के दक्षिणी क्षेत्र में आता है।
- इस समूह में कुल आठ देश हैं और वे एक-एक करके चक्रवातों को नाम देते हैं।
- इसमें शामिल देश बांग्लादेश, भारत, मालदीव, म्यांमार, ओमान, पाकिस्तान, श्रीलंका और थाईलैंड हैं।
- ये देश एक-एक करके चक्रवातों को नाम देते हैं, इस पर सभी देशों की बैठक में चर्चा की जाती है और फिर बाद में नाम निर्धारित किया जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –विश्व और भारत का भूगोल

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>रक्षा अंतरिक्ष संस्था: अंतरिक्ष युद्ध हथियार प्रणाली विकसित करने हेतु नई संस्था है।</u>**

- सरकार ने अंतरिक्ष में युद्ध लड़ने के लिए सशस्त्र बलों की क्षमताओं को बढ़ाने हेतु रक्षा अंतरिक्ष संस्था नामक एक नई संस्था की स्थापना को मंजूरी प्रदान की है।

कार्य:

- यह अत्याधुनिक हथियार प्रणालियों और प्रौद्योगिकियों को विकसित करने में मदद करेगी।
- संस्था को वैज्ञानिकों की एक टीम प्रदान की जाएगी जो त्रि-सेवा एकीकृत रक्षा स्टाफ अधिकारी के साथ घनिष्ठ समन्वय में काम करेगी।
- यह रक्षा अंतरिक्ष संस्था (डी.एस.ए.) को अनुसंधान और विकास सहायता प्रदान करेगी जो तीनों सेवाओं के सदस्यों से मिलकर बनी है।
- डी.एस.ए. का निर्माण "अंतरिक्ष में युद्ध लड़ने में देश की मदद करने हेतु" किया गया है।
- रक्षा अंतरिक्ष संस्था की स्थापना बैंगलोर की जा रही है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – रक्षा

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

3. **<u>सशक्त पैनल ने आई.सी.ए. को अनिवार्य करते हुए आर.बी.आई. परिपत्र का अभिवादन किया है।</u>**

- सशक्त समिति के अध्यक्ष सुनील मेहता ने कहा है कि आर.बी.आई. के नए दिशा निर्धारण इंटर-क्रेडिटर समझौते (आई.सी.ए.) ढांचे को अनिवार्य करना, गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एन.पी.ए. या खराब ऋण) के समाधान हेतु सही दिशा में लिया गया एक कदम है।
- हाल ही में, आर.बी.आई. ने तनावपूर्ण परिसंपत्तियों- नए ढांचे के समाधान हेतु संशोधित दिशानिर्देश जारी किए हैं।
- सर्वोच्च न्यायालय द्वारा फरवरी, 2018 के आर.बी.आई. परिपत्र को असंवैधानिक ठहराए जाने के बाद संशोधित दिशानिर्देश जारी किए गए हैं।
- यह परिपत्र, बैंकों को डिफ़ॉल्ट के बाद पहली तारीख से 180 दिनों के भीतर 2000 करोड़ रूपए से अधिक के एन.पी.ए. खातों के लिए समाधान प्रक्रिया को पूरा करने का शासनादेश जारी करता है, जिसके असफल होने पर ऐसे खातों को दिवालियापन एवं शोधन अक्षमता संहिता (आई.बी.सी.), 2016 के अंतर्गत समाधान हेतु संदर्भित किया जाएगा।

संबंधित जानकारी

सशक्त परियोजना

- इसे पी.एन.बी. के अध्यक्ष सुनील मेहता के नेतृत्व में एक पैनल द्वारा प्रस्तावित किया गया था जिससे कि तनावग्रस्त परिसंपत्तियों को समेकित करने में मदद मिल सके।
- 50 करोड़ रूपए तक के खराब ऋण का 90 दिनों की समय सीमा के साथ बैंक स्तर पर प्रबंधन किया जाएगा।
- 50-500 करोड़ रूपए तक के खराब ऋणों हेतु बैंक एक इंटर क्रेडिटर समझौते में प्रवेश करेंगी,

जो नेतृत्वकर्ता बैंक को 180 दिनों के भीतर समाधान योजना कार्यान्वित करने अथवा एन.सी.एल.टी. को परिसंपत्ति संदर्भित करने का अधिकार प्रदान करता है।

- 500 करोड़ रूपए से अधिक के ऋणों के लिए पैनल एक स्वतंत्र ए.एम.डी. की सिफारिश करता है, जो ए.आई.एफ. के माध्यम से संस्थागत वित्तपोषण द्वारा समर्थित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – भारतीय अर्थव्यवस्था

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स + लाइवमिंट

4. **<u>प्रो-टेम (अस्थायी) स्पीकर</u>**

- मध्य प्रदेश के सांसद वीरेंद्र कुमार को 17वीं लोकसभा के पहले सत्र के लिए प्रो-टेम स्पीकर (अस्थायी अध्यक्ष) के रूप में चुना जाएगा।

संबंधित जानकारी

प्रोटेम स्पीकर

- यह संविधान द्वारा प्रदान किया जाता है कि अंतिम लोकसभा का अध्यक्ष, नव-निर्वाचित लोकसभा की पहली बैठक से ठीक पहले अपना कार्यालय खाली कर देता है।
- अत: राष्ट्रपति लोकसभा के एक सदस्य को अस्थायी अध्यक्ष के रूप में नियुक्त करता है।
- इसके लिए सामान्यत: वरिष्ठतम सदस्य का चयन किया जाता है।
- राष्ट्रपति स्वयं अस्थायी अध्यक्ष को शपथ दिलाते हैं।
- अस्थायी अध्यक्ष के पास अध्यक्ष की सभी शक्तियां होती हैं।
- वह नव-निर्वाचित लोकसभा की पहले बैठक की अध्यक्षता करता है।
- उनका मुख्य कर्तव्य नए सदस्यों को शपथ दिलाना और साथ ही सदन को नए अध्यक्ष का चुनाव करने में सक्षम बनाना है।
- जब नए अध्यक्ष को सदन द्वारा चुना जाता है तो अस्थायी अध्यक्ष का कार्यकाल समाप्त हो जाता है। अत:, यह कार्यालय एक अस्थायी कार्यालय है जो कि कुछ दिनों तक मौजूद रहता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2– गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

5. **<u>पश्चिम अफ्रीका के गंभीर रूप से लुप्तप्राय चिंपांज़ी (बनमानुष) को बचाने हेतु कार्रवाई की आवश्यकता है।</u>**

- वर्ष 2016 में, अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (आई.यू.सी.एन.) ने चिंपांज़ी (पान ट्रोग्लोडाइट्स वेरस) की पश्चिमी अफ्रीकी उप-प्रजाति को "गंभीर रूप से लुप्तप्राय" के रूप में सूचीबद्ध किया है।
- इसे पहले "लुप्तप्राय" के रूप में सूचीबद्ध किया गया था।

संबंधित जानकारी

चिंपांज़ी

- चिंपांज़ी (पान ट्रोग्लोडाइट्स), को सामान्य चिंपांज़ी, मजबूत चिंपांज़ी के रूप में भी जाना जाता है। यह उष्णकटिबंधीय अफ्रीका के जंगलों और सवानाओं के मूल निवासी महान वनमानुष की एक प्रजाति है।
- चिंपांज़ी और बोनोबो (कभी-कभी "पिग्मी चिंपांज़ी" कहा जाता है) से नजदीकी से संबंधित को पान वंश में वर्गीकृत किया गया है।
- जीवाश्मों और डी.एन.ए. अनुक्रमण से प्राप्त साक्ष्य दर्शाते हैं कि पान, मानव वंश के लिए एक बहन टैक्सन है और मनुष्य के सबसे करीबी जीवित रिश्तेदार हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3– पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- डाउन टू अर्थ

6. **<u>मलेशिया के पास जाकिर नाइक का प्रत्यर्पण न कराने अधिकार है।</u>**

- मलेशिया के प्रधानमंत्री महाथिर मोहम्मद ने कहा है कि देश ने भारत में ज़ाकिर नाइक के प्रत्यर्पण को रद्द करने के अधिकार को सुरक्षित रखा है यदि वह न्याय के अनुसार नहीं चलता है।

- प्रवर्तन निदेशालय, मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में नाइक के खिलाफ गैर-जमानती वारंट सुरक्षित करने की तैयारी कर रहा है।

संबंधित जानकारी

- प्रत्यर्पण, एक राज्य की औपचारिक प्रक्रिया है जो किसी व्यक्ति का किसी दूसरे राज्य में समर्पण कराती है, ऐसा समर्पण की प्रार्थना करने वाले देश के अधिकार क्षेत्र में उस व्यक्ति द्वारा किए गए अपराधों के लिए अभियोग अथवा दंड देने हेतु किया जाता है।
- भारत में, भगोड़े (अभियुक्त या दोषी) का प्रत्यर्पण, प्रत्यर्पण अधिनियम, 1962 द्वारा शासित है।
- एक भगोड़े का प्रत्यर्पण, भारत द्वारा अन्य देशों के साथ किए गए संधियों/ सम्मेलनों/ व्यवस्थाओं पर निर्भर करता है।
- भारत और मलेशिया ने वर्ष 2010 में प्रत्यर्पण संधि पर हस्ताक्षर किए थे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- टी.ओ.आई.

7. **<u>ग्रामीणों ने वलासा देवारलू का रुख किया है: बारिश के लिए एक पुरानी रस्म है।</u>**

- वलासा देवारलू, सदियों पुराना ग्रामीण त्योहार है, सूखे की स्थिति के कारण चित्तूर जिले के पश्चिमी मंडलों के कई गांवों में यह त्योहार पुन: लौट आया है और बुवाई के मौसम समाप्त होने में मात्र कुछ सप्ताह ही शेष हैं।

संबंधित जानकारी

वलासा देवरालू

- यह एक पारंपरिक अनुष्ठान है और कुछ लोग इसे त्योहार कहते हैं, ये सम्राट श्रीकृष्ण देवरालू के शासनकाल के समय की परंपरा है।
- यह अनुष्ठान कर्नाटक की सीमा से लगे चित्तूर जिले (आंध्र प्रदेश) के लगभग 50 गाँवों में लोकप्रिय है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1– कला एवं संस्कृति

स्रोत-लाइवमिंट

8. **<u>केरल में मिथ्या चिकित्सा का सामना करने हेतु "CAPSULE" अभियान चलाया गया है।</u>**

- CAPSULE (कानून और नैतिकता का उपयोग करते हुए छद्म विज्ञान के खिलाफ अभियान), केरल शास्त्र साहित्य परिषद (के.एस.एस.पी.) की एक पहल है।
- CAPSULE का विचार तब आया जब सामाजिक कार्यकर्ताओं के समूह ने तिरूवनंथपुरम में एक डॉक्टर के खिलाफ एक कानूनी लड़ाई लड़ना शुरू की थी, ये डॉक्टर प्रमुख समाचार पत्रों में मधुमेह, कैंसर और थॉयराइड जैसी बीमारियों को ठीक करने का विज्ञापन देता था।
- CAPSULE, भारतीय चिकित्सा संघ और भारतीय आयुर्वेद चिकित्सा संघ जैसे संगठनों के साथ काम कर रहा है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – सामाजिक मुद्दे

स्रोत- द हिंदू

13.06.2019

1. **<u>हाइपरसोनिक प्रौद्योगिकी प्रदर्शक वाहन</u>**

- डी.आर.डी.ओ. ने स्वदेशी रूप से विकसित हाइपरसोनिक प्रौद्योगिकी प्रदर्शक वाहन (एच.एस.टी.डी.वी.) का परीक्षण किया है।

संबंधित जानकारी

एच.एस.टी.डी.वी.

- एच.एस.टी.डी.वी., हाइपरसोनिक गति उड़ान के लिए एक मानव रहित स्क्रैमजेट प्रदर्शन विमान है जो भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन द्वारा संचालित है।
- स्क्रैम-जेट तकनीक में, सुपरसोनिक गति से मिसाइल में एक कक्ष में ईंधन दहन होता है।

एच.एस.टी.डी.वी. के अनुप्रयोग

- इस परियोजना के बहु नागरिक अनुप्रयोग होंगे।

- इसे कम लागत पर उपग्रहों के प्रक्षेपण हेतु प्रयोग किया जा सकता है।
- यह भविष्य में लंबी दूरी की क्रूज मिसाइलों के लिए भी उपलब्ध होगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>एजुकेशन यू.एस.ए. इंडिया: छात्रों की मदद हेतु एक नया ऐप है।</u>**

- अमेरिकी दूतावास ने एक मोबाइल एप्लीकेशन "एजूकेशन यू.एस.ए. इंडिया" लॉन्च किया है, ये एप्लीकेशन भारतीय छात्रों को "अमेरिका में पढ़ाई के बारे में निवर्तमान, व्यापक और सटीक जानकारी" प्रदान करेगा।
- यह एप्लीकेशन अमेरिका में स्थित विश्वविद्यालयों में प्रवेश चाहने वाले छात्रों की मदद करेगा और उनकी वीजा प्रक्रिया को सुगम बनाएगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –महत्वपूर्ण आवेदन

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>आई.सी.ए.टी. ने दोपहिया सेगमेंट में भारत का पहला बी.एस.- VI प्रमाणपत्र जारी किया है।</u>**

- अंतर्राष्ट्रीय ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी केंद्र ने दोपहिया सेगमेंट के लिए भारत स्टेज VI (बी.एस.- VI) मानदंडों हेतु भारत का पहला अनुमोदन प्रमाणपत्र जारी किया है।
- यह बी.एस.-VI मानदंडों के लिए दोपहिया सेगमेंट में भारत का पहला प्रमाणीकरण है।

संबंधित जानकारी

भारत स्टेज

- भारत स्टेज उत्सर्जन मानक (बी.एस.ई.एस.), मोटर वाहनों सहित आंतरिक दहन इंजन और स्पार्क इग्नीशन इंजन से वायु प्रदूषकों के उत्पादन को विनियमित करने हेतु भारत सरकार द्वारा स्थापित उत्सर्जन मानक है।
- इसके कार्यान्वन हेतु मानक और समयसीमा का निर्धारण पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अंतर्गत केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा किया जाता है।
- यूरोपीय विनियमों पर आधारित मानकों को पहली बार 2000 में पेश किया गया था।
- भारत स्टेज IV उत्सर्जन मानदंडों का अप्रैल, 2017 से पूरे देश में लागू किया गया था।

भारत स्टेज VI

- भारत सरकार ने अप्रैल, 2020 से बी.एस.- V को छोड़कर सीधे बी.एस.-VI को लागू करने का फैसला किया है।
- बी.एस.-VI ईंधन, वर्तमान बी.एस.-IV स्तरों की तुलना में सल्फर को 5 गुना कम कर देगा- मरम्मत को 80 प्रतिशत कम कर देगा और ईंधन को बहुत साफ कर देगा।

अंतर्राष्ट्रीय ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी केंद्र

- यह भारत सरकार के एन.ए.टी.आर.आई.पी. (राष्ट्रीय ऑटोमोटिव परीक्षण एवं आर एंड डी ढांचा परियोजना) के तत्वावधान में एक अग्रणी विश्व स्तरीय ऑटोमोटिव परीक्षण, प्रमाणीकरण और आर एंड डी सेवा प्रदाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

4. **<u>रिजर्व बैंक ने ए.टी.एम. शुल्क, फीस की जांच करने हेतु पैनल का गठन किया है।</u>**

- आर.बी.आई. ने ए.टी.एम. शुल्क और फीस के विस्तार की जांच करने भारतीय बैंक संघ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, वी.जी. कन्नन की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया है।
- यह समिति, ए.टी.एम. हस्तांतरण की मौजूदा संरचना और लागत, शुल्क और इंटरचेंज शुल्क के प्रारूप की समीक्षा करेगी।
- यह समिति इष्टतम शुल्क और इंटरचेंज शुल्क संरचना और प्रारूपों की सिफारिश भी करती है।

संबंधित जानकारी

ऑटोमेटेड टेलर मशीन (ए.टी.एम.)

- यह एक कम्प्यूटरीकृत मशीन है जो बैंकों के ग्राहकों नकद धनराशि निकालने के लिए अपने खातों तक पहुँच प्रदान करती है और बिना बैंक शाखा जाए हुए अन्य वित्तीय और गैर-वित्तीय हस्तांतरण करने की सुविधा प्रदान करती है।
- शुल्क संरचना, उपभोक्ता द्वारा अपने ए.टी.एम. कार्ड को अन्य बैंक के ए.टी.एम. पर प्रयोग करने हेतु भुगतान किए जाने वाले शुल्क को निर्धारित करती है।
- सामान्यत: जारीकर्ता बैंक निश्चित संख्या में निशुल्क ए.टी.एम. हस्तांतरण प्रदान करता है।

ए.टी.एम. के प्रकार

- **व्हाइट लेबल ए.टी.एम.** – एन.बी.एफ.सी. (गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी) द्वारा प्रदान किए गए ए.टी.एम. होते हैं।
- **ग्रीन लेबल ए.टी.एम.-** कृषि हस्तांतरण हेतु प्रदान किया गया ए.टी.एम. है।
- **ऑरेंज लेबल ए.टी.एम.-** शेयर हस्तांतरण हेतु प्रदान किए गए ए.टी.एम. होते हैं।
- **येलो लेबल ए.टी.एम.-** ई-कॉमर्स के लिए प्रदान किए गए ए.टी.एम. होते हैं।
- **पिंक लेबल ए.टी.एम.-** महिला बैंकिंग हेतु प्रदान किए ए.टी.एम. होते हैं।
- **ब्राउन लेबल ए.टी.एम.-** ए.टी.एम. मशीन का स्वामित्व एक सेवा प्रदाता के पास होता है लेकिन नकद प्रबंधन और बैंकिंग नेटवर्क से कनेक्टिविटी एक प्रायोजक बैंक द्वारा प्रदान की जाती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –महत्वपूर्ण समिति

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

5. **<u>मिक्रीलेत्ता ऐशानी: असम में खोजी गई एक नई प्रजाति है।</u>**

- इंडोनेशिया और अमेरिका के शोधकर्ताओं के सहयोग से दिल्ली विश्वविद्यालय और भारतीय वन्यजीव संस्थान के वैज्ञानिकों की एक टीम ने पूर्वोत्तर भारत में मुख्य रूप से असम से एक नई प्रजाति ऐशानी की खोज की है।
- यह संकीर्ण मुँह वाले मेंढकों का एक समूह है जो मुख्य और व्यापक रूप से दक्षिण पूर्व एशिया में पाए जाते है।
- इन मेंढकों को सामान्यत: "धान (पैडी) मेंढक" के रूप में जाना जाता है।
- मिक्रीलेत्ता ऐशानी वर्तमान में पूर्वोत्तर भारत के लिए स्थानिक है लेकिन यह बांग्लादेश और म्यांमार के पड़ोसी क्षेत्रों में व्यापक रूप से मौजूद हो सकते है।
- असम के अतिरिक्त यह त्रिपुरा और मणिपुर में भी पाए जाते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. **<u>अध्ययन में दावा किया गया है कि फॉस्फीन एक सुरक्षित और प्रभावी धूमक है।</u>**

- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आई.सी.ए.आर.) के वैज्ञानिकों के एक अध्ययन के अनुसार, फॉस्फीन कीटों को मारने के लिए ओजोन-क्षयकारी मिथाइल ब्रोमाइड (एम.बी.) के समान प्रभावी हो सकता है।
- इसका उपयोग बंदरगाहों पर संगरोधी धूमक के रूप में भी किया जाता है।

फॉस्फीन

- फॉस्फीन, गैसीय रूप में एक धूमक है, जिसका सामान्यत: सब्सट्रेट के रूप में एल्यूमीनियम फॉस्फेट का उपयोग करके उत्पादन किया जाता है।
- यह कीटों के विरूद्ध 100 प्रतिशत प्रभावी है।

संबंधित जानकारी

- भारत ने मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए हैं और इसे मंजूरी प्रदान की है, जो 2015 तक मिथाइल ब्रोमाइड और अन्य ओजोन-क्षयकारक

पदार्थों (ओ.डी.एस.) को चरणबद्ध करने के लिए प्रतिबद्ध था।

- लेकिन मिथाइल ब्रोमाइड धूमक का उपयोग अभी भी भारतीय बंदरगाहों पर दूसरे देशों से आयात किए गए अनाज और दालों से कीटों को पृथक करने हेतु प्रयोग किया जाता है।
- मिथाइल ब्रोमाइड का बार-बार उपयोग अनाज में अवशेषों को छोड़ देता है जब कि फॉस्फीन अनाज में कोई अवशिष्ट निर्माण नहीं करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- डाउन टू अर्थ

7. **<u>सरकार 44 श्रम कानूनों को 4 संहिताओं में परिवर्तित करने हेतु संशोधन करने पर विचार कर रही है।</u>**

- नया कानून मजदूरी, सामाजिक सुरक्षा, औद्योगिक सुरक्षा एवं कल्याण और औद्योगिक संबंधों पर 44 श्रम कानूनों को 4 संहिताओं में परिवर्तित करेगा।

संबंधित जानकारी

- श्रम, भारत के संविधान की समवर्ती सूची में एक विषय है और केंद्र और राज्य दोनों श्रम मामलों पर कानून बना सकते हैं।
- श्रम पर 44 केंद्रीय कानून और 150 से अधिक राज्य कानून हैं।
- एन.एस.एस.ओ. की रिपोर्ट से ज्ञात होता है कि पूरे देश में बेरोजगारी की दर 6.1% थी, जो 1972-73 के बाद सबसे अधिक थी। यह भी ज्ञात होता है कि ग्रामीण भारत (5.3%) की तुलना में शहरी भारत (7.8%) में बेरोजगारी अधिक थी।
- हालांकि, श्रमिक संघ इसका कड़ा विरोध कर रहे हैं जो यह आरोप लगाते हैं कि उद्योग पहले से ही श्रम विनियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं और मौजूदा कानूनों में से किसी भी प्रकार की ढिलाई करना कर्मचारी के कल्याण से समझौता करना होगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- टी.ओ.आई.

8. **<u>बांचा, भारत का पहला सौर किचन वाला गांव है।</u>**

- मध्य प्रदेश के बेतुल जिले में बांचा गांव, भारत का पहला गांव है जहां पर लकड़ी का एक भी चूल्हा नहीं है और एल.पी.जी. सिलेंडरों का लगभग न के बराबर प्रयोग किया जाता है, इस गांव के सभी घर अपनी भोजन पकाने की आवश्यक्ताओं को पूरा करने हेतु सौर ऊर्जा द्वारा संचालित स्टोव पर निर्भर हैं।

टॉपिक- पी.सी.एस. परीक्षाओं हेतु महत्वपूर्ण

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

14.06.2019

1. **<u>भारत का स्वयं का अंतरिक्ष स्टेशन होगा।</u>**

- भारत की गगनयान को लांच करने के 5-7 वर्षों बाद स्वयं का अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने की योजना है।
- गगनयान अगस्त, 2022 के लिए निर्धारित भारत का पहला मानवयुक्त मिशन होगा जिसे GSLV Mk-III प्रक्षेपण यान द्वारा लॉन्च किया गया है।

भारतीय प्रस्तावित अंतरिक्ष स्टेशन

- प्रस्तावित अंतरिक्ष स्टेशन का भार लगभग 20 टन होगा।
- यह एक ऐसी सुविधा के रूप में कार्य करता है जहाँ अंतरिक्ष यात्री 15-20 दिनों तक रह सकते हैं और इसे पृथ्वी से 400 कि.मी. ऊपर की कक्षा में स्थापित किया जाएगा।
- यह सूक्ष्मगुरूत्व प्रयोगों के लिए एक छोटा मॉड्यूल भी प्रदान करता है।

संबंधित जानकारी

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आई.एस.एस.)

- आई.एस.एस. कार्यक्रम पाँच प्रतिभागी अंतरिक्ष संस्थाओं: नासा (संयुक्त राज्य अमेरिका), रॉसकॉसमॉस (रूस), जाक्सा (जापान), ई.एस.ए. (यूरोप) और सी.एस.ए. (कनाडा) के मध्य एक संयुक्त परियोजना है।
- यह लगभग 400 कि.मी. की ऊँचाई पर निम्न पृथ्वी कक्षा में एक अंतरिक्ष स्टेशन या एक निवास्य (हैबिटेबल) कृत्रिम उपग्रह है।
- आई.एस.एस., निम्न पृथ्वी कक्षा में सबसे बड़ा मानव निर्मित निकाय है और इसे प्राय: पृथ्वी से नग्न आंखों से देखा जा सकता है।
- आई.एस.एस., एक सूक्ष्मगुरूत्व और अंतरिक्ष पर्यावरण अनुसंधान प्रयोगशाला के रूप में कार्य करता है जिसमें चालक दल के सदस्य जीव विज्ञान, मानव जीव विज्ञान, भौतिक विज्ञान, खगोल विज्ञान, मौसम विज्ञान और अन्य क्षेत्रों में प्रयोग करते हैं।
- यह लगभग 92 मिनट में पृथ्वी का चक्कर लगाता है और प्रतिदिन 15.5 चक्कर लगाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>वैश्विक शांति सूचकांक 2019</u>**

- हाल ही में, अर्थशास्त्र एवं शांति संस्थान ने वैश्विक शांति सूचकांक जारी किया है जिसमें 163 देशों के बीच भारत का स्थान पांच स्थान नीचे खिसककर 141वें स्थान पर आ गया है।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- आइसलैंड, विश्व का सबसे शांतिपूर्ण देश बना हुआ है, यह देश वर्ष 2008 से शीर्ष स्थान पर बना हुआ है।
- यह वैश्विक शांति सूचकांक (जी.पी.आई.) में शीर्ष स्थान पर है, इसके बाद न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रिया, पुर्तगाल और डेनमार्क हैं।
- वर्तमान में सीरिया को प्रतिस्थापित करते हुए अफगानिस्तान विश्व का सबसे कम शांतिपूर्ण देश है।
- दक्षिण एशिया में, भूटान ने 15वें स्थान के साथ सूची में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है और इसके बाद श्रीलंका ने 72वां स्थान प्राप्त किया है।
- भारत, फिलीपींस, जापान, बांग्लादेश, म्यांमार, चीन, इंडोनेशिया, वियतनाम और पाकिस्तान मिलाकर कुल नौ ऐसे देश हैं जिन पर कई जलवायु खतरों का सबसे अधिक जोखिम है।
- भारत का सातवाँ अधिकतम प्राकृतिक जोखिम स्कोर है।

अर्थशास्त्र और शांति संस्थान

- यह एक अंतर्राष्ट्रीय और स्वतंत्र विशेषज्ञ समूह है जो मानव कल्याण और प्रगति के सकारात्मक, प्राप्य और वास्तविक उपाय के रूप में विश्व का ध्यान शांति की ओर स्थानांतरित करने हेतु समर्पित है।
- यह 23 संकेतक पर विचार करता है।
- इस रिपोर्ट में विश्व की जनसंख्या का 99.7 प्रतिशत हिस्सा शामिल है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –महत्वपूर्ण सूचकांक

स्रोत-लाइवमिंट

3. **<u>चीन ने इंटरनेट "क्लीन-अप" अभियान शुरू किया है।</u>**

- चीन ने अपने इंटरनेट को साफ करने हेतु एक अभियान शुरू किया है।

अभियान के संदर्भ में जानकारी

- यह अभियान "अवैध और आपराधिक कार्यों" के लिए वेबसाइटों को दंडित और उजागर करेगा।
- यह उन्हें सुरक्षा उपाय बरतने या व्यक्तिगत जानकारी की चोरी रोकने में "अपने दायित्व को पूरा करने" में विफल रहने के लिए भी दंडित करेगा।

- हाल ही में, इंटरनेट सेंसरशिप शोधकर्ताओं ने पाया था कि चीन ने विकिपीडिया को ब्लॉक कर दिया है।
- इसके पहले चीन ने साइटों के चीनी भाषा संस्करण के साथ ही दलाई लामा और तियानानमेन नरसंहार जैसे विषयों पर संवेदनशील सर्च हेतु वेब पेजों को प्रतिबंधित कर दिया था।
- चीन लंबे समय से सरकार के खिलाफ प्रचार-प्रसार और आलोचना को फैलने से रोकने हेतु तंत्र को लागू कर रहा है।
- रिपोर्टर्स विदआउट बॉर्डर के विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक ने 180 विश्लेषित देशों की सूची में चीन को 177वां स्थान प्रदान किया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –सामाजिक सुरक्षा

स्रोत- द हिंदू

4. **<u>मंत्रिमंडल ने "केंद्रीय शैक्षिक संस्थान (शिक्षक संवर्ग में आरक्षण) विधेयक, 2019" को मंजूरी प्रदान की है।</u>**

- यह विधेयक, केंद्रीय शैक्षिक संस्थान (शिक्षक संवर्ग में आरक्षण) अध्यादेश, 2019 को प्रतिस्थापित करेगा।
- यह विधेयक 200 बिंदुओं का रोस्टर प्रदान करता है जो कॉलेज या विश्वविद्यालय को एक विभाग या विषय के बजाय संकाय आरक्षण हेतु एक इकाई के रूप में परिभाषित करता है।
- इस विधेयक को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) की इस घोषणा के बाद प्रस्तावित किया गया है कि 13 बिंदुओं के रोस्टर का अनुसरण किया जाएगा।
- इसके अनुसार, व्यक्तिगत विभाग को एस.सी. और एस.टी. उम्मीदवारों के लिए आरक्षित शिक्षक पदों की गणना करने हेतु एक आधार इकाई के रूप में माना जाएगा जो इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एक आदेश के बाद तैयार किया गया था।
- इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने फैसला दिया था कि राज्य विश्वविद्यालयों में संकाय पदों के लिए एस.सी., एस.टी. और ओ.बी.सी. के लिए आरक्षण इस तरह से लागू किया जाना चाहिए कि विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग को एक इकाई के रूप में माना जाए।
- इस आदेश से पहले, विश्वविद्यालयों में आरक्षण को 200-बिंदुओं के रोस्टर द्वारा लागू किया जाता था, जो पूरे विश्वविद्यालय को एकल इकाई के रूप में मानता था।
- इस आदेश को एक प्रमुख अवरोध के रूप में देखा गया है क्यों कि विभागवार आरक्षण से एस.सी., एस.टी. प्रतिनिधित्व में कमी आएगी।
- इसके अतिरिक्त, यह विधेयक आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ई.डब्ल्यू.एस.) को भी 10% आरक्षण प्रदान करना भी सुनिश्चित करेगा।

संबंधित जानकारी

- हाल ही में, केंद्र सरकार ने 103वां संवैधानिक संशोधन अधिनियम पारित किया था।
- यह अनारक्षित वर्ग में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में 10% आरक्षण प्रदान करता है।
- इसमें निजी गैर-सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थानों में भी आरक्षण का प्रावधान है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

5. **<u>पी.एम. किसान पेंशन योजना: इस योजना में किसानों का योगदान 100 रुपये प्रतिमाह है।</u>**

- किसानों को प्रधानमंत्री किसान पेंशन योजना के अंतर्गत प्रतिमाह 100 रुपये का योगदान करना होगा, जो 60 वर्ष की आयु की प्राप्ति पर 3,000 रुपये की न्यूनतम निश्चित मासिक पेंशन प्रदान करेगी।
- केंद्र सरकार, एल.आई.सी. द्वारा प्रबंधित पेंशन कोष में एक समान राशि का योगदान करेगी, जो पेंशन भुगतानों के लिए जिम्मेदार होगी।

- सरकार ने पहले तीन वर्षों में 5 करोड़ लाभार्थियों को शामिल करने के उद्देश्य से किसानों के लिए एक अलग पेंशन योजना को मंजूरी प्रदान की है।
- केंद्र सरकार ने राज्यों से योजना के संदर्भ में जागरूकता पैदा करने हेतु कदम उठाने के अतिरिक्त 18-40 वर्ष के आयु वर्ग के किसानों का नामांकन शुरू करने का आग्रह किया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- ए.आई.आर.

6. **<u>54वां ज्ञानपीठ पुरस्कार</u>**

- अमितव घोष को 54वें ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
- यह पुरस्कार अंग्रेजी में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया है।
- अमितव घोष, यह पुरस्कार प्राप्त करने वाले पहले अंग्रेजी लेखक हैं।
- अमितव घोष की प्रसिद्ध रचनाएं द ग्लास पैलेस, सी ऑफ पोपीज, रीवर ऑफ स्मोक, हंग्री टाइड हैं।

ज्ञानपीठ पुरस्कार

- ज्ञानपीठ पुरस्कार, एक भारतीय साहित्यिक पुरस्कार है जो भारतीय ज्ञानपीठ द्वारा प्रतिवर्ष लेखकों को उनके साहित्य के प्रति उत्कृष्ट योगदान हेतु प्रदान किया जाता है।
- इस पुरस्कार की स्थापना वर्ष 1961 में की गई थी।
- यह पुरस्कार केवल भारतीय संविधान की आंठवीं अनुसूची में शामिल भाषाओं और अंग्रेजी भाषा में लिखने वाले लेखकों को बिना मरणोपरांत सम्मान के साथ प्रदान किया जाता है।

टॉपिक- पी.सी.एस. परीक्षा हेतु महत्वपूर्ण

स्रोत- द हिंदू

7. **<u>मध्य भारत को रायपुर में अपना पहला सिक्ख संग्रहालय मिला है।</u>**

- सिक्ख संस्कृति और परंपरा को प्रदर्शित करने वाला एक संग्रहालय छत्तीसगढ़ राज्य के राजधानी शहर रायपुर के केंद्र में खोला गया है।
- गुरु नानक नगर में गुरुद्वारा गुरुसिंघ सभा में श्री गुरु तेग बहादुर सिक्ख संग्रहालय स्थित है।

टॉपिक- पी.सी.एस. परीक्षाओं हेतु महत्वपूर्ण

स्रोत-ए.एन.आई.

8. **<u>भारत और अमेरिका 2 अन्य रक्षा समझौतों पर हस्ताक्षर करने की दिशा में काम कर रहे हैं।</u>**

- भारत और अमेरिका, दोनों देशों के मध्य संस्थागत रक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए दो अन्य समझौतों- औद्योगिक सुरक्षा अनुबंध (आई.एस.ए.) और भू-स्थानिक सहयोग हेतु आधारभूत विनिमय एवं सहयोग समझौते (बी.ई.सी.ए.) पर हस्ताक्षर करने की दिशा में काम कर रहे हैं।
- आई.एस.ए., जो दो देशों के मध्य सैन्य सूचना समझौते की सामान्य सुरक्षा हेतु अनुबंध (जी.एस.ओ.एम.आई.ए.) है, जो अमेरिकी सरकार और अमेरिकी रक्षा कंपनियों को भारतीय निजी रक्षा निर्माताओं के साथ वर्गीकृत जानकारी साझा करने में सक्षम करेगा।
- भारत और अमेरिका के पास 17 वर्ष पूर्व से जी.एस.ओ.एम.आई.ए. है, जो अमेरिकी सरकार और अमेरिकी रक्षा निर्माताओं के साथ भारत सरकार और सरकार के स्वामित्व वाली रक्षा फर्मों के साथ वर्गीकृत जानकारी साझा करने की अनुमति प्रदान करता है लेकिन यह भारतीय निजी कंपनियों के साथ जानकारी साझा करने की अनुमति नहीं प्रदान करता है।
- भारत में रक्षा उत्पादन में सार्थक निजी क्षेत्र की भागीदारी के लिए आई.एस.ए. पर हस्ताक्षर करने को एक पूर्वाकांक्षा के रूप में देखा जाता है, यदि भारत को सुरक्षित तरीके से अमेरिका से आधुनिक तकनीकी इनपुट प्राप्त करना है।

- अमेरिका ने भी बी.ई.सी.ए. का एक मसौदा साझा किया है, जो भारत और अमेरिका के मध्य सैन्य और नागरिक उपयोग दोनों के लिए भू-स्थानिक सूचनाओं के विनिमय की अनुमति प्रदान करेगा।
- सटीक स्थान की जानकारी मिलना भारतीय हथियार प्रणालियों और सैन्य प्लेटफार्मों को अपने लक्ष्यों पर सटीक निशाना लगाने की अनुमति प्रदान करेगा। भारत ने अपने अवलोकनों के साथ प्रतिक्रिया व्यक्त की है जो अमेरिका से एक नए मसौदे का नेतृत्व करती है और इस पर आगे की चर्चा मसौदे को अंतिम रूप देने से पहले किए जाने का अनुमान है।
- बी.ई.सी.ए. तीन मूलभूत समझौते में से अंतिम है और हस्ताक्षर किए जाने के लिए केवल एक ही शेष समझौता है।
- दोनों देशों ने अगस्त, 2016 में रसद विनिमय समझौता ज्ञापन (LEMOA) पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके अंतर्गत दोनों देश की सेनाएं अन्य पक्ष के देश को अपने बेस से रसद समर्थन प्रदान करेंगी। संचार संगतता एवं सुरक्षा समझौते (COMCASA) को भारतीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संशोधित किया गया था, इसे पिछले सितंबर में 2 + 2 संवाद पर हस्ताक्षरित किया गया था।

टॉपिक- जी.एस.-2- अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत-इंडियन एक्सप्रेस

9. **<u>मंत्रिमंडल ने बैंकों, टेलीकॉम कंपनियों में पहचान पत्र के रूप में आधार को मंजूरी प्रदान की है।</u>**

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बैंकों और टेलीकॉम कंपनियों जैसे निजी संस्थाओं द्वारा उपयोग के लिए पहचान पत्र के रूप में आधार के स्वैच्छिक प्रस्तुतीकरण को अनुमति प्रदान करने हेतु एक विधेयक को मंजूरी प्रदान की है।
- आधार एवं अन्य कानून (संशोधन) विधेयक, 2019, जो एक अध्यादेश को प्रतिस्थापित करेगा, इसके अतिरिक्त यह बच्चे को 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर आधार से बाहर निकलने का विकल्प भी प्रदान करता है।
- यह विधेयक, आधार अधिनियम की धारा 57 को हटाने का प्रस्ताव है जो आधार का निजी संस्थाओं द्वारा उपयोग किए जाने की अनुमति प्रदान करता है, जब कि आधार के उल्लंघन के लिए नागरिक दंड का प्रावधान भी प्रदान करता है।
- विधेयक कहता है कि बैंक खाते खोलने में आम जनता की सुविधा के लिए यह टेलीग्राफ अधिनियम, 1885 और मनी लांड्रिंग की रोकथाम अधिनियम, 2002 के अंतर्गत स्वीकार्य के.वाई.सी. दस्तावेज़ के रूप में स्वैच्छिक आधार पर प्रमाणीकरण के लिए आधार संख्या के उपयोग की अनुमति प्रदान करेगा।
- यह विधेयक भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण कोष की स्थापना के लिए संशोधन प्रदान करना प्रस्तावित करता है।
- आधार पारिस्थिकी तंत्र में किसी भी संस्था को निर्देशित करने हेतु यह यू.आई.डी.ए.आई. पर ऊर्जा जैसा विकसित विनियामक प्रदान करता है क्यों कि इसे आवश्यक माना जाता है।
- यह विधेयक 2018 में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के अनुसार है, जिसमें कहा गया है कि आधार संवैधानिक रूप से वैध है लेकिन आधार अधिनियम की धारा 57 को खारिज किया जाता है।
- सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला दिया था कि आयकर रिटर्न दाखिल करने और स्थायी खाता संख्या के आवंटन के लिए आधार अनिवार्य है।

आधार संख्या

- आधार संख्या, भारत के निवासियों को भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण द्वारा जारी एक सत्यापन योग्य बारह अंकों की विशिष्ट पहचान संख्या है।

- यह निवासी की जनसांख्यिकीय और बायोमेट्रिक जानकारी से संबंधित होता है।
- आधार (वित्तीय और अन्य सब्सिडी, लाभ और सेवा का लक्षित वितरण) अधिनियम, 2016 परियोजना को विधायी समर्थन प्रदान करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- इकोनॉमिक्स टाइम्स

17.06.2019

1. **<u>भारत, हैवीवेट टॉरपीडो क्लब में शामिल होने के लिए तैयार है।</u>**

- भारतीय नौसेना ने स्वदेशी रूप से विकसित हैवीवेट टारपीडो "वरुणास्त्र" को शामिल करने का निर्णय लिया है।
- यह भारत को हैवीवेट टॉरपीडो के निर्माण की क्षमता रखने वाले आठ देशों के समूह में शामिल करेगा।
- यह हथियार नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एन.टी.एस.एल.), विशाखापत्तनम द्वारा विकसित किया जा रहा है।

वरूणास्त्र

- यह सबसे अधिक उन्नत स्वचालित एवं रिमोट-नियंत्रित मार्गदर्शित प्रणालियों में से एक से सुसज्जित जहाज से लांच किया जाने वाला विद्युत-प्रणोदित पानी के नीचे का हथियार है।
- यह हथियार प्रणाली लक्ष्य का पता लगाने में स्वयं की बुद्धिमत्ता का उपयोग करती है।
- वरुणास्त्र को 95% स्वदेशी माना जाता है।
- इसे जहाजों और पनडुब्बियों से और तटों से भी लॉन्च किया जा सकता है।
- वरुणास्त्र पानी के नीचे स्टील्थ पनडुब्बी को मार सकता है।
- इसकी परिचालन सीमा 40 कि.मी. है और यह 250 किलोग्राम वजन तक का एक वारहेड ले जा सकता है।

नोट:

- टारपीडो, एक स्व-प्रणोदित पानी के नीचे की मिसाइल है, जिसे पनडुब्बी, जहाज की सतह या हवाई जहाज से लॉन्च किया जाता है और यह लक्ष्य के संपर्क आने पर विस्फोट के लिए डिज़ाइन की गई है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>कर संधि के दुरुपयोग को रोकने हेतु बहुपक्षीय साधन</u>**

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बहुपक्षीय साधन (एम.एल.आई.) के अनुसमर्थन को मंजूरी प्रदान की है जो आधार क्षरण एवं लाभ स्थानांतरण (बी.ई.पी.एस.) कार्य योजना की छतरी के अंतर्गत कर संधि के दुरुपयोग को रोकने में मदद करता है।
- बहुपक्षीय उपकरण/ सम्मेलन, बी.ई.पी.एस. परियोजना से निपटने के लिए ओ.ई.सी.डी. और जी20 परियोजना का एक परिणाम है।

आधार क्षरण एवं लाभ स्थानांतरण (बी.ई.पी.एस.)

- बी.ई.पी.एस. परियोजना का उद्देश्य कृत्रिम रूप से लाभ को निम्न अथवा बिना-कर के स्थानों पर स्थानांतरित करने के लिए कर नियमों में अंतरों और कमियों का उपयोग करने वाली कर योजना रणनीतियों के माध्यम से आधार क्षरण एवं लाभ स्थानांतरण से निपटना है।
- यह वहां पर होता है जहां पर बहुत कम अथवा न के बराबर आर्थिक गतिविधि के परिणामस्वरूप बहुत कम अथवा न के बराबर कारपोरेट कर का भुगतान किया जाता है।
- बी.ई.पी.एस. परियोजना ने आधार क्षरण एवं लाभ स्थानांतरण (बी.ई.पी.एस.) को व्यापक तरीके से संबोधित करने हेतु 15 कार्यों की पहचान की है।

बहुपक्षीय उपकरण/ सम्मेलन

- यह संधि दुरुपयोग अथवा बी.ई.पी.एस. रणनीतियों के माध्यम से राजस्व हानि को रोकने

के लिए भारत को अपनी कर संधियों को संशोधित करने में सक्षम करेगा जहां कंपनियां निम्न-कर अधिकार क्षेत्रों में अपने लाभ को रखती हैं।

- यह सुनिश्चित करेगा कि लाभ पर कर लगाया जा रहा है, यहां पर्याप्त आर्थिक गतिविधियां की जाती हैं और यहां मूल्य निर्माण किया जाता है।
- अमेरिका, इस बहुपक्षीय सम्मेलन का हस्ताक्षरकर्ता नहीं है क्यों कि उसका मानना है कि उसके पास एक मजबूत कर संधि नेटवर्क है जो संधि के दुरुपयोग को रोकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र

स्रोत-लाइवमिंट

3. **<u>वैज्ञानिकों ने चावल में होने वाले शीथ ब्लाइट रोग हेतु जिम्मेदार कवक का पता लगाया है।</u>**

- वैज्ञानिकों के एक दल ने राइजोक्टोनिया सोलानी (कवक) के दो भारतीय उपभेदों का पता लगाया है, जो चावल में खूंखार शीथ ब्लाइट बीमारी का कारण बनता है।
- राइज़ोक्टोनिया सोलानी, एक कवक रोगज़नक़ है जो चावल में खूंखार शीथ ब्लाइट बीमारी का कारण बनता है।

संबंधित जानकारी

शीथ ब्लाइट रोग

- शीथ ब्लाइट रोग, चावल की खेती में एक प्रमुख मुद्दा है।
- इससे चावल की पैदावार में 60% तक की कमी हो सकती है।
- रोग प्रतिरोधी चावल की किस्मों को पैदा करना कठिन है क्यों कि रोग प्रतिरोधी के प्राकृतिक स्रोत की कमी है।
- वैज्ञानिकों ने बीमारी की गंभीरता हेतु जिम्मेदार तनाव में कई जीन और जीन परिवारों की पहचान की है।
- यह जीनोमिक पहुँच, शीथ ब्लाइट रोग के प्रति प्रतिरोधी चावल किस्मों को विकसित करने में मदद करने की उम्मीद है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- डाउन टू अर्थ

4. **<u>बिहार सरकार ने मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना शुरू की है।</u>**

- बिहार सरकार ने "मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना", एक सार्वभौमिक वृद्धावस्था पेंशन योजना शुरू की है।

मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना (एम.वी.पी.वाई.)

- यह योजना 60 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति को शामिल करती है (यदि उन्हें राज्य या केंद्र सरकार से कोई अन्य पेंशन नहीं मिल रही है) इस योजना के अंतर्गत व्यक्ति की वित्तीय, पारिवारिक अथवा जाति की स्थिति के निरपेक्ष 400 रूपए प्रत्येक महीने प्रत्यक्ष रूप से उसके खाते में हस्तांतरित किए जाएंगे।
- 80 वर्ष या उससे अधिक आयु के प्रत्येक व्यक्ति के खाते में प्रत्यक्ष रूप से 500 रूपए प्रति महीने हस्तांतरित किए जाएंगे।
- इस योजना का उद्देश्य अनुमानित 36 लाख वरिष्ठ नागरिकों को शामिल करना है जो किसी भी वेतन, पेंशन या पारिवारिक पेंशन के लिए गुप्त नहीं है।
- राज्य मंत्रिमंडल ने वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए सार्वभौमिक वृद्धावस्था पेंशन योजना के भुगतान के लिए बिहार आकस्मिक कोष से 384 करोड़ रुपये की राशि को मंजूरी प्रदान की है।
- **बिहार, एक सार्वभौमिक वृद्धावस्था पेंशन योजना शुरू करने वाला भारत का पहला राज्य बन गया है।**
- अन्य राज्यों में, वृद्धावस्था पेंशन केवल 60 वर्ष या उससे अधिक के बी.पी.एल. परिवार के

सदस्यों, एस.सी./ एस.टी. या विधवा या विकलांग व्यक्तियों को प्रदान की जाएगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –सामाजिक योजना

स्रोत- टी.ओ.आई.

5. **<u>विश्व निवेश रिपोर्ट 2019</u>**

- यू.एन.सी.टी.ए.डी. ने विश्व निवेश रिपोर्ट जारी की है जिससे 2018 में भारत में $ 42 बिलियन का एफ.डी.आई. प्रवाह हुआ है।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- दक्षिण एशिया में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रवाह 3.5% बढ़कर 54 बिलियन डॉलर हो गया है।
- भारत, दक्षिण एशियाई क्षेत्र में आने वाले कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का 77% से अधिक भाग आकर्षित करता है।
- हालांकि, रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक एफ.डी.आई. प्रवाह 2018 में 13% गिरकर 2017 में $ 5 ट्रिलियन से $ 1.3 ट्रिलियन हो गई है **जो लगातार तीसरी वार्षिक गिरावट है।**
- अमेरिकी सरकार द्वारा 2017 में प्रस्तावित कर सुधारों के उपयोग से विदेशों में कमाई को वापस लेने वाले अमेरिकी बहुराष्ट्रीय उद्यमों (एम.एन.ई.) के कारण काफी संकुचन हुआ है।
- भारत, कोरिया गणराज्य, फिलीपींस और तुर्की सूचना एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जब कि पश्चिम एशिया सेवाओं का पक्षधर है और अधिकांश दक्षिण-पूर्व एशिया विभिन्न प्रकार के विनिर्माण को आकर्षित करना चाहता है।

भारत के संदर्भ में निष्कर्ष

- सशक्त अंतरप्रवाह प्राप्त करने वाले क्षेत्रों में वित्तीय सेवाएं, सीमा पार विलय, विनिर्माण, संचार और अधिग्रहण गतिविधियां शामिल हैं।
- इस रिपोर्ट ने 2018 में एफ.डी.आई. प्राप्त करने वाले शीर्ष देशों में भारत को 10वां स्थान प्रदान किया है।

संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास सम्मेलन (यू.एन.सी.टी.ए.डी.)

- इसकी स्थापना वर्ष 1964 में एक स्थायी अंतर सरकारी निकाय के रूप में की गई थी।
- यू.एन.सी.टी.ए.डी., संयुक्त राष्ट्र सचिवालय का हिस्सा है जो व्यापार, निवेश और विकास के मुद्दों से निपटता है।

यू.एन.सी.टी.ए.डी. की अन्य रिपोर्टें

- व्यापार एवं विकास रिपोर्ट
- न्यूनतम विकसित देशों की रिपोर्ट
- सूचना एवं अर्थव्यवस्था रिपोर्ट
- प्रौद्योगिकी एवं नवीनता रिपोर्ट
- कमोडिटी एवं विकास रिपोर्ट

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –महत्वपूर्ण रिपोर्ट

स्रोत- इकोनॉमिक्स टाइम्स

6. **<u>बिहार में तीव्र इन्सेफेलाइटिस सिंड्रोम (ए.ई.एस.) का प्रकोप है।</u>**

- हाल ही में, मुजफ्फरपुर (बिहार) में तीव्र इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम (एईएस) से पीड़ित बच्चों की संख्या 83 हो गई है।

संबंधित जानकारी

तीव्र इन्सेफेलाइटिस सिंड्रोम (ए.ई.एस.)

- इसकी प्रमुख विशेषता बुखार और नैदानिक स्नायविक प्रदर्शन की तीव्र शुरुआत है जिसमें मानसिक भ्रम, भटकाव, बेहोशी या कोमा शामिल है।
- यह कई विभिन्न विषाणु, जीवाणु, कवक, परजीवी, सर्पकीट, रासायनिक/ विषाक्त पदार्थों आदि के कारण होता है।
- यह मुख्य रूप से 15 वर्ष से कम आयु की आबादी को प्रभावित करता है।
- भारत में, उत्तर और पूर्वी भारत में ए.ई.एस. का प्रकोप, खाली पेट कच्ची लीची खाने वाले बच्चों से संबंधित किया गया है।

- कच्चे फल में विषाक्त हाइपोग्लाइसीन ए और मेथिलीनसाइक्लोप्रोपाइलग्लाईसीन (एम.सी.पी.जी.) होते हैं, जो अधिक मात्रा खाने पर उल्टी का कारण बनता हैं।
- हाइपोग्लाइसीन ए, एक प्राकृतिक रूप से पाया जाने वाला अमीनो अम्ल है जो कच्ची लीची में पाया जाता है जिससे गंभीर उल्टियां (जमैका उल्टी बीमारी) होती है।
- मेथिलीनसाइक्लोप्रोपाइलग्लाईसीन लीची के बीजों में पाया जाने वाला एक विषाक्त यौगिक है जो रक्त शर्करा में अचानक कमी, उल्टी, निष्क्रियता लाने वाली परिवर्तित मानसिक अवस्था, बेहोशी, कोमा और मृत्यु का कारण बनता है।
- जापानी इंसेफेलाइटिस विषाणु (जे.ई.वी.), भारत में ए.ई.एस. (5% -35% से लेकर) का प्रमुख कारण है।
- निपाह विषाणु, जीका विषाणु ए.ई.एस. के लिए उत्पादक एजेंट के रूप में भी पाए जाते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

7. **<u>सरबत सेहत बीमा योजना</u>**

- पंजाब सरकार, अपनी प्रमुख सार्वभौमिक स्वास्थ्य बीमा योजना शुरू करेगी।
- यह योजना प्रत्येक परिवार को 5 लाख रुपये का वार्षिक स्वास्थ्य कवर प्रदान करेगी और इसके अंतर्गत लगभग 43.18 लाख परिवार आएंगे।
- 18 लाख परिवारों में से, 14.86 लाख प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पी.एम.जे.ए.वाई.) परिवार हैं।
- पी.एम.जे.ए.वाई. के अंतर्गत आने वाले परिवारों के लिए प्रीमियम की लागत केंद्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा 60:40 अनुपात में वहन की जाएगी और अन्य लाभार्थियों की लागत राज्य सरकार द्वारा वहन की जाएगी।
- लाभार्थियों को पंजाब और चंडीगढ़ के सरकारी और निजी अस्पतालों में कैशलेस माध्यमिक देखभाल और तृतीयक उपचार का लाभ प्रदान किया जाएगा।

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना

- यह एक केंद्रीय प्रायोजित योजना है जो माध्यमिक और तृतीयक देखभाल अस्पताल में भर्ती करने हेतु 5 लाख (प्रति परिवार का प्रति वर्ष) रूपए तक का कवरेज प्रदान करती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –स्वास्थ्य योजना

स्रोत- द हिंदू बिजनेस लाइन

8. **<u>ईंधन कोशिकाओं के लिए नॉवेल सेलेनियम-ग्रैफीन उत्प्रेरक</u>**

- भारत के एक बहु-संस्थागत दल ने एक सेलेनियम-ग्रैफीन-आधारित उत्प्रेरक विकसित किया है जो वाणिज्यिक हाइड्रोजन ईंधन-आधारित कारों में सहायक है जिन्हें अच्छे उत्प्रेरक की आवश्यकता होती है।
- यह उत्प्रेरक अधिक कुशल, कम लागत का और सामान्य प्लैटिनम आधारित उत्प्रेरक की तुलना में अधिक समय तक स्थिर रहने वाला है।
- सामान्यत: ईंधन सेलों में प्लैटिनम जैसे मंहगे तत्वों का उपयोग किया जाता है।
- ये महंगी धातु-आधारित प्रौद्योगिकियां कुछ प्रारंभिक चक्रों के लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन करती हैं लेकिन फिर कई कारणों से प्रदर्शन में निम्न स्तर की हो जाती हैं।
- ईंधन सेल की कार्यप्रणाली में ऑक्सीजन की कमी में एक महत्वपूर्ण चरण है।
- सेलेनियम परमाणुओं के साथ संशोधित ग्रैफीन, बहुत कम मात्रा में लेने पर प्लैटिनम के समान एक प्रदर्शित अभिक्रिया के समान प्रदर्शन कर सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

9. **<u>असम मंदिर ने दुर्लभ कछुए के हैचलिंग के प्रमाण हेतु लिए बोली लगाई है।</u>**

- असम के उग्रतारा मंदिर ने ताजे पानी के ब्लैक सॉफ्टशेल कछुओं के 34 हैचलिंग के लिए विशेष दर्शनों का आयोजन किया है।

संबंधित जानकारी

ब्लैक सॉफ्टशेल कछुआ

- ब्लैक सॉफ्टशेल कछुआ या बोस्टमी कछुआ, भारत (असम) और बांग्लादेश (चित्तागोंग और सिलहट) में पाए जाने वाले ताजे पानी के कछुए की एक प्रजाति है।
- इन्हें आई.यू.सी.एन. की रेड लिस्ट में "जंगलों में विलुप्त" के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3-विज्ञान

स्रोत- द हिंदू

10. **<u>ग्लैंडर्स बीमारी के लिए तीन घोड़ों का परीक्षण पॉजिटिव हैं।</u>**

- उत्तर प्रदेश सरकार ने हिसार स्थित राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र (एन.आर.सी.ई.) की एक रिपोर्ट के बाद तीन घोड़ों की इच्छामृत्यु की पुष्टि की गई है कि इस रिपोर्ट ने इन घोड़ों में ग्लैंडर्स बीमारी के पॉजिटिव परीक्षण की पुष्टि की है।

संबंधित जानकारी

ग्लैंडर्स रोग के संदर्भ में जानकारी

- ग्लैंडर्स, एक संक्रामक बीमारी है जो कि जीवाणु बुरखोलदेरिया मलेली के कारण होती है।
- ग्लैंडर्स मुख्य रूप से घोड़ों को प्रभावित करने वाली बीमारी है।
- यह गधों और खच्चरों को भी प्रभावित करता है और अन्य स्तनधारियों जैसे कि बकरियों, कुत्तों और बिल्लियों द्वारा स्वाभाविक रूप से फैलाया किया जा सकता है।
- यह संक्रमित जानवरों के सीधे संपर्क में आने से मनुष्यों में फैलती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- टी.ओ.आई.

18.06.2019

1. **<u>शंघाई सहयोग संगठन की बैठक</u>**

- भारतीय प्रधानमंत्री ने किर्गिस्तान के बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन (एस.सी.ओ.) शिखर सम्मेलन में भाग लेकर अपनी दो दिवसीय यात्रा का समापन किया है।
- भारतीय प्रधानमंत्री ने शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन को संबोधित करने के अतिरिक्त चीन, रूस, अफगानिस्तान और किर्गिस्तान के साथ सफल द्विपक्षीय वार्ता की है।
- उन्होंने शिखर सम्मेलन में अपने संबोधन के दौरान संक्षिप्त शब्द HEALTH के बारे जिक्र किया था, जो एस.सी.ओ. सदस्य-राज्यों के मध्य सहयोग को मजबूत करने हेतु एक सांचा है।
- संक्षिप्त शब्द HEALTH में 'H' स्वास्थ्य देखभाल सहयोग को, 'E' आर्थिक सहयोग को, 'A' वैकल्पिक ऊर्जा को, 'L' साहित्य और संस्कृति को, 'T' आतंकवाद को और 'H' मानवीय सहयोग को दर्शाता है।
- भारतीय प्रधानमंत्री ने यह भी कहा है कि अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे (आई.एन.एस.टी.सी.), अश्गाबात समझौते और ईरान के चाबहार बंदरगाह के विकास जैसी परियोजनाओं में भारत की भागीदारी, भारत और क्षेत्र के मध्य संबंधों हेतु अपनी प्रतिबद्धता का हॉलमार्क है।

अश्गाबात समझौता

- अश्गाबात समझौता, एक अंतर्राष्ट्रीय परिवहन एवं पारगमन गलियारे का निर्माण करने हेतु कजाखस्तान, उजबेकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, ईरान, पाकिस्तान, भारत और ओमान के मध्य एक समझौता है जो मध्य एशिया और फारस की खाड़ी के मध्य माल के परिवहन की सुविधा प्रदान करता है।

अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा

- आई.एन.एस.टी.सी. भारत, ईरान, अफगानिस्तान, आर्मेनिया, अजरबैजान, रूस, मध्य एशिया और यूरोप के मध्य माल ढुलाई के

लिए जहाज, रेल और सड़क मार्गों का 7,200 किलोमीटर का मल्टीमोड नेटवर्क है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>भारत, सितंबर में भूमि क्षरण पर संयुक्त राष्ट्र की बैठकों की मेजबानी करेगा।</u>**

- भारत पहली बार मरूस्थलीकरण से निपटने हेतु संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यू.एन.सी.सी.डी.) के पार्टियों के सम्मेलन (सी.ओ.पी.-14) के 14वें सत्र की मेजबानी करेगा।
- पर्यावरण मंत्रालय ने एक प्रमुख परियोजना भी शुरू की है, जो बॉन चैलेंज नामक एक बड़ी अंतर्राष्ट्रीय पहल का हिस्सा है, जो वन भू-दृश्य बहाली (एफ.एल.आर.) के लिए भारत की क्षमता को बढ़ाता है।

संबंधित जानकारी

बॉन चैलेंज

- बॉन चैलेंज एक वैश्विक प्रयास है, जिसका उद्देश्य वर्ष 2020 तक 150 मिलियन हेक्टेयर निम्नकोटि की और कटाई भूमि की पुन: बहाली करना और वर्ष 2030 तक 350 मिलियन हेक्टेयर भूमि की पुन: बहाली करना है।

विश्व मरूस्थलीकरण एवं सूखा निपटान दिवस

- प्रत्येक वर्ष 17 जून को विश्व मरूस्थलीकरण एवं सूखा निपटान दिवस (डब्ल्यू.डी.सी.डी.) मनाया जाता है।
- यू.एन.सी.सी.डी. की स्थापना वर्ष 1994 में की गई थी और भूमि एजेंडा के लिए पर्यावरण एवं विकास मुद्दों से संबंधित यह एकमात्र कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतर्राष्ट्रीय समझौता है।
- यह संयुक्त राष्ट्र के तीन प्रमुख सम्मेलनों में से एक है, अन्य दो समझौते संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन ढांचा (UNFCCC), जैव विविधता सम्मेलन (सी.बी.डी.) हैं।
- इस वर्ष के लिए थीम "भविष्य को एक साथ बढ़ने दें" है।

मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने हेतु भारत की स्थिति

- इसरो द्वारा प्रकाशित रिपोर्टों के अनुसार ज्ञात हुआ है कि भारत की लगभग 29% भूमि (2011-13 में) निम्न कोटि की हो गई थी, यह 2003-05 से 57% की वृद्धि थी।
- सी.ओ.पी. 24 में, भारत ने वर्ष 2020 तक 13 मिलियन निम्न कोटि की और कटाई भूमि की बहाली और वर्ष 2030 तक अतिरिक्त 18 मिलियन हेक्टेयर भूमि की बहाली करने हेतु प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

नोट:

- सतत विकास लक्ष्यों (एस.डी.जी.) का 15वां लक्ष्य वनों के सतत प्रबंधन, मरूस्थलीकरण, दहन और भूमि क्षरण को रोकना, जैवविधिता हानि की बहाली करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>समुद्री प्लास्टिक अपशिष्ट से निपटने हेतु जी20 सहमत है।</u>**

- हाल ही में, आयोजित हुई जी20 मंत्रियों की बैठक में ग्रुप ऑफ 20 के पर्यावरण मंत्री वैश्विक स्तर पर समुद्री प्लास्टिक अपशिष्ट के मुद्दे से निपटने के लिए कार्रवाही हेतु नए कार्यान्वन ढांचे को अपनाने हेतु सहमत हैं।
- नए ढांचे का उद्देश्य स्वैच्छिक आधार पर समुद्री अपशिष्ट पर भविष्य में मजबूत कार्यवाही की सुविधा प्रदान करना है, इसे वर्ष 2017 में जर्मनी में आयोजित जी20 हमबर्ग शिखर सम्मेलन द्वारा "समुद्री अपशिष्ट पर जी20 कार्य योजना" को अपनाने के बाद अपनाया गया है।
- नए ढांचे के अंतर्गत, जी20 सदस्यों को विभिन्न उपायों और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से समुद्रों में प्लास्टिक अपशिष्ट के निर्वहन को रोकने और कम करने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने का काम सौंपा गया है।

- शोधकर्ताओं का अनुमान है कि 1950 के दशक की शुरुआत से 3 बिलियन टन से अधिक प्लास्टिक का उत्पादन किया गया है।
- इस प्लास्टिक का लगभग 60% हिस्सा या तो लैंडफिल या प्राकृतिक वातावरण में समाप्त हो गया है।

प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने हेतु भारत का कदम

- भारत ने वर्ष 2018 के विश्व पर्यावरण दिवस पर वर्ष 2022 तक प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने की प्रतिज्ञा ली थी।
- भारत इसे पांच चरणों को अपनाकर प्राप्त कर सकता है।
- सरकारी कार्यालयों में पुन: उपयोग करके
- जल निकायों से प्लास्टिक कचरे हेतु मछली पकड़ना
- प्लास्टिक के उपयोग पर कार्रवाई करना
- सड़क निर्माण हेतु प्लास्टिक का उपयोग करना
- बेहतर उद्देश्यों के लिए प्लास्टिक को अपसाइकल करना

प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन (संशोधन) नियम, 2018

- यह निर्माता, आयातक या ब्रांड के मालिक के पंजीकरण के लिए एक केंद्रीय पंजीकरण प्रणाली की सिफारिश करता है।
- यह दो से अधिक राज्यों में उपस्थिति के साथ उत्पादकों के लिए एक राष्ट्रीय रजिस्ट्री की भी सिफारिश करता है, एक या दो राज्यों में काम करने वाले उत्पादकों को एक राज्य-स्तरीय पंजीकरण कराना होगा।
- कैरी बैग के स्पष्ट मूल्य निर्धारण से संबंधित नियमों को हटा दिया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- टी.ओ.आई.

4. **'ऑपरेशन सनराइज 2'**

- भारत और म्यांमार ने उत्तर-पूर्व (मणिपुर, नागालैंड और असम) में सक्रिय विद्रोही समूहों के शिविरों को निशाना बनाते हुए म्यांमार सीमा के किनारे ऑपरेशन सनराइज 2 नामक संयुक्त अभियान के दूसरे चरण का शुभारंभ किया है।
- इस रणनीति का उद्देश्य उन उग्रवादी समूहों को मारना है जो भारत और म्यांमार दोनों को प्रभावित कर रहे हैं।
- इस ऑपरेशन का पहला चरण फरवरी, 2019 में शुरू किया गया था जब म्यांमार में सीमा के करीब, भारत में मिजोरम के नजदीक उत्तर और दक्षिण दोनो क्षेत्रों में कई शिविरों को नष्ट कर दिया गया था।
- भारत और म्यांमार सेना द्वारा किए गए संयुक्त अभियान के बावजूद वे विद्रोही समूह, अराकान सेना के खिलाफ भी लड़ते हैं, जो कलादान पारगमन परियोजना के लिए खतरा है।

संबंधित जानकारी

कलादान बहु-मॉडल पारगमन परिवहन परियोजना

- कलादान बहु-मॉडल पारगमन परिवहन परियोजना, एक ऐसी परियोजना है जो कोलकाता के पूर्वी भारतीय समुद्री बंदरगाह को समुद्री मार्ग द्वारा म्यांमार के राखीन राज्य में सित्तवे बंदरगाह से जोडती है।
- म्यांमार में, यह सित्तवे बंदरगाह को कलादान रीवरबोट मार्ग के माध्यम से चिन राज्य में प्लेतवा से जोड़ता है और फिर प्लेतवा को सड़क मार्ग के माध्यम से उत्तर-पूर्व भारत में मिजोरम राज्य से जोड़ता है।
- कलादान बहु-मॉडल पारगमन परिवहन परियोजना को दक्षिण पूर्व एशिया के लिए भारत के प्रवेश द्वार के रूप में देखा जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –रक्षा

स्रोत- द हिंदू

5. **जी.एस.टी. परिषद, मुनाफाखोरी निरोधक प्राधिकरण को 1 वर्ष का विस्तार प्रदान कर सकती है।**

- जी.एस.टी. परिषद द्वारा राष्ट्रीय मुनाफाखोरी निरोधक परिषद (एन.ए.ए.) के कार्यकाल का 30

नवंबर, 2020 तक विस्तार करने की संभावना है।

- इसके अतिरिक्त, परिषद अत्यधिक-उदासीन अल्कोहल पर भी जी.एस.टी. लगाने के प्रस्ताव पर चर्चा करेगी, जिसका प्रयोग मानव उपयोग हेतु अल्कोहल शराब बनाने हेतु किया जाता है।
- अत्यधिक-उदासीन शराब, गन्ने के गुड़ की एक व्युत्पन्न है और मानव उपभोग के लिए मादक शराब नहीं है लेकिन इसे व्हिस्की, जिन, देशी शराब के उत्पादन में प्रसंस्करण और पर्याप्त तनुकरण के बाद कच्चे माल या इनपुट के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

सम्बंधित जानकारी

राष्ट्रीय मुनाफाखोरी निरोधक प्राधिकरण (एन.ए.ए.)

- इसका गठन केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम, 2017 की धारा 171 के अंतर्गत किया गया है।
- इसका मुख्य कार्य यह सुनिश्चित करना है कि कर की दर में कमी या इनपुट टैक्स क्रेडिट के लाभ को प्राप्तकर्ता को कीमतों में कमी के रास्ते से पारित किया जाए।
- यह इस तरह की मुनाफाखोरी गतिविधियों की जांच और पुष्टि करने और लाइसेंस रद्द करने सहित दंडात्मक कार्रवाई की सिफारिश करने हेतु भी जिम्मेदार है।
- जी.एस.टी. के संदर्भ में, मुनाफाखोरी का अर्थ है कि व्यापारी वस्तुओं की कीमतों को कम नहीं कर रहे हैं जब कि जी.एस.टी. परिषद ने वस्तुओं और सेवाओं की कर दरों में कमी कर दी है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र

स्रोत- द हिंदू

6. **<u>विपक्ष के नेता हेतु योग्यता</u>**

- संसद के सदस्यों ने 17वीं लोकसभा के परिणाम के बाद शपथ ग्रहण की लेकिन 17वीं लोकसभा में औपचारिक रूप से मान्यता प्राप्त विपक्षी दल और विपक्ष के नेता के चयन पर अनिश्चितता बनी हुई है।
- विपक्ष के नेता की मान्यता के संबंध में संविधान में या लोकसभा नियमों में कोई प्रावधान नहीं है।

विपक्ष का नेता

- संसद के प्रत्येक सदन में 'विपक्ष का नेता' होता है।
- सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी का नेता, जिसके पास सदन की कुल सीटों की 10 प्रतिशत सीटें हों, उसे सदन में विपक्ष के नेता के रूप में मान्यता प्रदान की जाती है (लोकसभा में 55, जहां 543 सदस्य है)।
- संसद (सुविधा) अधिनियम, 1998 में निर्देश 121 (1) में विपक्षी दल के नेता हेतु 10% की शर्त शामिल की गई है।
- सरकार की संसदीय प्रणाली में विपक्ष के नेता की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।
- चयन पैनल के सदस्य के रूप में विपक्ष के नेता की सी.बी.आई. निदेशक, मुख्य सतर्कता आयुक्त (सी.वी.सी.), भ्रष्टाचार विरोधी लोकपाल, मुख्य सूचना आयुक्त और एन.एच.आर.सी. के अध्यक्ष जैसी महत्वपूर्ण नियुक्तियों को तय करने में विपक्ष के नेता की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।
- लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष के नेता को 1977 में वैधानिक मान्यता प्रदान की गई थी।
- संयुक्त राज्य अमेरिका में विपक्ष के नेता को 'अल्पसंख्यक नेता' के रूप में जाना जाता है।
- 1969 में विपक्ष के एक आधिकारिक नेता को पहली बार मान्यता प्रदान की गई थी।
- वे कैबिनेट मंत्री के समान वेतन, भत्ते और अन्य सुविधाओं के भी हकदार होते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. **<u>डी.ओ.टी. पैनल ने एयरटेल और वोडाफोन आइडिया पर जुर्माना लगाने की मंजूरी प्रदान की है।</u>**

- डिजिटल संचार आयोग ने रिलायंस जियो के इंटरकनेक्शन से इनकार करने के बाद बाजार में प्रवेश करने पर भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया पर जुर्माना लगाने की मंजूरी प्रदान की है।

संबंधित जानकारी

- सितंबर, 2018 में मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय डिजिटल संचार नीति-2018 (एन.डी.सी.पी.-2018) को मंजूरी प्रदान की थी और दूरसंचार आयोग को "डिजिटल संचार आयोग" के रूप में पुन: नामित किया था।
- नई राष्ट्रीय डिजिटल संचार नीति- 2018 को भारत के डिजिटल संचार क्षेत्र की आधुनिक आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु मौजूदा राष्ट्रीय दूरसंचार नीति-2018 के स्थान पर तैयार किया गया है।

प्रभाव:

- एन.डी.सी.पी.-2018 एक सर्वव्यापी, लचीला और किफायती डिजिटल संचार ढांचा और सेवाओं की स्थापना के द्वारा नागरिकों और उद्यमों की सूचना और संचार आवश्यकताओं को पूरा करके डिजिटल रूप से सशक्त अर्थव्यवस्था और समाज के लिए भारत के प्रयासों का समर्थन करने की कल्पना करता है।

डिजिटल संचार आयोग (पहले दूरसंचार आयोग था)

- दूरसंचार आयोग की स्थापना भारत सरकार ने 1989 में दूरसंचार के विभिन्न पहलुओं से निपटने हेतु भारत सरकार की प्रशासनिक और वित्तीय शक्तियों के साथ की थी।
- सरकार ने अक्टूबर, 2018 में 'दूरसंचार आयोग' को **'डिजिटल संचार आयोग'** के रूप में पुन: नामित किया है।
- डिजिटल संचार आयोग एक अध्यक्ष, चार पूर्णकालिक सदस्यों से मिलकर बना है, जो दूरसंचार विभाग में भारत सरकार के पदेन सचिव होते हैं।

कार्य

- सरकार की मंजूरी हेतु दूरसंचार विभाग की नीति तैयार करना
- प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए दूरसंचार विभाग हेतु बजट तैयार करना और सरकार द्वारा इसका अनुमोदन प्राप्त करना
- दूरसंचार से संबंधित सभी मामलों में सरकार की नीति का कार्यान्वयन करना

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू बिजनेस लाइन

19.06.2019

1. **<u>कोरिंगा सदाबहार वनों को विरासत स्थल का दर्जा मिलने की संभावना है।</u>**

- आंध्र प्रदेश सरकार ने काकीनाडा के निकट कोरिंगा वन्यजीव अभयारण्य में गोदावरी सदाबहार वनों के लिए यूनेस्को के विश्व विरासत स्थल का दर्जा प्राप्त करने हेतु प्रक्रिया शुरू कर दी है।
- गोदावरी सदाबहार वन, भारत का दूसरा सबसे बड़ा सदाबहार वन है।

संबंधित जानकारी

सदाबहार वन

- सदाबहार वन, झाड़ियाँ या छोटे पेड़ होते हैं जो तटीय नमकीन अथवा खारे पानी में उगते हैं।
- ये नमक सहिष्णु पेड़ होते हैं, जिन्हें लवणमदोद्भिद भी कहा जाता है और ये कठोर तटीय परिस्थितियों के लिए अनुकूलतम होते है।
- खारे पानी के विसर्जन और तरंग क्रिया से निपटने के लिए इसमें एक जटिल नमक निस्पंदन प्रणाली और जटिल जड़ प्रणाली होती है।

- वे जलयुक्त कीचड़ की निम्न ऑक्सीजन (एनोक्सिक) स्थितियों के अनुकूल होती हैं।
- वे अवायवीय मृदा परिस्थितियों में श्वसन समस्या को दूर करने हेतु न्यूमेटोफोर (अंधी जड़ों) का उत्पादन करते हैं।
- सदाबहार वन, पूरे विश्व में उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय में पाए जाते हैं, ये मुख्यत: 25° N और 25° S अक्षांशों के मध्य पाए जाते हैं।
- सदाबहार वनों में प्रजनन अर्थात बीज पेड़ में ही उग आते हैं (जमीन पर गिरने से पहले), के जरायुज प्रकार उपस्थित होता है।

भारत में सदाबहार वन

1. गोदावरी-कृष्णा
2. सुंदरबन (पश्चिम बंगाल)- **इसे विश्व का सबसे बड़ा सदाबहार वन माना जाता है।**
3. हिंद महासागर, अरब सागर, बंगाल की खाड़ी में द्वीप
4. अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह
5. गुजरात में कच्छ की खाड़ी
6. भितरकनिका सदाबहार वन
7. गोदावरी-कृष्णा सदाबहार वन
8. पिचावरम सदाबहार वन (तमिलनाडु)- **विश्व का दूसरा सबसे बड़ा सदाबहार वन है।**

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>माउंट एवरेस्ट पर विश्व का सबसे ऊंचा संचालित मौसम स्टेशन स्थापित किया गया है।</u>**

- राष्ट्रीय भौगोलिक सोसाइटी ने माउंट एवरेस्ट पर विश्व के सबसे ऊँचे संचालित मौसम स्टेशनों की सफलतापूर्वक स्थापना की घोषणा की है।
- यह शोधकर्ताओं, पर्वतारोहियों और जनता की पहाड़ की स्थिति के बारे में वास्तविक समय की जानकारी प्राप्त करने में मदद करेगा।
- यह मौसम स्टेशन तापमान, सापेक्षिक आर्द्रता, बैरोमीटर का दबाव, हवा की गति और हवा की दिशा पर डेटा भी संग्रहित करेगा।
- इन स्टेशनों के विश्लेषण से यह पता लगाने में भी मदद मिलेगी कि भारत में मानसून का प्रारूप किस प्रकार बदलेगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1 –भूगोल

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

3. **<u>नीति का नया रोड मैप: वर्ष 2030 के बाद केवल इलेक्ट्रिक वाहन बेंचे जाएंगे।</u>**

- सरकार के प्रबुद्ध मंडल नीति आयोग ने प्रस्ताव दिया है कि वर्ष 2030 के बाद केवल इलेक्ट्रिक वाहन बेंचे जाने चाहिए।
- कैबिनेट नोट, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के साथ विभिन्न मंत्रालयों के लिए जिम्मेदारी तय करते हुए वर्ष 2030 तक डीजल और पेट्रोल वाहनों की बिक्री को रोकने के लिए एक रूपरेखा तैयार करने का प्रस्ताव दिया है।
- इससे पहले, नीति आयोग के सी.ई.ओ. अमिताभ कांत की अध्यक्षता वाले एक पैनल ने सुझाव दिया था कि वर्ष 2025 से केवल 150-सी.सी. तक की इंजन क्षमता वाले इलेक्ट्रिक-पॉवर तीन पहिया और दोपहिया वाहनों की बिक्री की जानी चाहिए।
- यह प्रस्ताव, वर्ष 2030 तक 50 गीगावाट घंटे (GWh) बैटरी तैयार करने की योजना का हिस्सा हैं।

संबंधित जानकारी

- हाल ही में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने "भारत चरण II में इलेक्ट्रिक वाहनों के विनिर्माण और तीव्र अनुकूलन (FAME इंडिया चरण II) के कार्यान्वन हेतु प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है।
- इस योजना को तीन वर्षों की अवधि के लिए लागू किया गया है, यह 1 अप्रैल, 2019 से प्रभावी है।
- FAME II, वर्ष 2015 में लॉन्च किए गए FAME I का एक विस्तारित संस्करण है, जिसका

उद्देश्य हाइब्रिड/ इलेक्ट्रिक वाहनों के बाजार के विकास और विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र का समर्थन करना है।

- FAME योजना, भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय के अधीन है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- इकोनॉमिक टाइम्स

4. **<u>AWaRe: प्रतिरोध को नियंत्रित करने हेतु एंटीबायोटिक दवाओं के सुरक्षित उपयोग हेतु एक उपकरण है।</u>**

- डब्ल्यू.एच.ओ. ने एक वैश्विक अभियान शुरू किया है जो देशों से "AWaRe" नामक इसके नए ऑनलाइन उपकरण को अपनाने का आग्रह करता है।
- इस उपकरण का उद्देश्य एंटीबॉयोटिक के सुरक्षित और अधिक प्रभावी उपयोग हेतु नीति निर्माताओं और स्वास्थ्य कर्मचारियों को निर्देशित करना है।
- इसका अन्य उद्देश्य उन दवाओं को सीमित करना है जो प्रतिरोध के जोखिम पर हैं।
- **<u>AWaRe</u>**, नामक उपकरण एंटीबायोटिक को तीन समूहों में वर्गीकृत करता है:

1. एक्सेस- इन एंटीबायोटिक्स का उपयोग सबसे सामान्य और गंभीर संक्रमण का इलाज करने के लिए किया जाता है
2. वॉच- स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में हर समय उपलब्ध एंटीबायोटिक हैं।
3. रिज़र्व- वे एंटीबायोटिक जिन्हें संयमपूर्वक या संरक्षित ढंग से प्रयोग किया जाता है और केवल अंतिम उपाय के रूप में उपयोग किया जाता है।

- अभियान का उद्देश्य एक्सेस समूह के अंतर्गत एंटीबायोटिक दवाओं के उपयोग में 60 प्रतिशत की वृद्धि करना, 'सस्ती- संकीर्ण-स्पेक्ट्रम' दवाओं (जो कई के बजाय एक विशिष्ट सूक्ष्मजीव को लक्षित करता है) को प्राप्त करना और प्रतिरोध के जोखिम को कम करना है।
- यह वॉच और रिजर्व समूहों से प्रतिरोध के जोखिम पर एंटीबायोटिक दवाओं के उपयोग को भी कम करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –स्वास्थ्य मुद्दे

स्रोत-डाउन टू अर्थ

5. **<u>भारत, वैश्विक मछली उत्पादन के 6.3% हेतु जिम्मेदार है।</u>**

- मत्स्य विभाग के अनुसार, भारत विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक देश है क्यों कि यह वैश्विक मछली उत्पादन में 6.3 प्रतिशत का योगदान देता है।
- देश में मत्स्य पालन क्षेत्र 7 प्रतिशत की दर से प्रगति कर रहा है, जिसमें 14.5 मिलियन मछुआरे हैं।
- भारतीय विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (ई.ई.जेड.) में टूना और टूना जैसी प्रजातियों के दोहन की बहुत अधिक संभावना है।
- भारतीय ई.ई.जेड. का 30 प्रतिशत भाग अंडमान, निकोबार और लक्षद्वीप द्वीप समूह में फैला हुआ है लेकिन केवल 1 प्रतिशत में टूना मछली का उत्पादन शामिल है।

हिंद महासागर टूना आयोग (आई.ओ.टी.सी.)

- यह एक अंतरसरकारी संगठन है जो हिंद महासागर में टूना के विनियमन और प्रबंधन का समन्वय करता है।
- एक बहुपक्षीय संधि है, हिंद महासागर टूना आयोग की स्थापना हेतु समझौते को संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन परिषद ने नवंबर, 1993 में मंजूरी प्रदान की थी।
- इस समझौते को 27 मार्च, 1996 को लागू किया गया था, इसके बाद इसे दसवीं पार्टी द्वारा स्वीकार किया गया था।
- यह समझौता किसी भी राज्य के लिए खुला है, जिसकी हिंद महासागर क्षेत्र (या निकटवर्ती समुद्र) में तटीय सीमा हो या कोई भी राज्य जो

हिंद महासागर क्षेत्र में टूना के लिए मत्स्य पालन करता है।

- यह समझौता क्षेत्रीय आर्थिक संगठनों के लिए भी खुला है।
- आई.ओ.टी.सी., भारत-प्रशांत टूना विकास एवं प्रबंधन कार्यक्रम का उत्तराधिकारी है, जिसे 1982 में स्थापित किया गया था।
- आई.ओ.टी.सी. के 31 सदस्य हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

6. **<u>ओम बिरला को सर्वसम्मति से 17वीं लोकसभा का अध्यक्ष चुना गया है।</u>**

संबंधित जानकारी

लोकसभा अध्यक्ष

- अध्यक्ष का चुनाव लोकसभा द्वारा उसके सदस्यों में से किया जाता है (इसकी पहली बैठक के बाद जितनी जल्दी हो सके)।
- अध्यक्ष के चुनाव की तिथि राष्ट्रपति द्वारा निर्धारित की जाती है।

भूमिका, शक्तियां और कार्य

- अध्यक्ष, लोकसभा का प्रमुख और प्रतिनिधि होता है।
- वह सदन के एक समग्र और उसकी समितियों के रूप में सदस्यों की शक्तियों और विशेषाधिकारों का संरक्षक होता है।
- लोकसभा अध्यक्ष अपनी शक्तियों और कर्तव्यों को तीन स्रोतों से प्राप्त करता है, जो भारत का संविधान, लोकसभा के व्यापार की प्रक्रिया और आचरण के नियम और संसदीय सम्मेलन (अवशिष्ट शक्तियाँ जो नियमों में अलिखित या अनिर्दिष्ट हैं)।
- वह संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक की अध्यक्षता करता है जब एक विधेयक पर दोनों सदनों के मध्य गतिरोध को निपटाने के लिए राष्ट्रपति द्वारा बैठक बुलाई जाती है।
- वह निर्धारित करता है कि कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं है और इस प्रश्न पर उसका निर्णय अंतिम होता है।
- वह दसवीं अनुसूची के प्रावधानों के अंतर्गत उल्लंघन के आधार पर लोकसभा के सदस्य की अयोग्यता पर उठने वाले सवालों का फैसला करता है।
- 1992 में, सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला दिया था कि इस संबंध में अध्यक्ष का निर्णय न्यायिक समीक्षा के अधीन है।
- वह भारतीय संसदीय समूह के पदेन अध्यक्ष के रूप में कार्य करता है जो भारत की संसद और विश्व की विभिन्न संसदों के मध्य एक कड़ी के रूप में कार्य करता है।
- वह देश में विधायी निकायों के पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन में पदेन अध्यक्ष के रूप में भी कार्य करता है।
- वह लोकसभा की सभी संसदीय समितियों के अध्यक्षों की नियुक्ति करता है और उनके कार्यों का पर्यवेक्षण करता है।
- वह व्यापार सलाहकार समिति, नियम समिति और सामान्य प्रयोजन समिति का अध्यक्ष होता है।
- उनका वेतन और भत्ते संसद द्वारा निर्धारित किए जाते हैं और भारत के समेकित कोष पर प्रभारित किए जाते हैं और इस प्रकार वे संसद के वार्षिक मत के अधीन नहीं होते हैं।
- उन्हें भारत के मुख्य न्यायाधीश के साथ सातवें स्थान पर रखा गया है, जिसका अर्थ है कि उनके पास प्रधानमंत्री या उप प्रधानमंत्री को छोड़कर सभी कैबिनेट मंत्रियों की तुलना में एक उच्च पद है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- ए.आई.आर.

7. **<u>वर्ष 2024 तक प्रत्येक ग्रामीण घर में पाइप का पानी उपलब्ध होगा।</u>**

- सरकार ने अगले पांच वर्षों अर्थात वर्ष 2024 तक गांवों में प्रत्येक घर के लिए "नल से जल" (नल से पानी) को सुनिश्चित करने हेतु एक नया मिशन शुरू करने की घोषणा की है।
- जल जीवन मिशन के अंतर्गत आवश्यक्ताओं को पूरा करने हेतु भूतल और सतह दोनो के पानी का उपयोग किया जाएगा।
- सतह और भूतल स्रोतों दोनों के जल स्रोतों की गुणवत्ता शायद ही पीने के अनुकूल है।
- नीति आयोग के अनुसार, देश के ताजे पानी के स्रोतों का लगभग 70 प्रतिशत दूषित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

8. **<u>लिब्रा, फेसबुक की क्रिप्टो मुद्रा है।</u>**

- फेसबुक ने लिब्रा नामक एक क्रिप्टो मुद्रा लॉन्च करने का निर्णय किया है।
- इस मुद्रा को बिटक्वाइन के समान एक अव्यवहार्य संपत्ति नहीं बनाया गया है लेकिन डिजिटल धन के एक रूप का परिसंपत्तियों के आरक्षण द्वारा समर्थन किया जा रहा है।

संबंधित जानकारी

- मार्शल आइलैंड्स ने "सॉवरेन" (एस.ओ.वी.) नामक एक क्रिप्टो मुद्रा लॉन्च करने का भी फैसला किया है, जिसे कानूनी निविदा के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।
- वर्ष 2018 में, वेनेजुएला ने पेट्रो को लॉन्च किया था, जिससे यह आधिकारिक रूप से अपनी खुद की क्रिप्टो मुद्रा लॉन्च करने वाला पहला देश बन गया था।

क्रिप्टो मुद्रा

- क्रिप्टो मुद्रा, एक गुप्त विकेन्द्रीकृत डिजिटल मुद्रा है जो सहकर्मियों के बीच स्थानांतरित की जाती है और खनन नामक प्रक्रिया के माध्यम से सार्वजनिक बहीखाता में इसकी पुष्टि की जाती है।
- कुछ महत्वपूर्ण क्रिप्टो मुद्राएं बिटक्वाइन, लाइटक्वॉइन, नेमक्वॉइन, स्विफ्टक्वॉइन, बाइटक्वॉइन, ग्रिडक्वॉइन हैं।
- क्रिप्टो मुद्रा, भारत में एक कानूनी निविदा नहीं है।
- हाल ही के अध्ययनों के अनुसार यह पाया गया है कि एक लोकप्रिय वर्चुअल मुद्रा, बिटक्वॉइन का उपयोग सालाना 22 मेगाटन से अधिक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन करता है।
- बिटक्वॉइन नेटवर्क में हार्डवेयर की खपत लगभग 46 TWh (टेरा वाट) है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र

स्रोत- द हिंदू

9. **<u>सेबी ने वस्तु सूचकांकों पर भावी सौदों की अनुमति प्रदान की है।</u>**

- सेबी ने वस्तु सूचकांकों पर भावी सौदा अनुबंध शुरू करने हेतु वस्तु व्युतपन्न खंडों के विनिमय की अनुमति प्रदान की है।

संबंधित जानकारी

भावी सौदा अनुबंध

- यह एक मानकीकृत अग्रिम अनुबंध है, जो एक दूसरे को ज्ञात नहीं होने वाली पार्टियों के मध्य भविष्य में एक निर्धारित समय पर पूर्व निर्धारित मूल्य पर कुछ खरीदने या बेचने हेतु कानूनी समझौता है।
- हस्तांतरित संपत्ति सामान्यत: एक वस्तु या वित्तीय साधन है।
- पूर्व निर्धारित कीमत, जिस पर पार्टियां उस परिसंपत्ति को खरीदने और बेचने के लिए सहमत होती हैं उसे अग्रिम मूल्य कहते हैं। भविष्य में निर्दिष्ट समय जो तब होता है जब वितरण और भुगतान होता है, उसे वितरण तिथि के रूप में जाना जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थशास्त्र

स्रोत- द हिंदू

20.06.2019

1. **<u>भारत, आरई.सी.ए.ए.पी. के साथ समुद्री डकैती से संबंधित मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला की मेजबानी करेगा।</u>**

- भारतीय तटरक्षक बल (आई.सी.जी.), एशिया में जहाजों पर होने वाली समुद्री डकैती एवं सशस्त्र डकैती पर क्षेत्रीय सहयोग समझौते के सहयोग से सूचना साझाकरण केंद्र (आई.एस.सी.) के साथ एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला की सह-मेजबानी करेगा।
- इस कार्यशाला का उद्देश्य समुद्री डकैती और सशस्त्र डकैती से संबंधित मुद्दों पर ज्ञान को गहन बनाना है।

संबंधित जानकारी

आरई.सी.ए.ए.पी.

- यह एशिया में समुद्रों में समुद्री डकैती और सशस्त्र डकैती से निपटने हेतु पहला क्षेत्रीय सरकार-से-सरकार का समझौता है।
- वर्तमान में, आरई.सी.ए.ए.पी. के 20 देश सदस्य हैं।
- सूचना साझाकरण, क्षमता निर्माण और पारस्परिक कानूनी सहायता आरई.सी.ए.ए.पी. समझौते के अंतर्गत सहकारिता के तीन स्तंभ हैं।
- अनुबंध करने वाले दलों और समुद्री समुदाय के मध्य सूचना का प्रचार और प्रसार करने हेतु सिंगापुर में एक आई.एस.सी. की स्थापना की गई है।
- भारत ने जापान और सिंगापुर के साथ आरई.सी.ए.ए.पी.आई.एस.सी. की स्थापना और कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाई है।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 3- रक्षा

स्रोत- टी.ओ.आई.

2. **<u>यू.पी. स्थलों को 'राष्ट्रीय महत्व' का दर्जा मिलने की उम्मीद है।</u>**

- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ए.एस.आई.) ने सादिकपुर सिनौली में स्थलों को राष्ट्रीय महत्व का दर्जा प्रदान करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।
- यह हड़प्पा युग के अंत का सबसे बड़ा कब्रिस्तान है।
- पहले यह सोचा जाता था कि हड़प्पा युग के दौरान कोई योद्धा वर्ग समूह नहीं था लेकिन इस स्थल की खुदाई के बाद ए.एस.आई. को रथ, तलवार और अन्य वस्तुएं मिली थी, जो उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में लगभग 4,000 वर्ष पहले के एक योद्धा वर्ग की उपस्थिति की ओर इशारा करते हुए है।

उत्तर प्रदेश में अन्य महत्वपूर्ण हड़प्पा स्थल

- बागपत जिले में सनौली है, जो 125 शवों के साथ दफन स्थल के लिए प्रसिद्ध है।
- बराउत बागपत जिले के पास सोथी
- मंडी मुजफ्फरनगर जिला
- बारागांव सहारनपुर जिला

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1- कला एवं संस्कृति

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>मथुरा में हाथियों के लिए पहला जल क्लीनिक खोला गया है।</u>**

- भारत ने मथुरा में वन्यजीव एस.ओ.एस. के हाथी संरक्षण एवं देखभाल केंद्र (ई.सी.सी.सी.) के निकट गठिया, जोड़ों के दर्द और पैर की बीमारियों से पीड़ित हाथियों के लिए अपना पहला विशेष जलचिकित्सा उपचार क्लीनिक खोला है।

संबंधित जानकारी

हाथी संरक्षण एवं देखभाल केंद्र (ई.सी.सी.सी.)

- इसे उत्तर प्रदेश वन विभाग के सहयोग से वन्यजीव एस.ओ.एस. द्वारा स्थापित किया गया था।
- यह वर्तमान में कई बचाए गए हाथियों को रहने का स्थान प्रदान करता है, जिन्हें सर्कस और क्रूर मालिकों से बचाया गया था जो इन हाथियों को अवैध रूप से अपने कब्जे में रखे थे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

4. **<u>बाहुबली सिंचाई योजना कालेश्वरम लागू होने हेतु तैयार है।</u>**

- कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना, तेलंगाना के कालेश्वरम में गोदावरी नदी पर एक बहुउद्देशीय सिंचाई परियोजना है।
- इस परियोजना को पहले प्राणहिता-चेवेल्ला लिफ्ट सिंचाई परियोजना के रूप में जाना जाता था।

संबंधित जानकारी

कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना

- यह परियोजना प्राणहिता नदी और गोदावरी नदी के संगम बिंदु पर अर्थात तेलंगाना के कलेश्वरम गांव में है।
- यह विश्व में लिफ्ट सिंचाई परियोजनाओं के बाहुबली के रूप में बताया गया है।
- प्राणहिता नदी स्वयं में वर्धा, पैंगंगा और वैनगंगा नदियों जैसी कई अन्य छोटी सहायक नदियों का संगम है।

लिफ्ट सिंचाई

- यह सिंचाई की एक विधि है जिसमें प्राकृतिक प्रवाह (जैसे कि गुरुत्वाकर्षण-आधारित नहर प्रणाली) द्वारा ले जाने के बजाय ईंधन आधारित अथवा विद्युत ऊर्जा का प्रयोग करने वाले पंप अथवा अन्य यांत्रिक साधनों के माध्यम से पानी को स्थानांतरित करने हेतु बाहरी ऊर्जा की आवश्यक्ता होती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1- भूगोल

स्रोत- द हिंदू बिजनेस लाइन

5. **<u>एशिया-प्रशांत क्षेत्र के 45 देशों में बांग्लादेश सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है</u>**

- एशियाई विकास बैंक (ए.डी.बी.) के अनुसार बांग्लादेश, एशिया-प्रशांत क्षेत्र के 45 देशों में सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है।
- वित्तीय वर्ष 2018-19 में बांग्लादेश ने 9% की वृद्धि दर प्राप्त की है जो कि 1974 के बाद से अब तक की सबसे तेज विकास दर है।
- बैंक ने भविष्यवाणी की है कि अगले वित्त वर्ष में विकास दर 8% होगी।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 3- अर्थव्यवस्था

स्रोत- ए.आई.आर.

6. **<u>वित्तीय स्थिरता एवं विकास परिषद की 20वीं बैठक</u>**

- वित्तीय स्थिरता एवं विकास परिषद (एफ.एस.डी.सी.) की 20वीं बैठक केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों के मंत्री की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी।

संबंधित जानकारी

एफ.एस.डी.सी.

- यह वित्तीय क्षेत्र को विनियमित करने हेतु एक सर्वश्रेष्ठ विनियामक निकाय है जो देश की अर्थव्यवस्था में स्वस्थ एवं कुशल वित्तीय प्रणाली लाने हेतु महत्वपूर्ण है, इसे 2010 में स्थापित किया गया था।
- इसका आदेश अर्थव्यवस्था की वृहद-विवेकपूर्ण विनियमन की निगरानी के साथ-साथ वित्तीय स्थिरता, वित्तीय क्षेत्र के विकास और अंतर-विनियमन, समन्वय को बनाए रखने हेतु तंत्र को मजबूत और संस्थागत बनाना है।
- केंद्रीय वित्त मंत्री एफ.एस.डी.एस. के अध्यक्ष हैं।
- इसके सदस्य वित्तीय क्षेत्र विनियामक प्राधिकरणों (अर्थात आर.बी.आई., सेबी, इरडा, पी.एफ.आर.डी.ए.) के प्रमुख, वित्त सचिव और सचिव, आर्थिक मामलों का विभाग, सचिव, वित्तीय सेवा विभाग और मुख्य आर्थिक सलाहकार हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

7. **<u>ई.ए.सी.-पी.एम. ने भारत की जी.डी.पी. आकलन पद्धति की मजबूती पर एक विस्तृत विश्लेषण जारी किया है।</u>**

- आर्थिक सलाहकार परिषद ने प्रधानमंत्री को "भारत में जी.डी.पी. आकलन- परिप्रेक्ष्य और

तथ्य" नामक एक विस्तृत नोट शीर्षक जारी किया है।

- यह नोट जनवरी, 2015 में भारत की बेहतर जी.डी.पी. आकलन पद्धति में बदलाव करने हेतु एक स्पष्ट तर्क प्रदान करता है।
- आधार वर्ष के रूप में 2011-12 का उपयोग करने वाली नई पद्धति में दो प्रमुख सुधार शामिल हैं,

1. एम.सी.ए.21 डेटाबेस का समावेशन और
2. राष्ट्रीय लेखा प्रणाली (एस.एन.ए.), 2008 की सिफारिशों का समावेशन

संबंधित जानकारी

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद

- यह एक गैर-संवैधानिक और गैर-वैधानिक, गैर-स्थायी और स्वतंत्र निकाय है।
- इसका प्रधान और एकमात्र उद्देश्य सभी महत्वपूर्ण मुद्दों का विश्लेषण करना है, चाहे वे आर्थिक हों अथवा अन्य हों, इन्हें प्रधानमंत्री द्वारा समिति को संदर्भित किया जाता है और उन मुद्दों पर सलाह प्रदान करता है।
- यह प्रधानमंत्री को मुद्रास्फीति, माइक्रोफाइनेंस, निर्यात-आयात परिवर्तन, जी.डी.पी. परिवर्तन और औद्योगिक उत्पादन जैसे आर्थिक मुद्दों पर सलाह देता है।
- **बिबेक देबरॉय**, वर्तमान ई.ए.सी. के वर्तमान अध्यक्ष हैं।

कार्य

- यह व्यापक आर्थिक विकास और उससे संबंधित मुद्दों पर प्रधानमंत्री को आवधिक रिपोर्ट सौंपता है जिनमें आर्थिक नीति निहितार्थ है।
- प्रधानमंत्री द्वारा सौंपे गए किसी भी विषय, मुद्दों का विश्लेषण करना और उन्हें सलाह देना।
- अधिक महत्व रखने वाले व्यापक आर्थिक मुद्दों का विश्लेषण करना और प्रधानमंत्री के समक्ष दृष्टिकोणों को प्रस्तुत करना और प्रधानमंत्री द्वारा सौंपा गया किसी अन्य कार्य का विश्लेषण करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

8. **<u>कोयले से कैंसर कोशिकाओं का पता लगाने वाले 'डॉट्स' विकसित किए गए हैं।</u>**

- असम में वैज्ञानिकों की एक टीम ने एक रासायनिक प्रक्रिया विकसित की है जो कैंसर कोशिकाओं का पता लगाने में मदद करने हेतु गंदे कोयले को एक जैवचिकित्सा "डॉट" में बदल देती है।
- इसने सस्ते, प्रचुर, निम्न-गुणवत्ता और उच्च-सल्फर कोयले से कार्बन क्वांटम डॉट्स (सी.क्यू.डी.) का उत्पादन करने की रासायनिक विधि बनाने के लिए एक पेटेंट हेतु आवेदन किया है।

संबंधित जानकारी

कार्बन क्वांटम डॉट्स

- सी.क्यू.डी., कार्बन-आधारित नैनो सामग्रियां हैं जिनका आकार 10 एन.एम. या नैनोमीटर से कम है।
- "कार्बन-आधारित नैनो सामग्रियों का उपयोग बायो-इमेजिंग के लिए नैदानिक उपकरणों के रूप में किया जाता है, विशेष रूप से कैंसर कोशिकाओं का पता लगाने हेतु रासायनिक संवेदन और ऑप्टो-इलेक्ट्रॉनिक्स में इसका प्रयोगकिया जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

21.06.2019

1. **<u>विश्व शरणार्थी दिवस: 20 जून</u>**

- दुनिया भर के लाखों शरणार्थियों और आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों की ओर जनता का ध्यान आकर्षित करने में मदद करने हेतु प्रत्येक

वर्ष 20 जून को विश्व शरणार्थी दिवस मनाया जाता है।

संबंधित जानकारी

संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी सम्मेलन

- यह सम्मेलन, शरणार्थियों की स्थिति से संबंधित है, इसे 1951 शरणार्थी सम्मेलन के रूप में भी जाना जाता है, यह एक संयुक्त राष्ट्र बहुपक्षीय संधि है जो परिभाषित करती है कि शरणार्थी कौन है और शरण लेने वाले व्यक्तियों के अधिकारों और शरण पाने वाले राष्ट्रों के उत्तरदायित्वों को निर्धारित करता है।
- भारत, शरणार्थी सम्मेलन का पक्षकार नहीं है।
- **1951 सम्मेलन की आधारशिला, गैर-शोधन का सिद्धांत है।**
- शरणार्थी सम्मेलन, मानवाधिकार की सार्वभौमिक घोषणा 1948 के अनुच्छेद 14 पर निर्मित है, जो अन्य देशों में उत्पीड़न से बचने हेतु शरण लेने के लिए व्यक्तियों के अधिकार को मान्यता प्रदान करता है। शरणार्थी, सम्मेलन में उनके लिए प्रदान किए गए अधिकारों और लाभों के अतिरिक्त राज्य में भी अधिकारों और लाभों का आनंद ले सकता है।
- आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्ति (आई.डी.पी.) ऐसे लोग हैं जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय सीमा पार नहीं की है बल्कि अपने देश के भीतर एक स्थान से अलग किसी क्षेत्र में चले गए हैं, जिसे वे अपना निवास मानते थे।
- शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त की स्थापना 1950 में की गई थी, इसकी स्थापना शरणार्थियों की रक्षा करने और पूरे विश्व में शरणार्थियों की समस्याओं का समाधान करने हेतु अंतर्राष्ट्रीय कार्यों का नेतृत्व और समन्वय करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- महत्वपूर्ण सम्मेलन

स्रोत- टी.ओ.आई.

2. **<u>भारतीय वैज्ञानिकों ने अधिक शक्तिशाली एंथ्रैक्स वैक्सीन विकसित की है।</u>**

- भारतीय वैज्ञानिकों के एक समूह ने एंथ्रैक्स के खिलाफ एक नया टीका (वैक्सीन) विकसित किया है।
- यह दावा किया गया है कि यह मौजूदा टीकों से बेहतर है क्यों कि यह एंथ्रैक्स विष के खिलाफ प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया का उत्पादन करने के साथ-साथ यह अकेले विष के बजाय इसका बीजाणु है।

संबंधित जानकारी

एंथ्रैक्स

- यह जीवाणु बैसिलस एन्थ्रासिस के कारण होने वाली एक घातक मानव बीमारी है जो घोड़ों, भेड़ों, मवेशियों और बकरियों जैसे जानवरों को भी संक्रमित करती है।
- मनुष्य, सुअर और कुत्ते इस बीमारी के प्रति अपेक्षाकृत रूप से कम अतिसंवेदनशील होते हैं और यह केवल बीजाणुओं की प्रचुर मात्रा के संपर्क में आने पर ही संक्रमित होते हैं।
- वर्ष 2001 में, इन बीजाणुओं का जैव आतंकवाद के एजेंट के रूप में इस्तेमाल किया गया था, जब एंथ्रेक्स बीजाणु से संक्रमित पत्रों को अमेरिका में कुछ लोगों को भेजा गया तो इसका व्यापक रूप से संक्रमण हुआ था।
- एंथ्रैक्स पैदा करने वाले जीवाणु के बीजाणु मिट्टी में मौजूद होते हैं और वर्षों तक गुप्त रूप में रह सकते हैं।
- हालांकि, अनुकूल पर्यावरणीय परिस्थितियों के अंतर्गत वे सक्रिय हो जाते हैं और संक्रमण फैलाने लगते हैं। प्राय: जानवर चराई करते समय बीजाणुओं को ग्रहण करते हैं जिसके बाद उनके शरीर में अंकुरण होता है और विषाक्त पदार्थों का उत्पादन होता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

3. **<u>एम.एस.एम.ई. पर आर.बी.आई. पैनल ने मुद्रा के अंतर्गत 20 लाख रुपये के संपार्श्विक-मुक्त ऋण का सुझाव दिया है।</u>**

- एम.एस.एम.ई. पर आर.बी.आई. विशेषज्ञ समिति ने संपार्श्विक-मुक्त ऋण पर पूंजी को मौजूदा 10 लाख रूपए से बढ़ाकर 20 लाख करके दोगुना करने की सिफारिश की है।
- यह मुद्रा योजना, स्वयं सहायता समूहों के अंतर्गत आने वाले उधारकर्ताओं के लिए बढ़ाया जाएगा और एम.एस.एम.ई. ने कहा कि एक व्यक्ति, विकास के लिए निजता है।
- यदि केंद्रीय बैंक, सिफारिशों को मंजूरी देता है तो बैंकिंग विनियामक को 1 जुलाई, 2010 के अपने उस परिपत्र में संशोधन करना होगा, जो परिपत्र संपार्श्विक-मुक्त ऋण के लिए अधिकतम 10 लाख रुपये निर्धारित करता है।
- यह प्रस्ताव आठ सदस्यीय आर.बी.आई. समिति द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट का हिस्सा है, जिसे एम.एस.एम.ई. क्षेत्र के लिए वर्तमान ढांचे की समीक्षा करने हेतु बनाया गया है।
- इस पैनल की अध्यक्षता, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड के अध्यक्ष यू. के. सिन्हा द्वारा की गई है।
- इस समिति ने एम.एस.एम.ई. की आर्थिक और वित्तीय स्थिरता के लिए विभिन्न दीर्घकालिक समाधान सुझाए हैं।
- इस रिपोर्ट में तनावग्रस्त ऋणों की पुन: संरचना की मुख्यधारा का भी उल्लेख किया गया है।

संबंधित जानकारी

एम.एस.एम.ई. की परिभाषा (2006 के अनुसार)

1. **विनिर्माण इकाइयाँ**

- 25 लाख रूपए से कम के निवेश को सूक्ष्म, 25 लाख से 5 करोड़ रूपए तक के निवेश को लघु और 5 करोड़ रूपए से 10 करोड़ रूपए तक के ऋण को मध्यम की श्रेणी में रखा गया है।

1. **सेवा इकाइयाँ**

- 10 लाख रूपए तक के निवेश को सूक्ष्म, 10 लाख रूपए से 2 करोड़ रूपए तक के निवेश को लघु और 2 करोड़ रूपए से 5 करोड़ रूपए तक के निवेश को मध्यम उद्दम कहते हैं।

एम.एस.एम.ई. की नई परिभाषा

- हालांकि, एक नए मसौदे के अंतर्गत परिवर्तन प्रस्तावित किया गया है, इसे मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित किया गया है लेकिन अभी स्वीकृति प्रदान नहीं की गई है।
- यह निवेश के आकार के बजाय वार्षिक टर्नओवर है, ऐसी इकाइयों के लिए मानदंड होने चाहिए।
- मसौदे के अंतर्गत, विनिर्माण और सेवा इकाईयों के मध्य कोई अंतर नहीं होगा।
- सूक्ष्म श्रेणी के अंतर्गत 5 करोड़ रूपए तक का टर्नओवर, लघु श्रेणी के लिए 75 करोड़ तक का टर्नओवर और मध्यम श्रेणी के लिए 250 करोड़ रूपए तक का टर्नओवर निर्धारित किया गया है।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पी.एम.एम.वाई.)

- इसे अप्रैल, 2015 में लॉन्च किया गया था।
- इसके अंतर्गत गैर-कॉर्पोरेट, गैर-कृषि लघु और सूक्ष्म-उद्यमों को ऋण प्रदान किए जाएंगे।
- एस.सी., एस.टी. उद्दमों को ऋण की प्राथमिकता प्रदान की जाएगी।
- ये ऋण, बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों द्वारा कार्यशील पूंजी के रूप में प्रदान किए जाते हैं और विनिर्माण, व्यापार और सेवाओं में व्यावसायिक उद्यमों और कृषि गतिविधियों के लिए टर्म ऋण प्रदान किए जाते हैं।

मुद्रा

- मुद्रा का पूरा नाम सूक्ष्म-इकाई विकास एवं पुनर्वित्त संस्था है।

मुद्रा बैंक

- मुद्रा बैंक को संवैधानिक निकाय के रूप में स्थापित किया जाएगा।
- यह उन सभी एम.एफ.आई. को विनियमित और पुनर्वित्त करेगा, जो लघु विनिर्माण, व्यापार या

सेवाओं में व्यस्त एम.एस.एम.ई. को उधार देते हैं।

- यह दूरस्थ निवेशकों को आसान वित्त प्रदान करने के लिए सभी राज्य/ क्षेत्रीय स्तर के समन्वयकों को भागीदार बनाएगा।
- तीन खंडों को संबोधित करने हेतु मुद्रा बैंक ने तीन ऋण उपकरण लॉन्च किए हैं:

1. शिशु: इसमें 50,000 रूपए तक के ऋण शामिल हैं।
2. किशोर: इसमें 50,000 से 5 लाख रूपए तक के ऋण शामिल हैं।
3. तरुण: इसमें 5 लाख रूपए से 10 लाख रूपए तक के ऋण शामिल हैं।

- यह छोटे उद्यमियों को कम दरों पर ऋण प्रदान करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- अर्थव्यवस्था

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

4. **<u>पोलावरम परियोजना, वर्ष 2021 में पूरी हो जाएगी।</u>**

- आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा है कि पोलावरम बहुउद्देशीय परियोजना जून, 2021 तक पूरी हो जाएगी और इसके अनुमानित वर्ष 2020 तक पूरे की आशा नहीं है।

संबंधित जानकारी

पोलावरम परियोजना

- पोलावरम परियोजना, आंध्र प्रदेश में पूर्वी गोदावरी जिले और पश्चिम गोदावरी जिले में गोदावरी नदी पर निर्माणाधीन बहु-उद्देश्यीय राष्ट्रीय परियोजना है।
- इस परियोजना को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय परियोजना का दर्जा प्रदान किया गया है।

भारतीय राष्ट्रीय परियोजना

- भारत सरकार ने XI योजना (2007-2012) के दौरान लागू होने वाली राष्ट्रीय परियोजनाओं की एक योजना को मंजूरी प्रदान की है।
- इसका उद्देश्य लोगों के लाभ के लिए पहचान की गई राष्ट्रीय परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करना है।
- इन परियोजनाओं को केंद्रीय अनुदान के रूप में भारत सरकार द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी जो ऐसी परियोजनाओं की अनुमानित लागत का 90 प्रतिशत है, इन योजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने हेतु सहायता प्रदान की जाती है।

राष्ट्रीय परियोजनाओं के चयन हेतु मानदंड

1. अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाएँ जहाँ एक संधि के द्वारा भारत में जल का उपयोग करना आवश्यक है अथवा जहाँ देश के हित हेतु परियोजना की योजना और जल्दी पूरा होना आवश्यक है।
2. अंतर-राज्यीय परियोजनाओं को आकर्षित करता है, जो लागत का साझाकरण, पुनर्वास, बिजली उत्पादन के पहलुओं आदि से संबंधित अंतर-राज्यीय मुद्दों के गैर-समाधान के कारण है, इसमें नदी इंटरलिंक परियोजनाएँ शामिल हैं।
3. 2, 00,000 हेक्टेयर (हेक्टेयर) से अधिक की अतिरिक्त क्षमता वाली अंतर-राज्यीय परियोजनाएं और जल के बंटवारे को लेकर कोई विवाद नहीं है और जहाँ जल विज्ञान स्थापित है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- ढांचा

स्रोत- द हिंदू

5. **<u>जलवायु परिवर्तन छोटे द्वीप राज्यों को एस.डी.जी. प्राप्त करने से विचलित कर सकता है: संयुक्त राष्ट्र</u>**

- विश्व जनसंख्या परिप्रेक्ष्यों पर संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट 2019 के अनुसार बढ़ती आबादी और जलवायु परिवर्तन के जोखिमों के कारण वर्ष 2030 तक कई छोटे द्वीप विकासशील राज्य (एस.आई.डी.), कई सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में विफल हो सकते हैं।

संबंधित जानकारी

छोटे द्वीप विकासशील राज्य (एस.आई.डी.एस.)

- एस.आई.डी.एस., छोटे द्वीप देशों का एक समूह है जो समान सतत विकास लक्ष्यों को साझा करने की प्रवृत्ति रखता है जिसमें छोटी लेकिन बढ़ती हुई जनसंख्या, सीमति संसाधन, दूरस्थता, प्राकृतिक आपदाओं के लिए संवेदनशीलता, बाहरी झटकों के प्रति संवेदनशीलता, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर अत्यधिक निर्भरता और कमजोर वातावरण शामिल हैं।
- इनमें कोमोरोस, गिनी-बिसाऊ, साओ टोम और प्रिंसिप, सोलोमन द्वीप और वानुआतु शामिल हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- डाउन टू अर्थ

6. **<u>एस.ई.सी.आई., एन.टी.पी.सी. द्वारा कार्यान्वित सौर, पवन परियोजनाओं के लिए विवाद समाधान पैनल स्थापित किया जाएगा।</u>**

- नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एम.एन.आर.ई.) ने सौर या पवन ऊर्जा उत्पादकों और भारतीय सौर ऊर्जा निगम (एस.ई.सी.आई.) अथवा राज्य संचालित ऊर्जा निकाय एन.टी.पी.सी. के मध्य अनुबंध संबंधी समझौतों से परे विवादों की जांच करने हेतु एक तीन सदस्यीय विवाद समाधान समिति (डी.आर.सी.) का गठन करने का निर्णय लिया है।
- यह तंत्र उन सभी परियोजनाओं को शामिल करेगा जिन्हें एस.ई.सी.आई. और एन.टी.पी.सी. द्वारा या के माध्यम से कार्यान्वित किया जाएगा।
- सौर और पवन ऊर्जा उद्योग इस तरह के विवाद समाधान तंत्र की मांग कर रहे हैं।
- डी.आर.सी. के सदस्यों की अधिकतम आयु 70 वर्ष होगी और हवाई यात्रा और आवास पर खर्च से बचने के लिए इसके सदस्यों को दिल्ली-एन.सी.आर. के प्रतिष्ठित व्यक्तियों में से चुना जाएगा।
- डी.आर.सी., अनुबंध की शर्तों के आधार पर समय अनुरोधों के विस्तार पर एस.ई.सी.आई. द्वारा दिए गए निर्णयों के खिलाफ अपीलों सहित केसों पर विचार करेगा और अनुबंध की शर्तों के अंतर्गत समय के विस्तार के सभी अनुरोध शामिल नहीं हैं।
- यह इसको संदर्भित किए गए सभी मामलों की जांच करेगा, इसमें ऐसे मामले शामिल हैं जिनमें उत्पादक, एस.ई.सी.आई. अथवा एन.टी.पी.सी. के निर्णयों से संतुष्ट नहीं है और इसे आवश्यक शुल्क का भुगतान करने के बाद निर्धारित किया जाएगा।
- इस आदेश में कहा गया है कि एम.एन.आर.ई. की टिप्पणियों के साथ डी.आर.सी. की सिफारिशों को अंतिम निर्णय के लिए नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री के सामने रखे जाएंगे।
- किसी भी निर्णय पर पहुंचने के लिए समिति मामले के संबंधित पक्षों के साथ बातचीत करने के लिए स्वतंत्र होगी और अपने विचार दर्ज करेगी।
- किसी भी वकील को डी.आर.सी. के समक्ष केस पेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- भारतीय संविधान

स्रोत- बिजनेस लाइन

7. **<u>श्रीलंका ने सफलतापूर्वक कक्षा में अपना पहला उपग्रह 'रावण-1' लॉन्च किया है।</u>**

- श्रीलंका के पहले उपग्रह रावण -1 को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आई.एस.एस.) से सफलतापूर्वक कक्षा में लॉन्च किया गया था।

संबंधित जानकारी

रावण-1

- यह एक निम्न कक्षा घन अनुसंधान उपग्रह है।
- उपग्रह का जीवनकाल न्यूनतम डेढ़ वर्ष होता है लेकिन इसके 5 वर्ष तक सक्रिय रहने की उम्मीद है।

- रावण 1 से पांच मिशनों के पूरा होने की उम्मीद है जिसमें शामिल हैं:

1. श्रीलंका और आसपास के क्षेत्रों की तस्वीरें खींचना,
2. ग्लू मिशन: महंगे अंतरिक्ष गोंद के लिए सी.ओ.टी.एस. विकल्प खोजने हेतु
3. सक्रिय मनोदृष्टि स्थिरीकरण पृथ्वी चुंबकीय क्षेत्र माप,
4. 437 मेगाहर्ट्ज बैंड में इसके प्रकाशक्षेत्र में संक्षिप्त संदेश प्रदान करना
5. रिमोट डेटा संग्रहण

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू बिजनेस लाइन

8. **<u>नया पैनल "1 राष्ट्र, 1 जनमत" के मुद्दे को संबोधित करेगा।</u>**

- प्रधानमंत्री ने कहा है कि 'एक देश, एक चुनाव' के मुद्दे की जांच करने हेतु एक पैनल का गठन किया जाएगा।
- यह पैनल समयबद्ध तरीके से सुझावों के साथ आएगा।
- एक देश, एक चुनाव विभिन्न और निरंतर चुनावों के बजाय लोकसभा और राज्यों दोनों के लिए एकल चुनाव आयोजित करने की विधि है।

भारत में हुए समकालिक चुनावों की पृष्ठभूमि

- भारत में समकालिक चुनाव कोई नई बात नहीं है, वे वर्ष 1967 तक आदर्श थे।
- लेकिन 1968 और 1969 में कुछ विधानसभाओं के भविष्य के विघटन और दिसंबर, 1970 में लोकसभा के विघटन, राज्य विधानसभाओं और संसद के चुनाव अलग-अलग आयोजित किए गए हैं।
- समकालिक चुनावों को पुन: आयोजित कराने के विचार पर 1983 में चुनाव आयोग की वार्षिक रिपोर्ट पर चर्चा की जा रही है।
- वर्ष 1999 में विधि आयोग की रिपोर्ट भी इसे संदर्भित की गई थी।

समकालिक चुनावों का सकारात्मक तर्क

- यह अलग-अलग चुनाव आयोजित कराने में आने वाली भारी लागत को कम करेगा।
- यह सत्तारूढ़ दलों की चुनाव मोड में लगातार रहने के बजाय शासन पर ध्यान केंद्रित करने में मदद करेगा।
- मतदाता मतदान को बढ़ावा देने में मदद करेगा
- इसके अतिरिक्त अपने मुख्य क्षेत्रों में तैनाती के लिए सुरक्षा बलों को स्वतंत्र करने में मदद करना है।

समकालिक चुनावों के खिलाफ तर्क

- राष्ट्र और राज्य के मुद्दे विभिन्न हैं और समकालिक चुनाव कराने से मतदाताओं के फैसले पर असर पड़ने की संभावना है।
- चूंकि चुनाव पांच साल में एक बार होते हैं, यह लोगों के प्रति सरकार की जवाबदेही को कम कर देगा।
- जब किसी राज्य में सिंक्रोनाइज्ड चरण तक चुनाव स्थगित कर दिए जाते है तो एस राज्य में राष्ट्रपति शासन को अंतरिम अवधि में लागू करना होगा, जो राज्य में लोकतंत्र और संघवाद के प्रति एक झटका होगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

24.06.2019

1. **<u>ऑपरेशन बंदर, बालाकोट स्ट्राइक का कोड नाम था।</u>**

- रक्षा स्रोत के अनुसार, पाकिस्तान के बालाकोट में एक आतंकवादी प्रशिक्षण शिविर पर भारतीय वायु सेना द्वारा की गई एयर स्ट्राइक को 'ऑपरेशन बंदर' कोड नाम दिया गया था।
- एयर स्ट्राइक के बाद पाकिस्तान के संभावित जवाबी हमले को संबोधित करने हेतु सीमाओं पर सुरक्षा को बढ़ाने हेतु सेना द्वारा प्रयोग किया कोड नाम ऑपरेशन जाफरान था।

संबंधित जानकारी

- 26 फरवरी, 2019 को बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद द्वारा संचालित आतंकवादी शिविर को नष्ट करने के लिए भारत ने सीमा-पार एयर स्ट्राइक की थी।
- बालाकोट, पाकिस्तान के खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत में स्थित एक कस्बा है।
- भारत ने एयर स्ट्राइक को एक "खुफिया-नेतृत्व वाला, गैर-सैन्य, पूर्व-रिक्तिपूर्व" ऑपरेशन करार दिया था।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 3- रक्षा

स्रोत- द हिंदू बिजनेस लाइन

2. **<u>बिहार ने वृक्षों की कटाई पर रोक लगाई है।</u>**

- बिहार सरकार ने बढ़ते प्रदूषण के साथ-साथ घातक हीटवेव का हवाला देते हुए पेड़ों की कटाई पर प्रतिबंध लगा दिया है।
- इस आदेश को वन संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत पारित किया गया था।
- हालांकि निजी भूमि पर पेड़, बिहार में एक पेड़-संरक्षण अधिनियम की अनुपस्थिति में काटे जा सकते हैं।
- ग्रीन मिशन के अंतर्गत बिहार अपने हरियाली क्षेत्र को सात से 15 प्रतिशत तक बढ़ाने में सक्षम है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- गवर्नेंस

स्रोत- डाउन टू अर्थ

3. **<u>रेलवे, रेल टिकट सब्सिडी के लिए 'गिव इट अप' योजना बना रहा है।</u>**

- रेलवे की आय बढ़ाने के लिए भारतीय रेलवे एक “गिव इट अप” योजना को लागू करने पर विचार कर रहा है, जो यात्रियों से ट्रेन टिकट पर मिलने वाली सब्सिडी को छोड़ने के लिए पूंछेगा।
- इस अभियान का उद्देश्य भारतीय रेलवे पर यात्रियों की सब्सिडी को कम करना है।
- भारतीय रेलवे के अनुसार, यह यात्रियों से लागत का केवल 53% वसूल करता है, शेष 47 प्रतिशत यात्रियों को सब्सिडी के रूप में दिया जाता है।

नोट:

- सरकार ने वर्ष 2015 में उन एल.पी.जी. उपयोगकर्ताओं को प्रेरित करने के लिए "गिव इट अप" अभियान शुरू किया था, जो एल.पी.जी. के बजार मूल्य का भुगतान कर सकते हैं, वे स्वेच्छा से अपनी एल.पी.जी. सब्सिडी छोड़ सकते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- गवर्नेंस

स्रोत- टी.ओ.आई.

4. **<u>जम्मू और कश्मीर का "वापस गांवो की ओर" आउटरीच कार्यक्रम</u>**

- जम्मू और कश्मीर सरकार ने "वापस गांवो की ओर" नामक कार्यक्रम के माध्यम से जमीनी स्तर पर लोगो तक पहुँचने में मदद करने हेतु यह कार्यक्रम शुरू किया है।
- इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य पंचायतों को मजबूत बनाना और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास के प्रयासों को निर्देशित करना और ग्रामीण जनता के समुचित जीवन स्तर के लिए एक उत्सुक इच्छा पैदा करना है।
- इस कार्यक्रम में हमारे सभी ग्रामीण क्षेत्रों में समान विकास के मिशन को वितरित करने के संयुक्त प्रयास में राज्य और सरकार के सभी अधिकारी शामिल होंगे।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2- गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

5. **<u>भारत ने इजरायल के एंटी टैंक मिसाइल सौदे को खत्म कर दिया है।</u>**

- भारत ने रक्षा अनुबंधकर्ता राफेल उन्नत रक्षा प्रणाली से स्पाइक एंटी टैंक मिसाइलों की खरीद हेतु इजराइल के साथ 500 मिलियल डॉलर के सौदे को समाप्त कर दिया है, यह निर्णय डी.आर.डी.ओ. के इस दावे के बाद लिया गया है

कि वह दो वर्षों में इसका विकल्प तैयार कर सकता है।

- डी.आर.डी.ओ., वी.ई.एम. टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के साथ साझेदारी में कम कीमत पर एक ऐसी ही मिसाइल विकसित करने जा रहा है।

संबंधित जानकारी

- 321 स्पाइक लॉन्चरों और 8,356 मिसाइलों के लिए इजराइल के साथ भारत का सौदा अक्टूबर, 2014 में शुरू हुआ था, जब रक्षा मंत्रालय ने अमेरिकी-निर्मित एफ.जी.एम.-148 जेवलिन के स्थान पर स्पाइक को चुना था।
- लेकिन डी.आर.डी.ओ. के पक्ष में इसे दिसंबर, 2017 में खत्म कर दिया गया था।
- जनवरी, 2018 में इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की भारत यात्रा के बाद इसे "पुन: अधिकृत" किया गया था और राफेल ने स्थानीय भागीदार कल्याणी समूह के साथ भारत में उत्पादन सुविधा का शुभारंभ किया।
- डी.आर.डी.ओ. ने वर्ष 2021 तक हजारों स्वदेशी एम.पी.ए.टी.जी.एम. (मैन-पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल) देने की भी पेशकश की है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर-3- रक्षा

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

6. **<u>यू.ए.ई. ने संयुक्त राष्ट्र द्वारा विकसित एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है।</u>**

- यू.ए.ई., संगठित अपराधों को कम करने हेतु औषधि और अपराधों पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय द्वारा विकसित एक नया रिपोर्टिंग प्लेटफार्म लांच करने वाला पहला पहला खाड़ी देश बन गया है।
- यू.ए.ई. की वित्तीय खुफिया इकाई ने नया एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग प्लेटफॉर्म 'goAML' लॉन्च किया है, जो मई, 2019 से पंजीकरण के लिए खुला है।
- इस प्रणाली में सभी वित्तीय इकाईयों और नामित गैर-वित्तीय व्यापारों या व्यवसायों को पंजीकृत किया जाएगा।
- यह प्लेटफार्म मनी लॉन्ड्रिंग, आतंकवाद के वित्तपोषण और अन्य अवैध वित्तीय गतिविधियों को रोकने में एफ.आई.यू. की मदद करेगा।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 3- भारतीय अर्थव्यवस्था

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. **<u>आधुनिक जीवन द्वारा जापान का "वाशी पेपर" फाड़ा जा रहा है, यह ग्राहकों को आकर्षित करने हेतु संघर्ष कर रहा है।</u>**

- यूनेस्को अमूर्त सांस्कृतिक विरासत का दर्जा प्राप्त वाशी कागज उपभोक्ताओं को आकर्षित करने के लिए संघर्ष कर रहा है और पिछले दो दशकों में इसके बाजार मूल्य में 50% से अधिक की गिरावट आई है।
- वाशी पेपर, जापान का हाथ से बनाया गया कागज है जिसे कोज़ो या शहतूत के पौधे के रेशों से बनाया जाता है।
- इस पौधे के रेशे, पश्चिम में कागज बनाने के लिए उपयोग की जाने वाली सामग्रियों जैसे कागज और कपास की तुलना में अधिक लंबे होते हैं।
- वाशि को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की यूनेस्को प्रतिनिधि सूची में शामिल किया गया है।

संबंधित जानकारी

यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची

- यूनेस्को की प्रतिष्ठित सूची उन अमूर्त विरासत तत्वों से मिलकर बनी है जो सांस्कृतिक विरासत की विविधता को प्रदर्शित करने में मदद करते हैं और इसके महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाते हैं।
- यह सूची 2008 में स्थापित की गई थी जब अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा हेतु सम्मेलन लागू किया गया था।

- इसमें पूरे विश्व की महत्वपूर्ण अमूर्त सांस्कृतिक विरासत शामिल है।
- इसके दो भाग हैं:
  (a) मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची
  (b) तत्काल सुरक्षा की आवश्यकता वाले अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की सूची

टॉपिक- जी.एस. पेपर 1- कला एवं संस्कृति

स्रोत- द हिंदू

8. **<u>सामान्यीकृत अंतर वनस्पति सूचकांक (एन.डी.वी.आई.)</u>**

- बेंगलुरु के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए एक क्षेत्र के अध्ययन से ज्ञात हुआ है कि सामान्यीकृत अंतर वनस्पति सूचकांक जो दूर से जो वनस्पति के घनत्व का अनुमान लगाता है, वह उष्णकटिबंधीय जंगलों में हाथियों के लिए भोजन की प्रचुरता का एक विश्वसनीय अनुमान नहीं प्रदान करता है।
- शोधकर्ता बताते हैं कि उष्णकटिबंधीय जंगलों में इस सूचकांक के ग्रामिनोइड्स (घास का भोजन-घास, सेज और र -अधिकांशतः हाथियों द्वारा खाई जाने वाली) के साथ एक नकारात्मक सहसंबंध है।

संबंधित जानकारी

- एन.डी.वी.आई., निकट-अवरक्त (जो वनस्पति को दृढ़ता से प्रतिबिंबित करता है) और लाल बत्ती (जो वनस्पति अवशोषित करता है) केबीच अंतर को मापकर वनस्ति की मात्रा निर्धारित करता है।
- एन.डी.वी.आई. की सीमा हमेंशा -1 से +1 तक होती है।
- यह प्रत्येक प्रकार के भूमि के लिए एक अलग सीमा नहीं दिखाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- पर्यावरण

स्रोत-टी.ओ.आई.

9. **<u>वैज्ञानिकों ने "चमत्कारी पौधे" के जीनोम को डिकोड किया है।</u>**

- केरल विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने अरोग्यपचा (ट्राइकोपस ज़ेलानीकस) के आनुवंशिक संरचना को डिकोड किया है।
- यह दक्षिणी पश्चिमी घाट में अगस्त्य पहाड़ियों में एक अत्यंत शक्तिशाली औषधीय पौधा है।

संबंधित जानकारी

आरोग्यपचा

- इस पौधे का उपयोग पारंपरिक रूप से कानी आदिवासी समुदाय द्वारा थकान मिटाने के लिए किया जाता है।
- यह पौधा एंटी-ऑक्सीडेंट, कामोद्दीपक, एंटी-माइक्रोबियल, एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटी-ट्यूमर, एंटी-अल्सर, हेपेटोप्रोटेक्टिव और मधुमेह विरोधी गुण दर्शाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत- द हिंदू

10. **<u>एफ.ए.टी.एफ. ने पाकिस्तान को चेतावनी दी है लेकिन उसे ब्लैकलिस्ट से बाहर रखा है।</u>**

- चीन, तुर्की और मलेशिया के समर्थन के बाद पाकिस्तान को वित्तीय कार्रवाई टास्क फोर्स (एफ.ए.टी.एफ.) ब्लैकलिस्ट में जाने से बचा लिया गया है।
- हालांकि, पाकिस्तान एफ.ए.टी.एफ. की ग्रे लिस्ट में बना रहेगा।
- एफ.ए.टी.एफ. का विशेषाधिकार यह कहता है कि ब्लैकलिस्ट में जाने से बचने हेतु कम से कम तीन सदस्य राज्यों का समर्थन आवश्यक है।
- हालांकि, एफ.ए.टी.एफ. ने कहा है कि यदि पाकिस्तान अक्टूबर, 2019 तक अपनी कार्य योजना को पूरा करने में विफल रहता है तो उसे ब्लैक लिस्ट में डाल दिया जाएगा।
- जब एक देश को ब्लैकलिस्ट किया जाता है तो एफ.ए.टी.एफ. दूसरे देशों से आह्वान करता है कि वह उचित परिश्रम और प्रतिकार को लागू

करे, उस देश के साथ व्यापार करने की लागत बढ़ाता है और कुछ मामलों में इसे सबसे पूर्णतया अलग कर दिया जाता है।

- अब तक ब्लैकलिस्ट में केवल दो देश ईरान और उत्तर कोरिया हैं और ग्रे लिस्ट में सात देश हैं, जिनमें पाकिस्तान, श्रीलंका, सीरिया और यमन शामिल हैं।
- पाकिस्तान जून, 2018 से एफ.ए.टी.एफ. के दायरे में है, जब उसे अपनी वित्तीय प्रणाली और कानून प्रवर्तन तंत्र के आकलन के बाद आतंकी वित्तपोषण और मनी लॉन्ड्रिंग के जोखिमों हेतु ग्रे लिस्ट में डाला गया था।

एफ.ए.टी.एफ.

- यह जी7 की पहल पर 1989 में स्थापित एक अंतर-सरकारी निकाय है।
- यह एक "नीति-निर्माण निकाय" है जो विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीय विधायी और विनियामक सुधार लाने के लिए आवश्यक राजनीतिक इच्छाशक्ति उत्पन्न करने हेतु काम करता है।
- एफ.ए.टी.एफ. सचिवालय पेरिस में ओ.ई.सी.डी. मुख्यालय में स्थित है।

उद्देश्य:

- एफ.ए.टी.एफ. का उद्देश्य मनी लांड्रिंग, आतंकी वित्तपोषण और अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली की अखंडता से संबंधित अन्य खतरों से निपटने के लिए के लिए कानूनी, विनियामक और परिचालन उपायों के प्रभावी कार्यान्वयन को बढ़ावा देना और मानक निर्धारित करना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3- अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

25.06.2019

1. **<u>नासा की क्यूरोसिटी (जिज्ञासा) से मंगल पर मेथेन के स्पाइक पाए गए हैं।</u>**

- नासा क्यूरोसिटी के मंगल पर मानक विश्लेषण (एस.ए.एम.) ने मंगल पर अपने मिशन के दौरान मेथेन के उच्चतम स्तर का पता लगाया है।
- वैज्ञानिकों ने मेथेन से दो जानकारियां प्राप्त की हैं
- मेथेन गैस की उपस्थिति माइक्रोबियल जीवन की ओर संकेत करती है।
- चट्टानों और पानी के मध्य परस्पर संपर्क के परिणामस्वरूप मेथेन का उत्पादन किया जा सकता है।

संबंधित जानकारी

नासा जिज्ञासा मिशन

- क्यूरियोसिटी, मंगल ग्रह पर भेजा गया अब तक का सबसे बड़ा और सबसे सक्षम रोवर है जिसे अगस्त, 2012 में मंगल पर उतरा गया था।
- इस मिशन का उद्देश्य मंगल पर पिछले निवास योग्य वातावरण के रासायनिक और खनिज साक्ष्यों को खोजना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>भारत- क्षेत्रीय आर्थिक व्यापक साझेदारी</u>**

- सरकारी अधिकारियों ने कहा है कि यह सुझाव देना "असामयिक" होगा कि भारत, क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी (आर.सी.ई.पी.) से बाहर हो सकता है, यदि वह वर्ष के अंत तक इसमें शामिल होने के लिए सहमत नहीं है।
- हालांकि भारत समझौता वार्ता में शामिल है, इसने कई कारणों के लिए आरक्षण व्यक्त किया है।
- सामान्यत: भारत चिंतित है कि आर.सी.ई.पी. के साथ स्थान में, आर.सी.ई.पी. देशों से आयात, गुट को इसके निर्यात के मुकाबले तेजी से बढ़ सकता है।
- नई दिल्ली, टैरिफ में कटौती करने और इसके स्टील और इस्पात उद्योग के साथ-साथ कृषि

से इसके मजबूत विरोध के सामने अपने बाजार खोलने हेतु अनिच्छुक है।

- भारत के सामने दुविधा इस तथ्य से बढ़ गई है कि रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी चीन समझौते का हिस्सा है।
- विशेष रूप से, चिंता यह है कि चीन के लिए टैरिफ कम होने से चीनी वस्तुओं की भारतीय बाजार में बाढ़ आ जाएगी, जिससे उनका व्यापार घाटा बढ़ जाएगा, जो 2018 में 53 बिलियन अमेरिकी डॉलर था।
- भारत और चीन के मध्य मौजूदा मुक्त व्यापार समझौता नहीं है।
- दूसरी ओर भारत, समझौते में शामिल आर.सी.ई.पी. देशों में सेवा क्षेत्र में अपने व्यवसायियों के लिए बेहतर पहुँच देखना चाहेगा।
- आर.सी.ई.पी. को पहले एक पारंपरिक व्यापारिक समझौते के रूप में माना गया था, जो व्यापार योग्य वस्तुओं पर टैरिफ में कटौती करता है, जब कि भारत की ताकत सेवा क्षेत्र में है।
- भारत, वर्ष 2010 में भारत-आसियान एफ.टी.ए. (मुक्त व्यापार समझौता) पर हस्ताक्षर करने वाला आसियान का छठा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है और द्विपक्षीय व्यापार 80 बिलियन अमेरिकी डॉलर का है लेकिन इसे अर्थशास्त्रियों द्वारा इसकी वास्तविक क्षमता से बहुत कम आंका गया है।

संबंधित जानकारी

आर.सी.ई.पी

- यह आसियान के दस सदस्य राज्यों के मध्य प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौता है और 6 राज्यों: ऑस्ट्रेलिया, चीन, भारत, जापान, दक्षिण कोरिया और न्यूजीलैंड के साथ आसियान का मौजूदा मुक्त व्यापार समझौता है।
- यह ट्रांस-प्रशांत साझेदारी (टी.पी.पी.) के विकल्प के रूप में देखा जाता है, यह एक प्रस्तावित व्यापारिक समझौता जिसमें कई एशियाई और अमेरिकी राष्ट्र शामिल हैं लेकिन इसमें चीन और भारत शामिल नहीं हैं।
- टी.पी.पी. से अमेरिका के बाहर निकलने से आर.सी.ई.पी. की सफलता की संभावना में सुधार हुआ है।
- आर.सी.ई.पी. में उत्पाद का व्यापार, सेवाओं में व्यापार, निवेश, आर्थिक और तकनीकी सहयोग, बौद्धिक संपदा, प्रतियोगिता, विवाद निपटान और अन्य मुद्दें शामिल करेंगे।

हालिया विकास

- हाल ही में, 16 देशों के व्यापार मंत्रियों ने आर.सी.ई.पी. के अंतर्गत सबसे बड़े आर्थिक एकीकरण समझौते का निर्माण करने हेतु सिंगापुर में बैठक की है।
- भारत ने ऐसा मामला बनाया है कि आर.सी.ई.पी. समझौते के कुछ हिस्सों को लागू करने के लिए "अनुग्रह अवधि" के रूप में 20 वर्षों की आवश्यकता है, जिसे अभी तय नहीं किया गया है।
- भारत ने आर्थिक समझौते में उत्पादों के अंतर्गत सेवाओं के समावेशन पर भी जोर दिया है, जिसे स्वीकार कर लिया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>आर.बी.आई. ने शिकायत दर्ज करने हेतु एक ऑनलाइन पोर्टल का अनावरण किया है।</u>**

- आर.बी.आई. ने एक शिकायत प्रबंधन प्रणाली (सी.एम.एस.) की शुरूआत की है।
- यह एक ऑनलाइन पोर्टल है जो बैंक ग्राहक शिकायत निवारण प्रक्रियाओं को सुविधाजनक बनाता है।
- इस पोर्टल को आर.बी.आई. की वेबसाइट पर एक्सेस किया जा सकता है और केंद्रीय बैंक

द्वारा विनियमित किसी भी इकाई के खिलाफ शिकायत दर्ज की जा सकती है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अर्थव्यवस्था

स्रोत- बिजनेस स्टैंडर्ड

4. **<u>सुमद्री प्लास्टिक अपशिष्ट को इकठ्ठा करने हेतु उपकरण को पुन: लांच किया गया है।</u>**

- कैलीफोर्निया और हवाई के मध्य प्रशांत महासागर मे अपशिष्ट के एक द्वीप को साफ करने हेतु दूसरे प्रयास में प्लास्टिक अपशिष्ट को इकठ्ठा करने हेतु तैरने हेतु बनाया गया एक अस्थायी उपकरण को पुन: तैनात किया गया है।
- यह उपकरण नीदरलैंड स्थित इंजीनियरिंग एन.जी.ओ. ओसियन क्लीनअप द्वारा विकसित किया गया है, इसे पहली बार वर्ष 2018 में महान प्रशांत अपशिष्ट पैच की सफाई के लिए तैनात किया गया था।
- हालांकि पहली बार संचालन के दौरान यह उपकरण निरंतर तरंगों और हवा के कारण टूट गया था।

महान प्रशांत अपशिष्ट पैच

- महान प्रशांत अपशिष्ट पैच, जिसे प्रशांत अपशिष्ट भंवर के रूप में भी जाना जाता है, समुद्री कूड़े का एक चक्र है।
- यह दुनिया में महासागरीय प्लास्टिक का सबसे बड़ा संचयन है।
- यह हवाई और कैलिफोर्निया के मध्य उत्तरी प्रशांत उपोष्णकटिबंधीय चक्र में स्थित है।
- यह 1.6 मिलियन वर्ग किलोमीटर की अनुमानित सतह क्षेत्र को कवर करता है
- महान प्रशांत अपशिष्ट पैच, चक्र नामक घूर्णन करने वाली समुद्री धाराओं द्वारा एकत्र किए गए समुद्री अपशिष्ट के परिणामस्वरूप धीरे-धीरे बनता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण

स्रोत- टी.ओ.आई.

5. **<u>लाइव भाड़ा दर हेतु 'राष्ट्रीय मालभाड़ा सूचकांक'</u>**

- सड़क-भाड़ा बाजार में पारदर्शिता लाने के लिए अपनी बोली में गुड़गांव आधारित तकनीक-सक्षम लॉजिस्टिक्स स्टार्ट-अप रिविगो ने राष्ट्रीय मालभाड़ा सूचकांक (एन.एफ.आई.) लॉन्च किया है जो पूरे देश में विभिन्न लेन और वाहनों के लिए लाइव भाड़ा दरें प्रदान करेगा।

इसकी आवश्यकता क्यों थी?

- भारतीय सड़क भाड़ा बाजार का आकार $ 150 बिलियन से $ 160 बिलियन है, जिसमें से $ 130 बिलियन- $ 140 बिलियन फुल-ट्रक लोड (एफ.टी.एल.) बाजार है लेकिन यह ट्रक ड्राइवरों की कमी की बढ़ती चुनौती का सामना कर रहा है।
- भारत की जी.डी.पी. के लगभग 14% हेतु लॉजिस्टिक जिम्मेदार है और इसका 70% हिस्सा सड़क परिवहन से आता है।
- लेकिन यहां पर कोई मूल्य निर्धारण पारदर्शिता नहीं है और ड्राइवरों की कामकाजी परिस्थितियां बहुत ही खराब हैं। कोई भी अब ट्रक चालक नहीं बनना चाहता है और वर्ष 2023 तक देश को ट्रक ड्राइवरों की 50% कमी का सामना करना पड़ सकता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –आर्थिक विकास

स्रोत- लाइवमिंट

6. **<u>सी.जे.आई. ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को हटाने हेतु प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है।</u>**

- भारत के मुख्य न्यायाधीश ने प्रधानमंत्री को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, न्यायाधीश एस. एन. शुक्ला को दुराचार के दोषी पाए जाने के लिए हटाने हेतु पत्र लिखा है।
- न्यायाधीश शुक्ला के खिलाफ शिकायत की जांच करने हेतु तीन न्यायाधीशों वाली समिति का गठन वर्ष 2018 में किया गया था, इस समिति में मद्रास, सिक्किम और आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश इंदिरा बनर्जी, एस. के. अग्निहोत्री और मद्रास के पी. के. जायसवाल शामिल हैं।

संबंधित जानकारी

उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को हटाने की प्रक्रिया

- राष्ट्रपति के आदेश से उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को उसके पद से हटाया जा सकता है।
- राष्ट्रपति निष्कासन आदेश तब ही जारी कर सकता है जब संसद द्वारा एक संबोधन के बाद उसे इस तरह के निष्कासन के लिए उसी सत्र में प्रस्तुत किया गया हो।
- इस संबोधन को संसद के प्रत्येक सदन के विशेष बहुमत (अर्थात उस सदन की कुल सदस्यता का बहुमत और उस सदन के उपस्थित और मतदान के कम से कम दो-तिहाई सदस्य) का समर्थन करना चाहिए।
- निष्कासन के दो आधार होते हैं- दुर्व्यवहार या अक्षमता साबित होना। इस प्रकार, एक उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को समान प्रकार से और सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश को भी समान आधार पर निष्कासित किया जा सकता है।
- न्यायाधीश जांच अधिनियम (1968), महाभियोग की प्रक्रिया द्वारा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को हटाने से संबंधित प्रक्रिया को विनियमित करता है:

1. 100 सदस्यों (लोकसभा के मामले में) या 50 सदस्यों (राज्यसभा के मामले में) द्वारा हस्ताक्षरित निष्कासन प्रस्ताव अध्यक्ष/ चेयरमैन को सौंपा जाता है।
2. अध्यक्ष/ चेयरमैन प्रस्ताव को स्वीकार कर सकते हैं या इसे स्वीकार करने से इनकार कर सकते हैं।
3. यदि इसे स्वीकार कर लिया जाता है तो अध्यक्ष/ चेयरमैन को आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन करना होता है।
4. समिति में (a) मुख्य न्यायाधीश या सर्वोच्च न्यायालय का न्यायाधीश, (b) उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश और (c) एक प्रतिष्ठित न्यायविद शामिल होना चाहिए।
5. यदि समिति न्यायाधीश को दुर्व्यवहार का दोषी मानती है या अक्षमता से पीड़ित पाती है तो सदन प्रस्ताव पर विचार कर सकता है।
6. संसद के प्रत्येक सदन द्वारा विशेष बहुमत से प्रस्ताव पारित किए जाने के बाद न्यायाधीश को हटाने के लिए राष्ट्रपति के समक्ष एक संबोधन प्रस्तुत किया जाता है।
7. अंतत: राष्ट्रपति, न्यायाधीश को हटाने का आदेश पारित करता है।

नोट: अब तक एक उच्च न्यायालय के किसी भी न्यायाधीश को अब तक महाभियोग नहीं लगाया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

7. **<u>सरकार, यूनिवर्सल स्मार्ट कार्ड ड्राइविंग लाइसेंस लांच करने के जा रही है।</u>**

- सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने पूरे देश के लिए एक सामान्य मानक प्रारूप और ड्राइविंग लाइसेंस का डिजाइन निर्धारित किया है।
- यह एन.आई.सी. द्वारा विकसित SARATHI नामक प्रमुख एप्लीकेशन के अंतर्गत है, जिसमें सभी ड्राइविंग लाइसेंस धारकों का एक सामान्य देशव्यापी डेटाबेस शामिल है।

SARATHI

- SARATHI एप्लिकेशन में वास्तविक समय में ऑनलाइन डुप्लिकेट रिकॉर्ड की पहचान करने और यदि कोई हो तो चालान के बारे में जानकारी प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- ए.आई.आर.

8. **<u>वर्ष 2018 में पांच देशों में मलेरिया के शून्य मामले रहे हैं: डब्ल्यू.एच.ओ.</u>**

- डब्ल्यू.एच.ओ.-ई. 2020 पहल के अनुसार: 2019 प्रगति रिपोर्ट, एशिया के चार देशों- चीन, ईरान, मलेशिया, तिमोर-लेस्ते और अल सल्वाडोर (मध्य अमेरिका) ने 2018 में मलेरिया के कोई भी स्वदेशी मामलों की सूचना नहीं दी है।

संबंधित जानकारी

मलेरिया को खत्म करने हेतु डब्ल्यू.एच.ओ. की पहल

- विश्व स्वास्थ्य सभा ने 2015 में मलेरिया को वर्ष 2030 तक खत्म करने के लिए वैश्विक तकनीकी रणनीति को मंजूरी प्रदान की थी।
- इस रणनीति ने कम से कम 10 देशों में मलेरिया को खत्म करने के लिए 2020 को लक्षित किया है।
- वर्ष 2016 में, डब्ल्यू.एच.ओ. ने 2020 तक मलेरिया को खत्म करने के प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए ई-2020 पहल शुरू की थी।
- डब्ल्यू.एच.ओ. द्वारा 2016 में 21 ऐसे देशों की पहचान की गई है जो वर्ष 2020 तक मलेरिया मुक्त होने की क्षमता रखते हैं। ई-2020 पहल के अंतर्गत भारत, इन 21 देशों में से नहीं है।
- हाल ही में, डब्ल्यू.एच.ओ. ने अल्जीरिया को मलेरिया मुक्त घोषित किया है, जो पराग्वे के बाद इस प्रमाणन को प्राप्त करने वाला दूसरा ई-2020 देश बन गया है।
- हालांकि उज्बेकिस्तान और अर्जेंटीना ई-2020 देशों में नहीं थे, उन्हें भी क्रमशः 2018 और 2019 में मलेरिया मुक्त प्रमाणीकरण से सम्मानित किया गया था।

मलेरिया मुक्त प्रमाणीकरण हेतु पात्रता

- जिन देशों में कम से कम तीन क्रमागत वर्षों तक मलेरिया का एक भी मामला दर्ज नहीं किया गया है, वे डब्ल्यू.एच.ओ. के मलेरिया उन्मूलन प्रमाणन हेतु आवेदन करने हेतु पात्र हैं।

विश्व मलेरिया रिपोर्ट 2018

- विश्व मलेरिया रिपोर्ट 2018 के अनुसार, वर्ष 2017 में 200 मिलियन से अधिक लोग मलेरिया से प्रभावित थे।
- भारत (4%) के साथ ही नाइजीरिया डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, मोज़ाम्बिक और युगांडा दुनिया भर में सभी मलेरिया मामलों के लगभग 50% के लिए जिम्मेदार है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –महत्वपूर्ण रिपोर्ट

स्रोत- डाउन टू अर्थ

9. **<u>महाद्वीपीय अक्ष परिकल्पना</u>**

- इसे पहली बार अमेरिकी भूगोलवेत्ता जारेड डायमंड ने 1997 की अपनी लोकप्रिय की पुस्तक गन्स, जर्मस और स्टील में प्रस्तावित किया था।
- इस परिकल्पना को इस रूप में संदर्भित किया जाता है कि पूरे इतिहास में दुनिया के कुछ क्षेत्रों में दूसरों की तुलना में अधिक आर्थिक विकास का अनुभव क्यों हुआ है।
- यह बताता है कि पृथ्वी के वह क्षेत्र जो कि एक बड़े अक्षांशीय क्षेत्र में फैले हुए हैं, जो कि पूर्व-पश्चिम में है, इन क्षेत्रों में अनुद्धैर्य रूप से बढ़ने वाले क्षेत्रों की तुलना में अधिक विकास देखने को मिलता है, जो कि उत्तर-दक्षिण हैं।
- ऐसा इसलिए है क्यों कि तापमान काफी हद तक अक्षांशों में समान है, जो प्रौद्योगिकी और विचारों को बड़ी आबादी के बीच फैलाने में मदद करता है।
- इसका परिणाम अधिक सांस्कृतिक समरूपता के रूप में भी है।
- इसे "महाद्वीपीय अभिविन्यास परिकल्पना" के रूप में भी जाना जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –आर्थिक शर्तें

स्रोत- द हिंदू

26.06.2019

1. **<u>नीति आयोग का स्वास्थ्य सूचकांक</u>**

- हाल ही में, नीति आयोग ने राज्य स्वास्थ्य सूचकांक का अपना दूसरा संस्करण जारी किया है।

- रिपोर्ट "स्वस्थ राज्य, प्रगतिशील भारत: राज्यों और केंदशासित प्रदेशों की रैंक पर रिपोर्ट" को तीन श्रेणियों- बड़े राज्य, छोटे राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में विभाजित किया गया है।
- यह सूचकांक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 23 स्वास्थ्य संबंधी संकेतको के आधार पर रैंक प्रदान करता है।

सूचकांको में शामिल हैं

- नवजात मृत्यु दर,
- पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर
- नवजातों के मध्य जन्म के समय कम भार का अनुपात
- कार्यात्मक हृदय संबंधी देखभाल इकाइयों के साथ जिलों का अनुपात
- पूर्ण टीकाकरण कवरेज और जिला अस्पतालों में खाली पड़े विशेषज्ञ पदों का अनुपात

सूचकांक की विशेषताएं

- केरल, स्वास्थ्य क्षेत्र में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले राज्यों की सूची में शीर्ष स्थान पर बना हुआ है, जब कि 21 बड़े राज्यों के मध्य उत्तर प्रदेश को सबसे खराब प्रदर्शक का दर्जा प्रदान किया गया है।
- केंद्रशासित प्रदेशों में चंडीगढ़ शीर्ष स्थान पर है।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2015-16 (आधार वर्ष) और 2017-18 (संदर्भ वर्ष) के मध्य केवल आधे राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों ने समग्र स्कोर में सुधार दर्शाया है।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि आठ सशक्त कार्रवाई समूह राज्यों में से केवल तीन राज्यों राजस्थान, झारखंड और छत्तीसगढ़ ने समग्र प्रदर्शन में सुधार दर्शाया है।
- सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े हुए आठ राज्यों बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश, उड़ीसा, राजस्थान, उत्तरांचल और उत्तर प्रदेश को सशक्त कार्रवाई समूह (ई.ए.जी.) के रूप में संदर्भित किया जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –महत्वपूर्ण रिपोर्ट

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>डी.आर.डी.ओ. के वैज्ञानिकों ने ल्यूकोडर्मा का इलाज करने के लिए एक आयुर्वेदिक दवा विकसित की है।</u>**

- डी.आर.डी.ओ. ने अंतर्राष्ट्रीय विटिलिगो दिवस के अवसर पर 25 जून को ल्यूकोडर्मा के इलाज हेतु "ल्यूकोस्किन" नामक आयुर्वेदिक दवा विकसित की है।

विटिलिगो अथवा ल्यूकोडर्मा

- ल्यूकोडर्मा, त्वचा की एक स्थिति है जिसमें मेलानिन (त्वचा में एक वर्णक) की कमी के कारण त्वचा पर सफेद धब्बे पड़ने लगते हैं।
- यह न तो संक्रामक (अर्थात प्रभावित व्यक्ति के सीधे संपर्क में आने से फैलता नहीं है) है और न ही जानलेवा बीमारी है।
- आनुवांशिक परिस्थितियां या तनाव प्रेरित स्थितियां, बीमारी होने हेतु अधिक अनुकूल परिस्थितियां होती हैं।
- ल्यूकोडर्मा के मरीज आंख की पुतली में सूजन, सुनने में समस्या और सनबर्न के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं।
- विटिलिगो, संक्रामक बीमारी नहीं है और यह जानलेवा बीमारी भी नहीं है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

3. **<u>सेन्ना स्पेक्टाबिलिस: एक आक्रामक प्रजाति है।</u>**

- हाल ही में, राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण और राज्य सरकार के अधिकारियों द्वारा बांदीपुर वन्यजीव अभयारण्य में मानव-पशु संघर्ष और आक्रामक प्रजातियों को कम करने के उपायों पर चर्चा हेतु एक बैठक आयोजित की गई है।

सेन्ना स्पेक्टाबिलिस

- यह पौधों की एक आक्रामक प्रजाति है, जिसने नीलगिरी बायोस्फीयर रिजर्व में वन्यजीवों के

निवास के प्रति एक बड़ा खतरा पैदा कर दिया है।

आक्रामक विदेशी प्रजाति के लक्षण

- यह शीघ्र प्रजनन और विकास को दर्शाता है।
- यह प्ररूपी नमनीयता (शारीरिक स्थितियों को नई परिस्थितियों के अनुकूल बनाने की क्षमता) को भी दर्शाता है।
- इसमें उच्च प्रसार क्षमता है।
- विभिन्न खाद्य प्रकारों और पर्यावरणीय परिस्थितियों की एक विस्तृत श्रृंखला में जीवित रहने की क्षमता है।

टॉपिक- जी. एस. पेपर 3 –पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत-द हिंदू

4. **<u>अरुणाचल में प्रभावशाली कछुओं की खोज हुई है।</u>**

- सरीसृप विज्ञानवेत्ताओं की एक टीम ने अरुणाचल प्रदेश में निचले सुबनसिरी जिले के याजली क्षेत्र में प्रभावशाली कछुओं की खोज की है।

संबंधित जानकारी

प्रभावशाली कछुआ (इम्प्रेससिव टोरटोइज़)

- यह बर्मा, दक्षिणी चीन, थाईलैंड, लाओस, वियतनाम, कंबोडिया और मलेशिया में दक्षिण पूर्व एशिया में पहाड़ी वन क्षेत्रों में पाया जाता है।
- इस प्रजाति की एक सुनहरी भूरे रंग की शेल और त्वचा होती है।
- प्रभावशाली कछुए की खोज के पहले तक भारत केवल एशियाई वन कछुए (मनोयूरिया एमिस) के निवास स्थान के लिए जाना जाता था।
- इसे आई.यू.सी.एन. की रेड लिस्ट में लुप्तप्राय के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –पर्यावरण एवं जैवविविधता

स्रोत-द हिंदू

5. **<u>वैज्ञानिकों ने मलेरिया के लिए एक नए बायोमार्कर की पहचान की है।</u>**

- राष्ट्रीय जनजातीय स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान के शोधकर्ताओं ने मलेरिया के नए बॉयोमार्कर के रूप में ग्लूटामेट डिहाइड्रोजिनेस की पहचान की है।
- यह बीमारी के लिए अधिक संवेदनशील नैदानिक परीक्षण विकसित करने में मदद करता है।

संबंधित जानकारी

बायोमार्कर

- एक बायोमार्कर, कुछ बीमारी स्थितियों की उपस्थिति अथवा गंभीरता अथवा किसी जीव की कोई अन्य शारीरिक अवस्था का मापक संकेतक है।
- बायोमार्कर, उस प्रोटीन की अभिव्यक्ति या स्थिति में परिवर्तन को इंगित करता है जो किसी बीमारी के जोखिम या प्रगति या किसी दिए गए उपचार के प्रति रोग की संवेदनशीलता से सह-संबधित होता है।
- यह जैविक गुणों या अणुओं की विशेषता है जिनका रक्त या ऊतक जैसे शरीर के कुछ हिस्सों में पता लगाया जा सकता है और इन्हें मापा जा सकता है।
- बायोमार्कर विशिष्ट कोशिकाएं, अणु या जीन, जीन उत्पाद, एंजाइम या हार्मोन हो सकते हैं। जैविक संरचनाओं में जटिल अंग के कार्य या सामान्य विशेषता परिवर्तन भी बायोमार्कर के रूप में कार्य कर सकते हैं।

नोट:

- वर्तमान में, मलेरिया के निदान के लिए उपयोग किए जाने वाले परीक्षण एक जीन, हिस्टिडाइन-समृद्ध प्रोटीन 2 (एच.आर.पी. 2) पर आधारित है, जो एमिनो एसिड हिस्टिडाइन से भरा हुआ है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत-डाउन टू अर्थ

6. **<u>नासा के पहले एस्ट्रोबी रोबोट "बम्बल" ने अंतरिक्ष में उड़ना शुरू कर दिया है।</u>**

- "बम्बल" नामक एक रोबोट अंतरिक्ष में अपनी शक्ति से उड़ान भरने वाला पहला एस्ट्रोबी रोबोट बन गया है।

- एस्ट्रोबी, एक मुक्त-उड़ान रोबोट प्रणाली है जो शोधकर्ताओं को शून्य गुरुत्वाकर्षण में नई तकनीकों का परीक्षण करने और अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर अंतरिक्ष यात्रियों के साथ नियमित कार्य करने में मदद करेगी।
- एस्ट्रोबी जैसे रोबोट जो अंतरिक्ष में अपने दम पर काम कर सकते हैं, वे नासा के लुनार गेटवे के लिए कार्यवाहक हो सकते हैं और चंद्रमा और मंगल ग्रह का पता लगाने के लिए नासा के भविष्य के मिशनों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।
- बंबल और एक दूसरा एस्ट्रोबी, "हनी" को अप्रैल, 2019 में अंतरिक्ष स्टेशन में लॉन्च किया गया था। जुलाई, 2019 में "क्वीन" नामक एक तीसरा रोबोट लॉन्च किया जाएगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत-स्पेस डेली

7. **<u>वर्ष 2022 के अंत तक भारत में 31.4% बच्चे अविकसित होंगे: रिपोर्ट</u>**

- सांख्यिकी एवं कार्यक्रम मंत्रालय के सहयोग से संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट के विश्लेषण के अनुसार, पांच वर्ष से कम आयु के लगभग तीन भारतीय बच्चों में से एक बच्चा वर्ष 2022 तक अविकसित होगा।
- बच्चों का अविकसित होना, घातक कुपोषण का एक उपाय है- प्रति वर्ष लगभग 1% की दर से कम हो गया है, यह आर्थिक अर्थव्यवस्थाओं के मध्य सबसे धीमी गिरावट है।

रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं

- निम्नतम संपत्ति पंचमक, सबसे अधिक अविकसित है, अधिकतम संपत्ति पंचमक (22.2% .17.9% .20.1%) के मुकाबले बर्बाद करना और कम वजन (51.4%, 2% .48.6%) है।
- कम बी.एम.आई. वाली माताओं के अविकसित, कमजोर और कम भार वाले बच्चों की संभावना अधिक होती है।
- अनपढ़ माताओं के बच्चों के अविकसित, कमजोर और कम भार होने की संभावना अधिक होती है

वैश्विक लक्ष्य 2025

- मातृ, शिशु और युवा बाल पोषण में सुधार करने हेतु डब्ल्यू.एच.ओ. के सदस्य राज्यों ने मातृ, शिशु और युवा बाल पोषण में सुधार करने हेतु वैश्विक लक्ष्यों का समर्थन किया है और प्रगति की निगरानी करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अविकास

लक्ष्य: 5 वर्ष से कम आयु के अविकसित बच्चों की संख्या में 40% की कमी लानी है।

एनीमिया

लक्ष्य: बच्चे को जन्म देने की आयु में महिलाओं में एनीमिया के मामलों की संख्या में 50% कमी लानी है

जन्म के समय कम वजन होना

लक्ष्य: जन्म के समय वजन के मामलों में 30% की कमी करना

बचपन में अधिक वजन

लक्ष्य: बचपन में अधिक वजन में कोई वृद्धि नहीं करनी है

स्तनपान

लक्ष्य: पहले 6 महीनों में केवल स्तनपान की दर को कम से कम 50% तक बढ़ाना है।

कमजोरी

लक्ष्य: बच्चों की कमजोरी को 5% से कम करना और बनाए रखना

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –महत्वपूर्ण रिपोर्ट

स्रोत-द हिंदू

8. **<u>जीरो चांस: ऑस्ट्रेलिया ने अवैध प्रवासियों को चेतावनी दी है।</u>**

- ऑस्ट्रेलियाई सरकार, नौकाओं द्वारा अवैध रूप से देश में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे लोगों

के मध्य जागरूकता बढ़ाने के लिए एक अभियान 'जीरो चांस' शुरू कर रही है।

- यह अभियान नाव से आने वाले अवैध प्रवासियों पर एक विशेष प्रतिबंध लगाने में मदद करता है।
- शरणार्थियों के लिए ऑस्ट्रेलियाई सरकार पुनर्वास योजना के साथ आई थी जिसमें जो लोग देश में प्रवेश करने के इच्छुक हैं, उन्हें शरणार्थी पुनर्वास कार्यक्रमों के माध्यम से आवेदन करना होगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 –अंतर्राष्ट्रीय मामलें

स्रोत-द हिंदू

9. **<u>प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत वर्ष 2020 तक 1 करोड़ घर बनाए जाएंगे।</u>**

- सरकार वर्ष 2020 के अंत तक एक करोड़ घरों (शहरी) के निर्माण का लक्ष्य पूरा कर सकती हैं, जिसे वर्ष 2022 तक प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत पूरा करना लक्षित किया गया था।

संबंधित जानकारी

प्रधानमंत्री आवास योजना

- इस योजना को शहरी और ग्रामीण गरीबों को किफायती आवास प्रदान करने के उद्देश्य से वर्ष 2015 में शुरू किया गया था।
- इस योजना के दो घटक अर्थात शहरी गरीबों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) (पी.एम.ए.वाई.-यू.) और ग्रामीण गरीबों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) (पी.एम.ए.वाई.-जी. या पी.एम.ए.वाई-आर.) हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण (ग्रामीण विकास मंत्रालय)

- इसका उद्देश्य पूर्ण अनुदान के रूप में सहायता प्रदान करके आवास इकाइयों के निर्माण और मौजूदा बेकार कच्चे घरों के उन्नयन में गरीबी रेखा (बी.पी.एल.) के नीचे के लोगो ग्रामीण लोगों की मदद करना है।
- लाभार्थियों को 2011 की सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना (एस.ई.सी.सी.) से लिए गए आंकड़ों के अनुसार चुना गया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना- शहरी (शहरी मामलों का मंत्रालय)

- इस मिशन को 2015- 2022 के दौरान कार्यान्वित किया गया है और यह मिशन शहरी स्थानीय निकायों (यू.एल.बी.) और अन्य कार्यान्वयन संस्थाओं को राज्यों/ केंद्रशासित प्रदेशों के माध्यम से केंद्रीय सहायता प्रदान करेगा।
- 2011 की जनगणना के अनुसार सभी संवैधानिक शहर और बाद में अधिसूचित शहर मिशन के अंतर्गत शामिल होने के लिए पात्र होंगे।
- इसमें निम्नलिखित प्रावधान हैं:
- निजी भागीदारी के माध्यम से संसाधन के रूप में भूमि का उपयोग करके मौजूदा झुग्गी निवासियों का यथावत पुनर्वास
- क्रेडिट लिंक्ड सब्सिडी
- साझेदारी में किफायती आवास

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- टी.ओ.आई

27.06.2019

1. **<u>यू.एन.एस.सी. अस्थायी सीट</u>**

- भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यू.एन.एस.सी.) में 2021-22 में दो वर्ष के लिए अस्थायी सीट के लिए अपनी बोली के समर्थन में संयुक्त राष्ट्र में 55-सदस्यीय एशिया-प्रशांत समूह में सभी देशों का सर्वसम्मत समर्थन प्राप्त किया है।

संबंधित जानकारी

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यू.एन.एस.सी.)

- यह संयुक्त राष्ट्र के छह प्रमुख संगठनों में से एक है और इसे अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने का कार्य सौंपा गया है।

- इसकी शक्तियों में शांति अभियानों की स्थापना, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंधों की स्थापना और सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के माध्यम से सैन्य कार्रवाई का प्राधिकरण शामिल है।
- यह ऐसा एक मात्र संयुक्त राष्ट्र निकाय है जिसे सदस्य राष्ट्रों को बाध्यकारी संकल्प जारी करने का अधिकार प्राप्त है।
- सुरक्षा परिषद में पंद्रह सदस्य शामिल हैं।
- रूस, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, चीन और संयुक्त राज्य अमेरिका- निकाय के पांच स्थायी सदस्यों के रूप में कार्य करते हैं।
- ये स्थायी सदस्य सुरक्षा परिषद के किसी भी मूल प्रस्ताव को वीटो कर सकते हैं, जिसमें नए सदस्य राज्यों अथवा उम्मीदवारों को सुरक्षा परिषद में प्रवेश देना शामिल हैं।
- सुरक्षा परिषद में 10 अस्थायी सदस्य भी होते हैं, जिन्हें दो वर्षों के कार्यकाल हेतु क्षेत्रीय आधार पर चुना जाता है।
- निकाय की अध्यक्षता अपने सदस्यों के बीच मासिक रूप से बदलती रहती है।

नोट:

- भारत पहले भी सात बार यू.एन.एस.सी. में अस्थायी सदस्य रह चुका है।

संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख संगठन:

- संयुक्त राष्ट्र सचिवालय
- संयुक्त राष्ट्र महासभा
- अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय
- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद
- संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद
- संयुक्त राष्ट्र न्यास परिषद

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – अंतर्राष्ट्रीय संगठन

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>जल शक्ति योजना: पानी की कमी वाले क्षेत्रों हेतु</u>**

- केंद्र, 1 जुलाई से 255 जल-वंचित जिलों में वर्षा जल के संचयन और संरक्षण के प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए जल शक्ति अभियान शुरू करने हेतु तैयार है।
- यह अभियान पिछले वर्ष के ग्राम स्वराज अभियान के मॉडल का पालन करना चाहता है, जहां केंद्रीय अधिकारियों ने पूरे देश में 117 आकांक्षी जिलों में सात प्रमुख विकासात्मक योजनाओं के कार्यान्वयन की निगरानी की थी।
- यह अभियान दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान वर्षा प्राप्त करने वाले राज्यों में 1 जुलाई से 15 सितंबर तक चलाया जाएगा, जब कि पीछे हटने वाले या उत्तर-पूर्व मानसून में वर्षा प्राप्त करने वाले राज्यों में 1 अक्टूबर से 30 नवंबर तक चलाया जाएगा।
- जल शक्ति अभियान का उद्देश्य जल संचयन, संरक्षण और बोरवेल पुनर्भरण गतिविधियों में तेजी लाना होगा।

जल शक्ति अभियान (जे.एस.ए.)

- यह ग्रामीण भारत में जल सुरक्षा के लिए एक समयबद्ध, मिशन-मोड जल संरक्षण एवं सिंचाई दक्षता अभियान है।
- जे.एस.ए. 1 जुलाई से 15 सितंबर, 2019 तक चलाया जाएगा।
- इस समय के दौरान देश में पानी की कमी वाले जिलों में जल संरक्षण, संसाधन प्रबंधन और सिंचाई दक्षता हेतु अधिकारी, भूजल विशेषज्ञ और वैज्ञानिक राज्य और जिले के अधिकारियों के साथ मिलकर काम करेंगे।

हस्तक्षेप क्षेत्र:

- जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन
- जल निकायों का नवीनीकरण
- बोरवेल पुनर्भरण संरचनाओं का नवीनीकरण
- जलविभाजन विकास
- गहन वनीकरण
- gov.in पर एक ऑनलाइन डैशबोर्ड और मोबाइल प्लीकेशन के माध्यम से वास्तविक समय में कार्य में प्रगति की निगरानी की जाएगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – महत्वपूर्ण योजना

स्रोत- द हिंदू

3. **<u>यूरोपीय परिषद ने रूस के मतदान के अधिकार को बहाल किया है।</u>**

- यूरोपीय परिषद की संसदीय विधानसभा ने रूस के मतदान अधिकारों को बहाल करने के पक्ष में मतदान किया है, पांच साल पहले उन्हें क्रीमिया प्रायद्वीप पर अपने अवैध कब्जे हेतु निरस्त कर दिया गया था।
- यह कदम पैन-यूरोपीय अधिकार निकाय के लिए नए महासचिव के चुनाव में भाग लेने के लिए रूस का मार्ग प्रशस्त करता है।
- 2014 में क्रीमिया का रूस द्वारा अधिग्रहण किए जाने के बाद रूस को अपने मतदान के अधिकार से वंचित कर दिया गया था।

संबंधित जानकारी

यूरोपीय परिषद

- यह यूरोप का सबसे पुराना राजनीतिक निकाय है जिसका उद्देश्य पूरे महाद्वीप में मानवाधिकारों, लोकतंत्र और कानून के शासन को बनाए रखना है।
- इस परिषद की स्थापना 1949 में हुई थी और इसमें 47 सदस्य राष्ट्र हैं, जिनमें से 28 यूरोपीय संघ के सदस्य हैं।
- यूरोपीय परिषद, यूरोपीय संघ से भिन्न है।
- यह परिषद, यूरोपीय मानवाधिकारों न्यायालय द्वारा किए गए फैसलों की पर्यवेक्षण और उन्हें लागू करती है, जो सम्मेलन के हस्ताक्षरकर्ताओं के खिलाफ व्यक्तियों और समूहों द्वारा दायर किए गए मामलों पर विचार करती है।
- यूरोपीय परिषद, एक आधिकारिक संयुक्त राष्ट्र पर्यवेक्षक भी है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –अंतर्राष्ट्रीय संबंध

स्रोत- ए.आई.आर.

4. **<u>साइबर समन्वय केंद्र (साइकॉर्ड)</u>**

- गृह राज्य मंत्री ने राज्यसभा को साइबर समन्वय केंद्र (सईकॉर्ड) पोर्टल के बारे में जानकारी दी है।

संबंधित जानकारी

साइबर समन्वय केंद्र

- यह पोर्टल भारत के प्रधानमंत्री द्वारा दिसंबर, 2018 में डी.जी.पी./ आई.जी.पी. सम्मेलन में लॉन्च किया गया था।
- साइबर समन्वय केंद्र का प्राथमिक उद्देश्य कानून प्रवर्तन संस्थाओं और अन्य हितधारकों को एक मंच प्रदान करना है।
- यह साइबर अपराधों को हल करने के लिए और साइबर से संबंधित मुद्दों जैसे केस स्टडीज/ शोध निष्कर्षों को साझा करना, अनुभव साझा करना, शोध समस्याओं के निर्माण, जटिल साइबर मुद्दों के समाधान खोजने आदि के लिए उनके प्रयासों का सहयोग और समन्वय करने में मदद करता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

5. **<u>सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने हेतु एन.जी.ओ.</u>**

- सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने पिछले वित्तीय वर्ष 2017-18 में "सड़क सुरक्षा वकालत" के प्रबंधन के लिए एन.जी.ओ. को वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु एक योजना शुरू की है।
- इस योजना के अंतर्गत, वित्तीय वर्ष 2017-18 में 203 विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों (एन.जी.ओ.)/ ट्रस्ट/ सहकारी समितियों के माध्यम से सड़क सुरक्षा वकालत कार्यक्रमों के प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गई है।
- सड़क सुरक्षा कार्यक्रम के लिए वित्तीय सहायता पाँच लाख रूपए है।
- यह योजना कोई भी अग्रिम भुगतान प्रदान नहीं करती है और कार्यक्रम के सफल समापन के बाद ही वित्तीय सहायता की अदायगी की जाती है।

- निधियों के समुचित उपयोग को सुनिश्चित करने हेतु इस योजना में पर्याप्त सुरक्षा है, जैसे: -
- किसी भी संस्था को कोई अग्रिम भुगतान जारी नहीं किया जाता है।
- दर्पण पोर्टल पर एन.जी.ओ. का पंजीकरण किया जाता है
- प्रस्तावों की जांच करने के लिए योजना को परियोजना प्रबंधन इकाई (पी.एम.यू.) के माध्यम से प्रशासित किया जाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- पी.आई.बी.

6. **<u>चंद्र निकासी प्रणाली</u>**

- यह नासा के 2024 चंद्र मिशन की तैयारियों में इस्तेमाल किया जाने वाला उपकरण है।
- चंद्र निकासी प्रणाली असेंबली (एल.ई.एस.ए.), यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ई.एस.ए.) द्वारा विकसित की गई है।
- यह एक पिरामिड जैसी संरचना है जिसका उद्देश्य चंद्रमा की सतह पर चोट से पीड़ित अंतरिक्ष यात्री को बचाना है।
- अंतरिक्ष यात्री एक्स्ट्रावेहिकुलर गतिविधि सूट पहनकर जमीन पर गिरे हुए अपने क्रूमेट को कंधे पर उठा सकने में सक्षम नहीं होते हैं।
- एल.ई.एस.ए. अपने गिरे हुए सहयोगी को बचाने के लिए एक अंतरिक्ष यात्री द्वारा संचालित किया जा सकता है।
- यह गिरे हुए क्रूमेट को नजदीकी दबाव वाले लैंडर की सुरक्षा में ले जाने से पहले एक अंतरिक्ष यात्री को 10 मिनट से भी कम समय में एक मोबाइल स्ट्रेचर पर अपने क्रूमेट को उठाने में सक्षम बनाता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

7. **<u>धन्यवाद प्रस्ताव</u>**

- संविधान के अनुच्छेद 87 के अंतर्गत, भारत का राष्ट्रपति प्रत्येक आम चुनावों के बाद पहले सत्र की शुरुआत और प्रत्येक वित्तीय वर्ष के पहले सत्र में संसद के दोनों सदनों को विशेष रूप से संबोधित करता है।
- इस संबोधन में राष्ट्रपति पूर्ववर्ती वर्ष और आगामी वर्ष में सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करता है।
- चर्चा के अंत में मतदान के लिए प्रस्ताव रखा जाता है।
- यह प्रस्ताव अवश्य ही सदन में पारित होना चाहिए अन्यथा यह सरकार की हार का कारण बनता है।
- राष्ट्रपति का यह उद्घाटन भाषण, संसद के सदस्यों के लिए उपलब्ध एक अवसर है जिसमें वे सरकार और प्रशासन की जाँच और आलोचना करने के लिए चर्चाओं और बहस को आगे बढ़ाएँ।
- केवल राष्ट्रपति के संबोधन के बाद ही धन्यवाद प्रस्ताव में संशोधन की सूचना दी जा सकती है।

टॉपिक-जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

8. **<u>बेरोजगारी में राज्य विभाजन: नागालैंड, सूची में शीर्ष स्थान पर है।</u>**

- राज्यों के मध्य नागालैंड में बेरोजगारी दर सबसे अधिक 21.4% और मेघालय में सबसे कम 1.5% है।
- 2017-18 के लिए आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पी.एल.एफ.एस.), जिसके अन्य पहलुओं को पहले बताया गया है, यह राज्यों के मध्य अधिक भिन्नता को दर्शाता है।
- नागालैंड के अतिरिक्त उच्च बेरोजगारी वाले राज्य गोवा और मणिपुर हैं।
- छत्तीसगढ़ और सिक्किम सबसे कम बेरोजगारी दरों वाले राज्यों में से हैं।
- यदि केंद्र शासित प्रदेशों को तुलना में शामिल किया जाता है तो नागालैंड अभी भी सूची में सबसे शीर्ष पर है जब कि दादरा और नगर

हवेली, मेघालय को 0.6% के साथ प्रतिस्थापित करता है।

- देश भर में, पी.एल.एफ.एस. ने बेरोजगारी की दर 6.1% बताई है, पुरूषों की तुलना में महिलाओं की दर कम है।
- राज्यों में, नागालैंड और मेघालय ने पुन: महिला और पुरुष दोनों सूचियों में शीर्ष और निचले स्थान प्राप्त किए हैं।
- गोवा और केरल में महिला बेरोजगारी (क्रमशः 26.0% और 23.3%) अधिकतम है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

28.06.2019

1. **<u>सरकार ने डब्ल्यू.पी.आई. की वर्तमान श्रृंखला को संशोधित करने के लिए वर्किंग ग्रुप का गठन किया है।</u>**

- सरकार ने रमेश चंद (नीति आयोग का सदस्य) की अध्यक्षता में थोक मूल्य सूचकांक की वर्तमान श्रृंखला के संशोधन हेतु एक 18-सदस्यीय वर्किंग ग्रुप की स्थापना की है।
- आर्थिक सलाहकार कार्यालय, उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग वर्किंग ग्रुप के नोडल कार्यालय होंगे।

डब्ल्यू.पी.आई. के संशोधन की आवश्यकता

- वर्ष 2011-12 के आधार वर्ष के साथ थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यू.पी.आई.) की वर्तमान श्रृंखला मई, 2017 में पेश की गई थी।
- 2011-12 के बाद से अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण संरचनात्मक परिवर्तन हुए हैं।
- आधार वर्ष का संशोधन करने से मूल्य की स्थिति के अधिक यथार्थवादी प्रस्तुतीकरण और लोगों पर इसके प्रभाव को प्रस्तुत करने में मदद करेगा।

वर्किंग ग्रुप के कार्य

- भारत में डब्ल्यू.पी.आई. और उत्पादक मूल्य सूचकांक (पी.पी.आई.) की सूचकांक संख्या की एक नई आधिकारिक श्रृंखला तैयार करने हेतु सबसे उपयुक्त आधार वर्ष का चयन करना है।
- डब्ल्यू.पी.आई. की वर्तमान श्रृंखला की कमोडिटी बास्केट की समीक्षा करना।
- विनिर्माण क्षेत्र के लिए विशेष रूप से मूल्य संग्रह की मौजूदा प्रणाली की समीक्षा करना।

संबंधित जानकारी

थोक मूल्य सूचकांक

- यह थोक बाजार में कारोबार की जाने वाली वस्तुओं की कीमत में होने वाले परिवर्तन को मापता है।
- इसे शीर्षक मुद्रास्फीति के रूप में भी जाना जाता है।
- वर्तमान आधार वर्ष- 2011-12
- वर्तमान श्रृंखला की सूचकांक टोकरी में कुल 697 आइटम (प्राथमिक उत्पादों के लिए 117 आइटम, ईंधन और बिजली के लिए 16 आइटम और विनिर्माण उत्पादों के लिए 564 आइटम हैं।)
- इसे वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के आर्थिक सलाहकार द्वारा प्रकाशित किया गया था।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – महत्वपूर्ण समिति

स्रोत- द हिंदू

2. **<u>व्यापार एवं नीति पर सुरजीत भल्ला समिति</u>**

- डॉ. सुरजीत एस. भल्ला की अध्यक्षता में उच्च-स्तरीय सलाहकार समूह (एच.एल.ए.जी.) का गठन वाणिज्य विभाग द्वारा किया गया है।
- इसने वैश्विक व्यापार और सेवा व्यापार में भारत की हिस्सेदारी और महत्व को बढ़ाने के लिए कई सिफारिशें की हैं।
- अन्य बातों के अतिरिक्त, निर्यात के संवर्धन और निर्यात हेतु निवेश प्रणाली के संवर्धन हेतु रिपोर्ट ने कर संशोधनों की भी पहचान की है।
- इस समिति ने "एलिफैंट बांड" की सिफारिश की थी।

- एलिफैंट बॉन्ड, 25 साल का संप्रभु बांड होगा, जिसके अंतर्गत अघोषित आय की घोषणा करने वाले व्यक्तियों को अनिवार्य रूप से इसमें 50% धन निवेश करना होगा, जिसका केवल ढांचा परियोजनाओं के लिए उपयोग किया जाएगा।
- एच.एल.ए.जी. ने भारत को वित्तीय सेवाओं के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बनाने हेतु वित्तीय सेवा ढांचे में सुधार के लिए सिफारिशें भी की हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – महत्वपूर्ण समिति

स्रोत-पी.आई.बी.

3. **<u>प्लास्टिक क्रस्ट (पपड़ी)- एक नए प्रकार का समुद्री प्रदूषण</u>**

- समुद्र एवं पर्यावरण विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों ने एक नए प्रकार के प्लास्टिक प्रदूषण की खोज की है जिसे "प्लास्टिक क्रस्ट" नाम दिया गया है।

संबंधित जानकारी

प्लास्टिक क्रस्ट

- यह पॉलीथीन की एक परत है, जो दुनिया की सबसे व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली प्लास्टिक है जो समुद्री चट्टानों पर पपड़ी के रूप में जमी हुई है।
- वर्ष 2016 में, शोधकर्ताओं ने पहली बार उत्तर-पश्चिम अफ्रीका से दूर एक ज्वालामुखी पुर्तगाली द्वीप, मैडीरा पर नीले और भूरे रंग के प्लास्टिक के घब्बे देखे थे।
- समुद्र तट के किनारे की चट्टानों का नमूना लेने के बाद शोधकर्ताओं ने पाया है कि वर्ष 2019 तक प्लास्टिक क्रस्ट, चट्टानी सतह के 9.46% भाग को ढक देगी।
- शोधकर्ताओं के अनुसार, प्लास्टिक क्रस्ट के संभावित प्रभाव अभी भी अपेक्षाकृत अज्ञात हैं लेकिन इसमें द्वीप के जानवरों को प्रभावित करने की क्षमता है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – पर्यावरण

स्रोत- द हिंदू

4. **<u>मधुमक्खी पालन विकास समिति</u>**

- प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद ने प्रोफेसर बिबेक देबरॉय की अध्यक्षता में एक मधुमक्खी पालन विकास समिति का गठन किया था।
- इस समिति का गठन भारत में मधुमक्खी पालन को उन्नत बनाने के तरीकों की पहचान करने के उद्देश्य से किया गया था जिससे कृषि उत्पादकता में सुधार करने, रोजगार सृजन को बढ़ाने, पोषण सुरक्षा को बढ़ाने और जैव विविधता को बनाए रखने में मदद मिल सकती है।

समिति की सिफारिश

- इस समिति ने मधुमक्खियों को कृषि में इनपुट के रूप में मान्यता प्रदान करने और भूमिरहित मधमक्खी पालक को किसान माने जाने की सिफारिश की है।
- रिपोर्ट में यह भी सिफारिश की गई है कि सरकार को राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड को संस्थागत बनाना चाहिए और इसे कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय शहद एवं परागण बोर्ड के रूप में नया नाम दिया जाना चाहिए।
- ऐसे बोर्ड का उद्देश्य नए एकीकृत मधुमक्खी विकास केंद्रों की स्थापना करना और मौजूदा केंद्रो को सशक्त करना जैसे कई तंत्रों के माध्यम से मधुमक्खी पालन को उन्नत बनाना होगा।
- इसके अतिरिक्त रिपोर्ट में कहा गया है कि शहद और अन्य मधुमक्खी उत्पादों के भंडारण, प्रसंस्करण और विपणन हेतु राष्ट्रीय और क्षेत्रीय बुनियादी ढाँचा विकसित किया जाना चाहिए।
- इस रिपोर्ट ने शहद और अन्य मधुमक्खी उत्पादों के निर्यात में आसानी के लिए सरल प्रक्रियाओं और स्पष्ट मानकों का भी सुझाव दिया है।
- खाद्य एवं कृषि संगठन डेटाबेस के अनुसार, भारत, शहद उत्पादन के मामले में 2017-18 में दुनिया में आठवें स्थान पर है जब कि चीन पहले स्थान पर है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत-लाइवमिंट

5. **<u>प्रोटॉन चिकित्सा पर अनुसंधान</u>**

- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री ने भारत में प्रोटॉन चिकित्सा पर अनुसंधान की वर्तमान स्थिति के बारे में राज्यसभा को सूचित किया है।

संबंधित जानकारी

प्रोटॉन चिकित्सा

- यह विकिरण चिकित्सा का एक प्रकार है, जिसे प्रोटॉन बीम चिकित्सा भी कहा जाता है।
- यह कैंसर का इलाज करने हेतु एक्स-रे के स्थान पर प्रोटॉन का उपयोग करता है।
- प्रोटॉन, एक धनात्मक आवेशित कण है।
- उच्च ऊर्जा पर प्रोटॉन, कैंसर कोशिकाओं को नष्ट कर सकते हैं।
- एक्स-रे विकिरण के समान प्रोटॉन चिकित्सा एक प्रकार की बाहरी-बीम विकिरण चिकित्सा है।
- यह शरीर के बाहर एक मशीन से त्वचा के माध्यम से दर्द रहित विकिरण वितरित करता है।
- प्रोटॉन चिकित्सा के साथ ट्यूमर के बाहर विकिरण की मात्रा कम होती है।
- नियमित विकिरण चिकित्सा में, एक्स-रे विकिरण खुराक देना जारी रखते हैं क्यों कि वे व्यक्ति के शरीर को छोड़ देते हैं।
- इसका अर्थ है कि विकिरण स्वस्थ ऊतकों को नुकसान पहुंचाता है, संभवतः दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 3 – विज्ञान एवं तकनीकि

स्रोत-पी.आई.बी.

6. **<u>गो ट्राइबल अभियान शुरू किया गया है।</u>**

- सरकार, आदिवासी हस्तशिल्प और प्राकृतिक उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए नई दिल्ली में गो ट्राइबल अभियान शुरू करेगी।
- जनजातीय मामलों के मंत्रालय ने कहा है कि ट्राइफेड ने आदिवासी उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न संगठनों के साथ सहयोग और साझेदारी को संस्थागत बनाने के लिए यह आयोजन किया है।
- कार्यक्रम के दौरान ट्राइब्स इंडिया और अमेज़न ग्लोबल मार्केटिंग, अमेज़न प्लेटफॉर्म के माध्यम से वैश्विक स्तर पर ट्राइब्स इंडिया उत्पादों को लॉन्च करेगी।
- इस सहयोग से आदिवासी उत्पाद अमेरिका में भी उपलब्ध होंगे और आदिवासी उत्पादों के साथ निर्यात बाजार स्थापित करने में मदद मिलेगी।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –भारतीय संविधान

स्रोत-पी.आई.बी.

7. **<u>सरकार "एक राष्ट्र, एक राशन कार्ड" लॉन्च करने के जा रही है।</u>**

- केंद्र सरकार पूरे देश में किसी भी पी.डी.एस. दुकान से सार्वजनिक वितरण प्रणाली तक पहुँच प्राप्त करने के लिए लाभार्थियों, विशेषकर प्रवासी श्रमिकों के लिए "एक राष्ट्र, एक राशन कार्ड" को लांच करने हेतु एक योजना पर काम कर रही है।
- इस योजना का उद्देश्य लाभार्थियों को स्वतंत्रता प्रदान करना है क्यों कि वे किसी एक पी.डी.एस. दुकान से बंधे नहीं रहेंगे और दुकान मालिकों पर उनकी निर्भरता और भ्रष्टाचार को कम करना है।
- सबसे बड़े लाभार्थी वे प्रवासी श्रमिक होंगे जो बेहतर रोजगार के अवसरों की तलाश के लिए दूसरे राज्यों में जाते हैं।

संबंधित जानकारी

- पी.डी.एस. का एकीकृत प्रबंधन (आई.एम.पी.डी.एस.), जिसके अंतर्गत लाभार्थी किसी भी जिले से अपने अनाज का हिस्सा प्राप्त कर सकते हैं, यह वर्तमान में आंध्र प्रदेश, गुजरात, हरियाणा, झारखंड, कर्नाटक, केरल,

महाराष्ट्र, राजस्थान, तेलंगाना और त्रिपुरा में चालू है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –सरकारी योजना

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

8. **<u>राष्ट्रीय प्राकृतिक भाषा अनुवाद मिशन</u>**

- इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आई.टी. मंत्रालय, प्राकृतिक भाषा अनुवाद को शुरू करेगा, जो प्रधानमंत्री की विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार सलाहकार परिषद (पी.एम.-एस.टी.आई.ए.सी.) द्वारा चिन्हित किए गए प्रमुख अभियानों में से एक पर आधारित है।
- मानव संसाधन विकास मंत्रालय और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के साथ आई.टी. मंत्रालय मिशन के कार्यान्वयन हेतु प्रमुख संस्था है।
- इसका उद्देश्य शिक्षण और अनुसंधान सामग्री को दोनो भाषाओं अर्थात अंग्रेजी और एक मूल भारतीय भाषा में उपलब्ध कराकर विज्ञान और प्रौद्योगिकी तक सभी को पहुँच प्रदान करना है।

संबंधित जानकारी

पी.एम.- एस.टी.आई.ए.सी.

- यह भारत में प्रमुख वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकी और नवाचार हस्तक्षेपों के मूल्यांकन, निर्माण और कार्यान्वयन के कार्यों के साथ एक व्यापक निकाय है।
- इसने भारत में प्रमुख वैज्ञानिक चुनौतियों को संबोधित करने हेतु 9 राष्ट्रीय मिशनों की पहचान की है।
- यह 9 राष्ट्रीय मिशन- प्राकृतिक भाषा अनुवाद, क्वांटम फ्रंटियर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, राष्ट्रीय जैवविविधता मिशन, इलेक्ट्रिक वाहन, मानव स्वास्थय हेतु जीव विज्ञान, अपशिष्ट से संपत्ति, गहन समुद्री अन्वेषण, अग्नि हैं।
- इसका उद्देश्य जटिल समस्याओं को हल करने और सतत विकास को सुनिश्चित करने के लिए सहयोग को सुविधाजनक बनाना है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 – गवर्नेंस

स्रोत- द हिंदू

9. **<u>सरकार, भारतनेट परियोजना के अंतर्गत सभी ग्राम पंचायतों को ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी प्रदान करेगी।</u>**

- भारतनेट परियोजना के अंतर्गत, देश में सभी 5 लाख ग्राम पंचायतों को आखिरी मील तक की कनेक्टिविटी प्रदान की जानी है।

परियोजना के संदर्भ में जानकारी

- भारतनेट परियोजना को सार्वभौमिक सेवा कर्तव्य कोष (यू.एस.ओ.एफ.) द्वारा वित्त पोषित किया जा रहा है।
- इसे भारत के ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में दूरसंचार सेवाओं में सुधार के लिए स्थापित किया गया था।
- इसका उद्देश्य ग्रामीण भारत को ई-गवर्नेंस, ई-हेल्थ, ई-एजुकेशन, ई-बैंकिंग, इंटरनेट और अन्य सेवाओं के वितरण की सुविधा प्रदान करना है।
- भारतनेट परियोजना का पहला चरण दिसंबर, 2017 में पूरा हुआ था।
- दूसरा चरण, कार्यान्वयन के अधीन है और मार्च, 2020 तक कुल 2 लाख ग्राम पंचायतों को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत- इंडियन एक्सप्रेस

10. **<u>PMGDISHA के अंतर्गत डिजिटल शिक्षा</u>**

- इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री रविशंकर प्रसाद ने कहा है कि प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान के अंतर्गत लगभग 22 करोड़ ग्रामीणों को डिजिटल शिक्षा प्रदान की गई है।

संबंधित जानकारी

प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान (PMGDISHA)

- यह सभी राज्यों/ केंद्रशासित प्रदेशों में 31 मार्च, 2019 तक प्रत्येक पात्र घर से एक सदस्य को शामिल करके लगभग 40% ग्रामीण परिवारों

को शामिल करते हुए 6 करोड़ लोगो को डिजिटल रूप से साक्षर बनाने की योजना है।

- इस योजना का उद्देश्य डिजिटल विभाजन को दूर करना है, यह विशेष रूप से अनुसूचित जाति (एस.सी.)/ अनुसूचित जनजाति (एस.टी.), अल्पसंख्यक, गरीबी रेखा से नीचे (बी.पी.एल.), महिलाओं और विभिन्न सक्षम व्यक्तियों और अल्पसंख्याकों जैसे समाज के हाशिए वाले वर्गों सहित ग्रामीण आबादी को लक्षित करना है।
- इसके अंतर्गत, एक ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को एक कंप्यूटर, टैबलेट, स्मार्टफोन इत्यादि संचालित करने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा और इंटरनेट, सरकारी सेवाओं तक कैसे पहुँच प्राप्त की जाए, डिजिटल भुगतान करना, ईमेल भेजना आदि का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

टॉपिक- जी.एस. पेपर 2 –गवर्नेंस

स्रोत-पी.आई.बी.

***